RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर. मिश्रा

श्री 1008 महामंडलेश्वर
श्री स्वामी रामानंद दासजी महाराज
श्री रामानंद दास अन्नक्षेत्र सेवा ट्रस्ट, तपोवन आश्रम

स्व. पं. पू.1008 श्री रामानन्द जी
तपोवन मंदिर, मोरा गांव, सूरत

वर्ष-12 अंक:315 ता. 05 जून 2024, बुधवार , कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो. 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

मोदी की हैट्रिक, लेकिन सत्ता की चाबी नीतिश और नायडू के पास

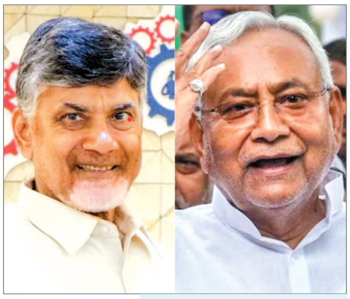

जातिगत जनगणना, मुस्लिम आरक्षण का दबाव बनाएंगे धरा रह जाएगा बीजेपी का कोर एजेंडा

नई दिल्ली (एजेंसी)। देर शाम तक क के नतीजों के मुताबिक नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में लगातार तीसरी बार एनडीए की सरकार बन रही है, लेकिन इस बार सत्ता की चाबी एनडीए के दो बड़े पार्टनर नीतिश कुमार और चंद्रबाबू नायडू के हाथों में रहेगी। ऐसे में बीजेपी को अपने कोर एजेंडे को आगे ले जाने में धक्का लग सकता है। ट्रेंड के मुताबिक बीजेपी 244 सीटों पर आगे चल रही है। टीडीपी 16 और जदयू 14 सीटों पर आगे हैं। बहुमत के लिए 272 सीटों की जरूरत होगी। इस बेस पर इन पार्टियों के पावर का डिस्ट्रीब्यूशन करें, तो 89 फीसदी पावर बीजेपी के पास और 5.5-5.5 प्रतिशत जदयू और टीडीपी के पास है। देखने में 5.5 फीसदी का पावर मीटर भले छोटा हो, लेकिन सरकार गिराने के लिए काफी है। हमने बहुमत के आंकड़े यानी 272 को 100 फीसदी मानते हुए पावर मीटर निकाला है। लोकसभा चुनाव प्रचार के दौरान, नीतिश कुमार ने रैलियों में कहा कि उन्होंने अपने शासनकाल में सांप्रदायिक सद्भाव बरकरार रखा। अल्पसंख्यकों के लिए कई महत्वपूर्ण योजनाएं चलाईं। भाजपा के साथ होने के बावजूद नीतिश कुमार ने अल्पसंख्यक समुदाय को यह संदेश दिया है कि वह भाजपा के साथ गठबंधन के बावजूद उनके हितों की रक्षा करना जारी रखेंगे। भाजपा में शामिल होने से पहले नीतिश ने आरक्षण पर बहस छेड़ दी थी और बिहार में जाति आधारित सर्वेक्षण भी करवाया था। जेडीयू लगातार यह कहती रही है कि सभी वर्गों को सही जगह और सही संख्या में आरक्षण मिल रहा है या नहीं, इसके लिए जातियों की सही जनसंख्या का पता लगना जरूरी है, इसके लिए जातिगत जनगणना करवानी चाहिए। इधर बीजेपी अभी तक कहती आई है कि सामाजिक न्याय के लिए नीतिश कुमार गठबंधन बदल सकते हैं। नीतिश का पाला बदलने का इतिहास रहा है। पिछले 10 सालों में नीतिश कुमार 4 बार पाला बदल चुके हैं। दो बार वे एनडीए छोड़कर महागठबंधन के साथ गए और दो बार महागठबंधन छोड़कर फिर से एनडीए में शामिल हुए हैं। ऐसे में यह कहा जा रहा है कि अगर नीतिश कुमार ने एनडीए का साथ छोड़ा तो बीजेपी के लिए मुश्किल खड़ी हो जाएगी। चंद्रबाबू की पार्टी टीडीपी पहले भी बीजेपी की अगुआई वाले एनडीए का हिस्सा रही थी। 2014 में टीडीपी और बीजेपी ने लोकसभा और विधानसभा चुनाव साथ मिलकर लड़ा था, लेकिन 2018 में टीडीपी ने किनारा कर लिया।

एमपी में भाजपा की सुनामी, सभी सीटें जीती

भोपाल। मध्यप्रदेश की 29 लोकसभा सीटों पर काउंटिंग हो गई है। भोपाल, इंदौर, गुना, टीकमगढ़, मंदसौर और खजुराहो समेत भाजपा सभी 29 सीटों पर जीत दर्ज कर चुकी है या जीत के करीब है। राजगढ़ में भाजपा कैंडीडेट से पीछे चल रहे दिग्विजय सिंह ने दो जगह काउंटिंग रुकवा दी। इंदौर में भाजपा के शंकर लालवानी 11 लाख की लीड के साथ देश की सबसे बड़ी जीत दर्ज की है। छिंदवाड़ा में भाजपा 26 साल बाद जीत दर्ज की है। बीजेपी ने सभी 29 सीटों पर चुनाव लड़ा, जबकि 27 सीटों पर कांग्रेस प्रत्याशी अपनी किस्मत आजमा रहे थे। बालाघाट-सिवनी संसदीय क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी भारती पारधी की जीत लगभग सुनिश्चित हो गई है। भाजपा कार्यालय में जश्न शुरू हो गया है।

मंडी सीट पर कंगना रनौत की बड़ी जीत

नई दिल्ली (एजेंसी)। हिमाचल प्रदेश की मंडी लोकसभा सीट से बड़ी खबर सामने आ रही है। मंडी से बीजेपी की तरफ से मैदान में उतरीं कंगना रनौत ने भारी मतों के साथ जीत दर्ज की है। सामने आ रहे आंकड़ों के मुताबिक, कंगना रनौत ने कांग्रेस के विक्रमादित्य सिंह को 70 हजार से अधिक वोटों से मात दी है। गौरतलब है कि मंडी शुरुआत से ही हाई प्रोफाइल सीट बनी हुई थी। इस सीट पर बीजेपी और कांग्रेस के बीच कड़ा मुकाबला देखने को मिला। हालांकि, अब नतीजें साफ हो चुके हैं। बता दें कि 1951 से अभी तक मंडी सीट पर 17 बार लोकसभा चुनाव हुए हैं, जिसमें 11 बार कांग्रेस ने जीत दर्ज की है, वहीं पांच बार बीजेपी ने इस सीट पर अपना नाम दर्ज करया था।

मोदी का दबदबा तो दिखा लेकिन... कमजोर रही जीत

भारत में लोकसभा चुनाव के नतीजों पर बोला विदेशी मीडिया

इस्लामाबाद (एजेंसी)। भारत में हुए लोकसभा चुनाव 2024 के नतीजे काफी हद तक साफ हो गए हैं। भाजपा और सहयोगी दल बहुमत के 272 के आंकड़े को पार कर गए हैं। अंतरराष्ट्रीय मीडिया भी भारतीय चुनाव पर रिपोर्ट कर रहा है। दुनिया के कई देशों के मीडिया ने चुनाव नतीजों पर कमेंट किया है। बीबीसी न्यूज ने कहा है कि नतीजों में मोदी की बड़ी चुनावी जीत की उम्मीदें धूमिल हुई हैं। यूके से स्काई न्यूज ने कहा कि बीजेपी का प्रदर्शन उम्मीद के मुताबिक नहीं रहा है। दूसरे देशों से भी चुनाव नतीजों पर प्रतिक्रियाएं आ रही हैं। सीएनएन ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि दुनिया की सबसे बड़ी डेमोक्रेसी में सत्ताधारी भाजपा की निगाहें तीसरी बार सरकार बनाने पर

है। अखबार कहता है कि विवादों के बावजूद नरेंद्र मोदी भारत के लोकप्रिय नेता हैं। पाकिस्तान के अखबार डॉन ने लिखा है कि नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाले गठबंधन को स्पष्ट बहुमत लेकिन विपक्षी दलों का भी शानदार प्रदर्शन। बीबीसी इंग्लिश ने कहा है कि भारत में चुनाव नतीजों में भाजपा की बड़ी जीत की उम्मीदों को झटका। निकी एशिया कहता है कि नरेंद्र मोदी बहुमत की ओर, विपक्षी दलों का गठबंधन पिछड़ा। बांग्लादेश के अखबार डेली स्टार ने अपनी वेबसाइट पर रिपोर्ट में कहा है कि बीजेपी गठबंधन को करीब 300 सीटों पर बढ़त लेकिन इंडिया ब्लॉक ने भी मजबूती दिखाई। पाकिस्तान के ट्रिब्यून ने कहा है कि नतीजों मोदी गठबंधन का दबदबा दिखा है लेकिन बड़ी जीत नहीं मिल रही है। लोकसभा की 542 सीटों के लिए हुए चुनाव के बाद वोटों की गिनती जारी है। चुनाव के रुझान लगभग स्पष्ट हो गए हैं। नतीजों में एनडीए को करीब 300 सीटें मिल रही हैं। भाजपा को अकेले ही 240 से 245 सीटें आ रही हैं। उत्तर प्रदेश, बिहार, राजस्थान और हरियाणा में भाजपा को नुकसान हो रहा है। वहीं तेलंगाना, आंध्र प्रदेश और ओडिशा में भाजपा फायदे में दिख रही है।

बदल गई कश्मीर की हवा

लोकसभा चुनावों में उमर और महबूबा दोनों ही हारे

नई दिल्ली (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाए जाने के बाद हुए पहले संसदीय चुनावों में राज्य की सियासी हवा बदलती नजर आ रही है। सात चरणों में हुए लोकसभा चुनावों की हो रही मतगणना में राज्य के दो पूर्व मुख्यमंत्री चुनाव हार गए हैं। जम्मू-कश्मीर की अनंतनाग-राजौरी लोकसभा सीट पर नेशनल कांफ्रेंस के मियां अल्ताफ पीडीपी की अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती से एक लाख 74 हजार 664 वोटों से जीत गए हैं। महबूबा के लिए यह बड़ा अंतर है। दूसरी तरफ नेशनल कांफ्रेंस के नेता और पूर्व मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला भी बारामूला सीट पर हार गए हैं। इस सीट पर निर्दलीय उम्मीदवार अब्दुल रशीद शेख उर्फ इंजीनियर रशीद उनसे करीब 89000 वोटों से चुनाव जीत गए हैं। इस बीच, नेशनल कांफ्रेंस के उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्ला ने कहा कि उन्हें बारामूला लोकसभा सीट से जीतने की उम्मीद ती। अब्दुल्ला ने पत्रकारों से कहा, ''उतार-चढ़ाव होंगे लेकिन अंतिम परिणाम हमारे पक्ष में होंगे।'' बहरहाल, घाटी की एक और सीट श्रीनगर से नेशनल कांफ्रेंस के उम्मीदवार आगा सैयद रुहुल्लाह मेहदी पीडीपी के वाहिद उर रहमान पारा से एक लाख 20 हजार वोटों से आगे चल जीत गए हैं। निर्वाचन आयोग के रुझानों के अनुसार, जम्मू संभाग के उधमपुर सीट से भाजपा उम्मीदवार और केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह करीब 59000 मतों से आगे चल रहे हैं जबकि जम्मू से मौजूदा सांसद जुगल किशोर शर्मा 103,136 मतों से बढ़त बनाये हुए हैं। कश्मीर की तीन लोकसभा सीटों पर 50 प्रतिशत से अधिक मतदान हुआ था। मतदान ने 1989 में आतंकवाद के सिर उठाने के बाद का रिकॉर्ड तोड़ दिया। कश्मीर की तीन लोकसभा सीटों के लिए वोटों की गिनती मंगलवार सुबह कड़ी सुरक्षा के बीच शुरू हुई।

नासिक में एयरफोर्स का सुखोई क्रैश, खेत में गिरा

दोनों पायलट सुरक्षित, ओवरहॉलिंग के लिए हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स के पास था विमान

नासिक (एजेंसी)। वायुसेना का लड़ाकू विमान सुखोई मंगलवार को नासिक में दुर्घटनाग्रस्त हो गया। विमान ओवरहॉलिंग के लिए हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड के पास था। नासिक रेंज के विशेष महानिरीक्षक डीआर कराले ने बताया कि सुखोई विमान के पायलट और को-पायलट सुरक्षित बाहर निकल आए। विमान शिरसगांव के पास एक खेत में गिरा।

राजस्थान के पोकरण में हुए भारत शक्ति युद्धाभ्यास में शामिल तेजस फाइटर जेट 27 फरवरी की दोपहर करीब 2 बजे क्रैश हो गया था। यह जैसलमेर शहर से 2 किमी दूर जवाहर नगर स्थित भील समाज के हॉस्टल पर जा गिरा। तेजस के क्रैश होने की यह पहली घटना थी। घटना के समय हॉस्टल के उस कमरे में कोई नहीं था। इससे ज्यादा नुकसान नहीं हुआ। पोकरण में चल रहे युद्धाभ्यास स्थल से करीब 100 किमी दूर यह हादसा जैसलमेर में हुआ है। कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह समेत सेना के बड़े अधिकारी मौजूद थे। इंडियन एयर फोर्स का एक ट्रेनिंग विमान सोमवार सुबह तेलंगाना में क्रैश हो गया था। इस हादसे में दो पायलटों की मौत हो गई। प्लेन मेडक के बाहरी इलाके परिधि रवेली में क्रैश हुआ था। एआई के मुताबिक, विमान में दो पायलट मौजूद थे। जिसमें एक ट्रेनर थे जो नए कैडेट को प्लेन उड़ाना सिखा रहे थे।

ओडिशा में 24 साल का पटनायक राज खत्म

बीजेपी 80 सीटों पर जीती, आंध्र में एनडीए सरकार, 165 सीटें जीती

भुवनेश्वर/अमरावती (एजेंसी)। ओडिशा में 24 साल से सत्ता में काबिज नवीन पटनायक के हाथ से सत्ता जाती दिख रही है। अब तक के रुझान में बीजेपी 147 में से 80 सीटों पर आगे चल रही है। एग्जिट पोल में बीजेपी और बीजेडी में कांटे का मुकाबला बताया गया था। पोल में नवीन पटनायक की बीजेडी और भाजपा को, दोनों को 62-80 सीटें मिलने का अनुमान जताया था। वहीं, आंध्र प्रदेश में एनडीए (भाजपा, टीडीपी और जन सेना पार्टी) सरकार बनाता दिख रहा है। मौजूदा सीएम जगन मोहन रेड्डी की वायएसआरसीपी को खासा नुकसान हो रहा है। एग्जिट पोल में भी इस बार सत्ता बदलने का अनुमान जताया गया था। 5 एग्जिट पोल में एनडीए तो दो में सत्तारूढ़ पार्टी की सरकार बनते दिख रही है। आंध्र प्रदेश में वाईएसआर कांग्रेस पार्टी के जगन मोहन रेड्डी 2019 से सत्ता में हैं। जगन मोहन ने पिछली बार 175 में से 151 सीटों पर

एकतरफा जीत दर्ज की थी। राज्य में भाजपा ने चंद्रबाबू नायडू की तेलुगु देशम पार्टी और एक्टर पवन कल्याण की जन सेना पार्टी के साथ गठबंधन किया है। वहीं, ओडिशा में नवीन पटनायक 24 साल (मार्च 2000) से मुख्यमंत्री हैं। ओडिशा में भाजपा ने फिलहाल किसी को मुख्यमंत्री का चेहरा नहीं बनाया और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के चेहरे पर ही चुनाव लड़ा। वहीं, 12 राज्यों की 26 विधानसभा सीटों पर हुए उपचुनाव की भी गिनती हो गई है।

छत्तीसगढ़ में पूर्व सीएम भूपेश बघेल चुनाव हारे

- कोरबा में कांग्रेस को बढ़त, बृजमोहन, विजय, राठिया की जीत तय

रायपुर (एजेंसी)। लोकसभा चुनाव-2024 के नतीजे मंगलवार को सामने आ गए हैं। छत्तीसगढ़ की सभी 11 लोकसभा सीटों के लिए मतगणना हो गई है। अब तक के रुझानों में भाजपा 10 सीटों पर जीत दर्ज कर चुकी है। वहीं कोरबा से कांग्रेस की ज्योत्सना महंत आगे हैं। हालांकि राजनांदगांव से पूर्व सीएम भूपेश बघेल चुनाव हार गए हैं। अभी तक आंकड़ों के मुताबिक, रायपुर से भाजपा के बृजमोहन अग्रवाल, दुर्ग से विजय बघेल, राजनांदगांव से संतोष पांडेय और रायगढ़ से राधेश्याम राठिया की जीत तय मानी जा रही है। प्रदेश में चुनाव में 3 सांसद, 1 पूर्व सांसद, 1 कैबिनेट मंत्री, 1 पूर्व सीएम, 3 पूर्व कैबिनेट मंत्री, विधायक-पूर्व विधायक सहित 220 प्रत्याशी मैदान में थे। वोटों की गिनती के लिए प्रदेश में 94 मतगणना हॉल बनाए गए हैं, इनमें 6562 अधिकारी-कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गई है। निर्वाचन आयोग ने मतगणना को लेकर तैयारी पूरी कर ली है। हर मतगणना स्थल पर त्रिस्तरीय सुरक्षा-व्यवस्था के इंतजाम किए गए हैं। बाहरी लेयर की जिम्मेदारी जिला पुलिस और बाकी केंद्रीय फोर्स को सौंपी गई है।

भाजपा के साथ आते ही 'रोशन' हुआ पासवान का चिराग

बिहार में चिराग पासवान का स्ट्राइक रेट 100 फीसदी रहा

पटना (एजेंसी)। लोकसभा चुनाव 2024 के रुझान अगर नतीजों में तब्दील हुआ तो चिराग पासवान का स्ट्राइक रेट 100 फीसदी रहा। भारतीय जनता पार्टी का साथ मिलते ही रामविलास पासवान का चिराग 'रोशन' हो गया। इससे लोक जनशक्ति पार्टी के असली वारिस का भी फैसला होता दिख रहा है। बिहार में चिराग पासवान की लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) पांच सीटों पर चुनाव लड़ी है और काउंटिंग में सभी सीटों पर एलजेपीआर के कैंडीडेट जीत गए हैं। लोकसभा चुनाव 2024 के नतीजे चौंकाने वाले आते दिख रहे हैं। एनडीए के उम्मीद के मुताबिक देश में रिजल्ट नहीं आ रहा है। यूपी में बीजेपी को काफी नुकसान होता दिख रहा है। बिहार में भी बीजेपी का प्रदर्शन उम्मीद के मुताबिक नहीं दिख रहा है। यहां पर एनडीए को को करीब 31 सीटें मिलती दिख रही हैं। इनमें चिराग पासवान की पार्टी एलजेपी (रामविलास) को काफी फायदा हुआ है।

चिराग पासवान का स्ट्राइक रेट 100 फीसदी दिख रहा है। बिहार एनडीए में बीजेपी 17, जेडीयू 16, एलजेपी (रामविलास) 5 और जीतनराम मांझी की हम और उपेंद्र कुशवाह की पार्टी एक-एक सीट पर चुनाव लड़ी है। ताजा रुझानों के मुताबिक एलजेपी (रामविलास) का स्ट्राइक रेट सौ फीसदी है। चिराग पासवान की पार्टी अपनी सभी पांचों सीटें जीतती दिख रही है।

वॉट्सऐप यूज़र्स अब अपने फेवरेट चैट को रख सकेंगे अलग सेक्शन में

– कंपनी ने कर दिया इस नए फीचर का ऐलान

नई दिल्ली। सोशल मीडिया प्लेटफार्म वॉट्सऐप पर नए फीचर के तहत यूज़र्स अपने फेवरेट चैट को अब एक अलग सेक्शन में रख सकेंगे। वॉट्सऐप अपने एंड्रॉयड की सहूलियत के लिए एक खास फीचर की पेशकश करने की तैयारी कर रही है। इस फीचर के आने के बाद यूज़र्स को चैट में एक अलग से 'फेवराइट' चैट फिल्टर मिल जाएगा। ये फीचर फिलहाल डेवलपमेंट स्टेज पर है। रिपोर्ट के मुताबिक ये उन टेस्टर्स के लिए उपलब्ध है, जिन्होंने गूगल प्ले बीटा प्रोग्राम के जरिए रजिस्ट्रेशन किया है। एक बार जब ये बीटा में आ जाएगा, तो ये यूज़र्स इस फीचर को देख सकेंगे और इसकी टेस्टिंग कर सकेंगे। वाबेटाइंफो ने एंड्रॉयड के इस नए फीचर को 2.24.12.7 वर्जन पर देखा है, यह सुविधा यूज़र्स को एक नए फ़िल्टर का इस्तेमाल करके अपनी पसंदीदा चैट को अलग करने की सहूलियत देती है। यह उन लोगों के लिए मददगार साबित हो सकता है जिन्हें कई लोगों से ढेर सारे मैसेज मिलते हैं और उन्हें अपने रेगुलर कॉन्टैक्ट ढूंढने में परेशानी होती है। जबकि इसमें चैट पिनिंग सुविधा भी मौजूद है, प्लेटफॉर्म पर यूज़र्स सिर्फ 3 मैसेज को पिन कर सकते हैं। नए फीचर को स्क्रीनशॉट में भी दिखाया है जिसमें ये देखा जा सकता है कि चैट पेज पर यूज़र्स को चार ऑप्शन मिलेंगे। इसमें से पहला है आल का, फिर अनरीड, फेवराइट और आखिर में ग्रूप्स का। यूज़र्स अपने हिसाब से इसमें एंटर करके चैटिंग कर सकते हैं। वाबेटाइंफो का ये भी दावा है कि यूज़र्स अपनी पसंद के हिसाब से चैट को हटा और रिऑर्डर भी कर सकते हैं। ये फीचर अभी बीटा में है, इसलिए सभी बीटा टेस्टर्स इसे अभी नहीं देख पाएंगे, लेकिन अगले कुछ दिनों में इसके पेश किए जाने की उम्मीद है।

29 जून से शुरू होगी बाबा अमरनाथ की यात्रा, 52 दिन तक चलेगी

श्रीनगर। बाबा अमरनाथ के शिवलिंग का बर्फ से पूरा आकार बन गया है। इसकी तस्वीरें सामने आई हैं। इस बार अमरनाथ यात्रा 52 दिन की होगी। 29 जून से शुरू होकर यात्रा 19 अगस्त चलेगी। पिछली बार 1 जुलाई से 60 दिन तक चली थी। पहली बार दोनों रूट पूरी तरह 5जी फाइबर नेटवर्क से लैस होंगे। 24 घंटे बिजली के लिए ज्यादातर खंभे लग चुके हैं। बाबा अमरनाथ के शिवलिंग का बर्फ से पूरा आकार बन गया है। पहली बार दोनों रूट पूरी तरह 5जी फाइबर नेटवर्क से लैस होंगे। 24 घंटे बिजली के लिए ज्यादातर खंभे लग चुके हैं। बॉर्डर रोड ऑर्गनाइजेशन के मुताबिक, बालटाल से गुफा तक का 14 किमी रूट 7 से 12 फीट तक चौड़ा किया गया है। इस पर वाहन जा सकते हैं। हालांकि अभी सिर्फ सेना की गाड़ियों को ही अनुमति है। इमरजेंसी में इसी का इस्तेमाल होगा। पिछली बार दोनों रूट पर करीब 60 हजार

जवान तैनात थे। इस बार लोकसभा चुनाव में जम्मू-कश्मीर में तैनात होने वाली अर्द्धसैनिक बलों की सभी 635 कंपनियों को वोटिंग के बाद यात्रा में तैनात किया जाएगा। श्राइन बोर्ड पहली बार मेडिकल इंतजाम भी बढ़ा रहा है। बालटाल और चंदनबाड़ी में सौ सौ बेड, एडवांस उपकरण, एक्स-रे, अल्ट्रासोनोग्राफी मशीन, क्रिटिकल केयर एक्सपर्ट, कार्डियक मॉनिटर, लिक्विड ऑक्सीजन प्लांट से लैस दो कैंप अस्पताल रहेंगे। यहां हवा में ऑक्सीजन कम रहती है, इसलिए यात्रा मार्ग पर 100 स्थाई ऑक्सीजन बूथ और मोबाइल ऑक्सीजन बूथ रहेंगे। पवित्र गुफा, शेषनाग और पंचतरणी में तीन छोटे अस्पताल होंगे।

ड्राइविंग टेस्ट के बिना लाइसेंस नहीं मिलेगा, केंद्र सरकार ने जारी किए स्पष्ट निर्देश

नई दिल्ली। केंद्र सरकार की ओर से कहा गया है कि ड्राइविंग टेस्ट के बिना लाइसेंस नहीं मिलेगा। सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय ने मान्यता प्राप्त चालक प्रशिक्षण केंद्रों और ड्राइविंग स्कूलों के जरिए जारी किए गए प्रमाणपत्रों के बारे में स्पष्टीकरण जारी किया। मीडिया रिपोर्ट्स पर प्रतिक्रिया देते हुए मंत्रालय ने स्पष्ट किया कि 1 जून से मौजूदा प्रावधानों में कोई बदलाव नहीं होगा। सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय ने अपने सफाई में कहा है कि मौजूदा नियमों में 1 जून से कोई बदलाव नहीं होगा। रिपोर्ट में यह भी दावा किया गया था कि निजी ड्राइविंग स्कूलों में परीक्षा पास करने के बाद आवेदकों को एक प्रमाण पत्र मिलेगा। इसका उपयोग आरटीओ में जांच के बिना ड्राइविंग लाइसेंस के लिए आवेदन करने के लिए किया जा सकता है। मंत्रालय ने कहा कि मोटर वाहन (एमवी) अधिनियम, 1988 के तहत मोटर वाहन चलाने में प्रशिक्षण देने के लिए स्कूलों के लाइसेंस और नियम का प्रावधान है। ये स्कूल सफल प्रशिक्षण पर प्रमाणपत्र जारी करते हैं। लेकिन यह प्रमाणपत्र धारक को ड्राइविंग टेस्ट की आवश्यकता से छूट नहीं देता है। मंत्रालय ने साफ किया कि ड्राइविंग लाइसेंस जारी करने का अधिकार लाइसेंसिंग प्राधिकरण के पास होगा। मालूम हो कि ड्राइविंग लाइसेंस यानी डीएल हासिल करने के लिए सबसे मुश्किल काम ड्राइविंग टेस्ट पास करना होता है। पिछले दिनों कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया था कि आवेदकों को अब क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय में ड्राइविंग टेस्ट से गुजरने की आवश्यकता नहीं हो सकती है। वे मान्यता प्राप्त प्राइवेट ड्राइविंग स्कूलों में ड्राइविंग टेस्ट करा सकते हैं। अब सरकार ने इस मामले में सफाई जारी है।

30 सालों से बोतलों में बंद हैं 2500 से ज्यादा मौत के राज

–पुलिस सैंपलों को फॉरेंसिक लैब नहीं भेज रही है

भागलपुर। जहरीला पदार्थ खाने व खिलाने से होने वाली मौतों की सच्चाई जानने और पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने के लिए पोस्टमार्टम के बाद मानव अंगों को रखा जाता है। इन सैंपल को फॉरेंसिक लैब ले जाना है ताकि वहां जांच हो सके कि मौत क्या खाने से हुई है। शरीर में किस चीज का जहर फैला है, लेकिन मेडिकल कॉलेज अस्पताल स्थित पोस्टमार्टम हाउस में पिछले 30 साल में भागलपुर व आसपास के जिलों के करीब 2500 सैंपल जमा हो गए हैं। इन सैंपलों में मौत के राज दफन हैं। इन्हें अब भी न्याय का इंतजार है। पुलिस सैंपलों को फॉरेंसिक लैब नहीं भेज रही है। कई बोतल तो टूट गई हैं। उन पर धूल भरी है। उन सैंपलों की जांच भी मुश्किल है। फॉरेंसिक मेडिसिन विभाग के पूर्व अध्यक्ष डॉ. एके मल्लिक व वर्तमान एचओडी डॉ. संदीप कुमार लाल ने कई बार एसएसपी को पत्र लिख जांच के लिए ले जाने का आग्रह किया। एसएसपी आनंद कुमार ने भी फरवरी में सभी थानेदारों को निर्देश दिया था कि अपने-अपने इलाके का विसरा पोस्टमार्टम हाउस से ले जाकर नाथनगर के फॉरेंसिक लैब ले जाएं। अब सिटी एसपी राज ने कहा है कि विसरा से संबंधित डिटेल देख रहे हैं। नाथनगर के मधुसूदनपुर की 60 वर्षीय शीला देवी के अंग का सैंपल 12 अक्टूबर 2019 से यहां पड़ा है। नाथनगर में ही फॉरेंसिक लैब है। लेकिन वहां की पुलिस अब तक सैंपल नहीं ले गयी है। सनोखर प्रखंड के मो. शरीफ अंसारी की 50 वर्षीया पत्नी जलेसा खातून की मौत जहर खाने से फरवरी 2018 में हुई थी। 16 फरवरी को पोस्टमार्टम के बाद से सैंपल जांच के लिए रखे हैं। अब तो परिवार वाले भी न्याय की आस को छोड़ चुके हैं। गोड्डा के पोड़ैया हाट के राजकुमार यादव का सैंपल 2018 से ही रखा है। बोतल पर सटे पर्चे इनकी मौत की गवाही दे रही है। लेकिन मौत क्यों हुई, यह जानने के लिए पुलिस को फुर्सत नहीं है।

भारत के दो हेलीकॉप्टरों का इस्तेमाल कर रहे मालदीव के रक्षा कर्मी

नई दिल्ली। भारत के मालदीव से अपने सैनिकों को वापस बुलाने के कुछ सप्ताह बाद भी, भारत की ओर से मालदीव को उपहार स्वरूप दिए गए दो हेलीकॉप्टरों का नियमित रूप से संचालन किया जा रहा है, जिनमें एमएनडीएफ का एक सैनिक सवार होता है। 'अजाजू डॉट कॉम' ने एक हवाईअड्डा अधिकारी के हवाले से कहा कि हेलीकॉप्टर उड़ाए जाने पर मालदीव राष्ट्रीय रक्षा बल (एमएनडीएफ) का एक सैनिक उनपर मौजूद रहता है। चीन समर्थक राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू ने पिछले साल सितंबर में सत्ता में आने पर अपने देश से सभी भारतीय सैन्यकर्मियों को वापस भेजने का वादा किया था। 10 मई की तय समयसीमा तक 88 में से अंतिम भारतीय सैन्यकर्मियों को वापस भेज दिया गया था। भारत की तरफ से उपहार में दिए गए दो हेलीकॉप्टर और एक डोर्नियर विमान का उपयोग मालदीव में सैकड़ों निकासी और मानवीय मिशनों के लिए किया गया है।

भाजपा को नहीं मिला पूर्ण बहुमत तो मोदी की जगह कौन लेगा

–गडकरी या शिवराज किस पर संघ लगाएगा दांव

मुंबई (एजेंसी)। लोकसभा चुनाव 2024 की मतगणना के रुझानों से भाजपा को झटका लगता नजर आ रहा है। वहीं दूसरी तरफ मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान विजयी हो गए हैं। वहीं नागपुर लोकसभा सीट से भाजपा प्रत्याशी केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी भी विजयी बढ़त बनाए हुए हैं। ऐसे में चर्चा आम हो चली है कि यदि इस लोकसभा चुनाव में भाजपा पूर्ण बहुमत से पीछे रह जाती है तो फिर प्रधानमंत्री का चेहरा संघ बदलना चाहेगा। ऐसे में कौन होगा अगला प्रधानमंत्री इस पर बहस जारी है।

यहां बताते चलें कि मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान जिन्होंने विधानसभा में भाजपा की शानदार जीत दर्ज कराई अब लोकसभा प्रत्याशी के तौर पर वो खुद शानदार जीत हासिल कर सभी को रोमांचित कर चुके हैं। इस जीत के साथ ही उनका नाम संघ अगले प्रधानमंत्री के तौर पर आगे करके एक राय कायम करने पर विचार कर सकती है। इसी तरह नितिन गडकरी नागपुर लोकसभा सीट से कांग्रेस प्रत्याशी विकास ठाकरे से काफी आगे चल रहे हैं। नागपुर से उनकी भी जीत निश्चित मानी जा रही है।

अब जबकि दोपहर बाद तक के रुझानों में भाजपा को स्पष्ट बहुमत मिलता नहीं दिखा है, तब क्या नितिन गडकरी प्रधानमंत्री बन सकते हैं? इस तरह के सवाल भी किए जा रहे हैं। यहां यह नहीं भूलना चाहिए कि नितिन गडकरी के हमेशा से ही राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से अच्छे रिश्ते रहे हैं। अब चूंकि गडकरी संघ के मुख्यालय वाली संसदीय सीट का प्रतिनिधित्व करते हैं अतः उनकी भी दावेदारी पर विचार संघ कर सकता है। यहां विचारणीय यह भी है कि मौजूदा

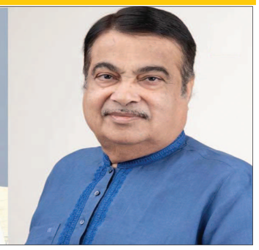

लोकसभा चुनाव में नितिन गडकरी नए संकल्प यानी विकास और मेहनत को आगे रखते हुए बिना पोस्टर लगाए चुनाव मैदान में उतरे थे। गडकरी के कार्यों और उनकी नीति को देखते हुए भाजपा ही नहीं बल्कि अन्य पार्टियां व कुछ नेता भी समर्थन दे सकते हैं। इसमें सबसे पहला नाम शिवसेना का आता है जो महाराष्ट्र से प्रधानमंत्री बनाए जाने की शर्त पर साथ खड़ी हो सकती है। इससे शरद पवार की संभावित चाल का भी काट निकाला जा सकता है।

अब बात करें मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की तो उन्होंने प्रदेश में लागातार भाजपा की सरकार बनाने का जो रिकॉर्ड बनाया है वह उनके प्रधानमंत्री के दावे को मजबूती प्रदान करता है। यही नहीं मध्य प्रदेश की पूरी 29 में से 29 लोकसभा सीटें इस बार भाजपा की झोली में आती दिख रही हैं। शिवराज इसलिए भी प्रधानमंत्री के लिए संघ के चहेते के तौर पर सामने आ सकते हैं, क्योंकि उनके नाम पर कभी भी कोई विवाद या घपले-घोटाले का ताज नहीं सजा है। उन्हें सभी वर्गों के लोग पसंद करते रहे हैं और आगे भी उनसे यही उम्मीद की जाती रही है कि वो सभी को साथ लेकर चलेंगे।

चुनाव परिणामों को लेकर तमाम तरह के कयास लगाए जा रहे हैं, लेकिन यदि भाजपा पूर्ण बहुमत के साथ सरकार बनाने की स्थिति में आती है तब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ही होंगे। इसका सबसे बड़ा कारण यही है कि मोदी की गारंटी और उनके चुनाव प्रचार ने सभी को मथ कर रखा हुआ है। ऐसे में संघ भी उनके नाम को लेकर कोई फैसला लेने की स्थिति में नहीं होगी। सभी की नजरें इस समय 272 सीटों पर है, जिसने यह आंकड़ा पार कर लिया उसी के सिर पर ताज सजना तय है।

इंडिया गठबंधन के बेहतर प्रर्दशन पर पाकिस्तान का रिएक्शन... मोदी सरकार की सीटे घटने पर जाहिर की खुशी

नई दिल्ली। चुनाव नतीजों क दिन भाजपा के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) और ईडी गठबंधन के बीच बड़ी लड़ाई का समापन हुआ है, जिसमें कांग्रेस, आम आदमी पार्टी, तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) और अन्य शामिल हैं। जैसे-जैसे वोटों की गिनती हो रही है, मोदी के नेतृत्व वाले एनडीए के बीच अंतर बढ़ रहा है। इसमें भी काफी दिलचस्पी है कि इस लोकसभा चुनाव में दिग्गज नेता कैसा प्रदर्शन कर रहे हैं। भारत में आम चुनाव के नतीजों के रूझान आने के साथ ही नरेंद्र मोदी नीत बीजेपी सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभर रही है, लेकिन बहुमत के जादुड़ आंकड़े को फिलहाल पार करने में पीछे छूट रही है। चुनाव नतीजों में बीजेपी के प्रदर्शन पर पाकिस्तान की प्रतिक्रिया सामने आई है।

पूर्व पीएम इमरान खान के पूर्व मंत्री फवाद चौधरी को सोते-जागते आजकल भारत के चुनाव के ही सपने आ रहे हैं। कैमरा और माइक देखते ही आजकल फवाद चौधरी खटाखट-खटाखट इंटरव्यू देने लगते हैं। 2019 के मुकाबले बीजेपी की सीटें घटने पर खुशी जाहिर की है। फवाद ने कहा कि उन्हें उम्मीद थी कि भारत की जनता नरेंद्र मोदी और उनकी विचारधारा को खारिज करेगी। यही हुआ है, जो दावे भाजपा को लेकर किए गए थे, वे फेल साबित हो रहे हैं। फवाद चौधरी ने सोशल मीडिया पर लिखा कि भारतीय मतदाताओं पर हमेशा से विश्वास रहा है कि वे चरमपंथियों और नफरत फैलाने वालों को खारिज करते और यह बिल्कुल स्पष्ट है कि मोदी और राजनाथ भी मुश्किल से लोकसभा में पहुंच पा रहे हैं... राहुल गांधी दोनों सीटें जीत रहे हैं। वैसे इस्लामाबाद में ज्यादातर चैनलों को मोदी फोबिया है। एंटी मोदी खबर उन्हें खूब सूट करती हैं। मोदी विरोध में फवाद चौधरी ने भारत की विपक्षी पार्टियों को बिना मांगे ही समर्थन दे दिया।

नहीं बाहर आ पाएंगे मनीष सिसोदिया, सुप्रीम कोर्ट ने जमानत खारिज कर दी याचिका

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने कथित दिल्ली शराब नीति घोटाले के संबंध में सीबीआई और ईडी द्वारा दर्ज मामलों में आप नेता मनीष सिसोदिया की जमानत याचिका पर विचार करने से मंगलवार को इनकार कर दिया। हालांकि, शीर्ष अदालत ने कहा कि कथित भ्रष्टाचार और मनी लॉन्ड्रिंग से जुड़े मामलों में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) और केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) द्वारा क्रमशः अपनी अंतिम अभियोजन शिकायत और आरोप पत्र दाखिल करने के बाद सिसौदिया जमानत के लिए अपनी याचिकाएं फिर से शुरू कर सकते हैं।

अभियोजन की शिकायत ईडी के आरोप पत्र के बराबर है। न्यायमूर्ति अरविंद कुमार और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की अवकाश पीठ ने ईडी और सीबीआई की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता की दलीलों पर गौर किया कि केंद्रीय जांच एजेंसियां 3 जुलाई तक अपनी अंतिम अभियोजन शिकायत और आरोप पत्र दाखिल करेंगी। सिसौदिया की ओर से पेश वरिष्ठ वकील अभिषेक सिंघवी ने उनके लिए जमानत की मांग करते हुए कहा कि राजनेता के लगभग 15 महीने तक हिरासत में रहने के बावजूद इन मामलों में सुनवाई अभी तक शुरू नहीं हुई है। उन्होंने कहा कि निकट भविष्य में मुकदमा शुरू होने की संभावना नहीं है क्योंकि जांच अभी भी चल रही है। आम आदमी पार्टी (आप) नेता सिसोदिया ने दिल्ली उच्च न्यायालय के 21 मई के फैसले को चुनौती देते हुए शीर्ष अदालत का रुख किया था, जिसने दो केंद्रीय एजेंसियों द्वारा जांच किए गए मामलों में उनकी जमानत याचिका खारिज कर दी थी।

दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री को बड़ा झटका देते हुए, उच्च न्यायालय ने उनकी जमानत याचिकाएं यह कहते हुए खारिज कर दीं कि यह मामला उनके द्वारा सत्ता के गंभीर दुरुपयोग और जनता के विश्वास के उल्लंघन से जुड़ा है। सिसोदिया ने ट्रायल कोर्ट के 30 अप्रैल के आदेश को उच्च न्यायालय में चुनौती दी थी, जिसके द्वारा 2021-22 के लिए अब समाप्त हो चुकी दिल्ली उत्पाद शुल्क नीति के निर्माण और कार्यान्वयन में कथित अनियमितताओं से जुड़े मामलों में उनकी जमानत याचिकाएं खारिज कर दी गई थीं। सिसौदिया को शराब नीति मामले में उनकी कथित भूमिका के लिए 26 फरवरी, 2023 को सीबीआई ने गिरफ्तार किया था। ईडी ने उन्हें 9 मार्च, 2023 को सीबीआई की एफआईआर से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में गिरफ्तार किया था।

हिंसा की थी आशंका: पश्चिम बंगाल में बम फटा, 5 घायल

नई दिल्ली (एजेंसी)। चुनाव आयोग ने कल काउंटिंग के दौरान या इसके बाद हिंसा की आशंका जताई थी। इसके चलते 7 राज्यों में सेंट्रल फोर्स की तैनाती की गई है। ये पहली बार है, जब आचार संहिता के हटने के बाद चुनाव आयोग ने 7 राज्यों में सुरक्षाबलों की तैनाती की है। इसके बाद भी लोकसभा चुनाव की काउंटिंग से एक दिन पहले सोमवार की रात पश्चिम बंगाल के साउथ 24 परगना के भांगर में बम धमाका हुआ। इसमें 5 लोग घायल हुए हैं। मीडिया रिपोर्ट्स में बताया जा रहा है कि बम बनाने के दौरान हादसा हुआ है। सभी घायलों को कोलकाता के एसएसकेएम अस्पताल में भर्ती कराया गया है। ?इनमें एक इंडियन सेक्युलर फ्रंट (आईएसएफ) का पंचायत सदस्य है।

मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने 3 जून को बताया कि चुनाव के बाद हिंसा किसी भी सूरत में नहीं होनी चाहिए। इसी को देखते हुए हमने आचार संहिता हटने के बाद भी एहतियातन कदम उठाए हैं। हिंसा की आशंका देखते हुए आंध्र प्रदेश, पश्चिम बंगाल, उत्तर प्रदेश और मणिपुर में सेंट्रल फोर्स तैनात की गई हैं। आंध्र प्रदेश और बंगाल में आज काउंटिंग के बाद 15 दिन तक फोर्स तैनात रहेंगी। वहीं उत्तर प्रदेश, ओडिशा, सिक्किम और अरुणाचल प्रदेश में काउंटिंग के दो दिन बाद तक फोर्सेस तैनात रहेंगी। दूसरी तरफ, कांग्रेस ने अपने कार्यकर्ताओं और नौकरशाहों को लिए दो लेटर जारी किए हैं। पार्टी ने कार्यकर्ताओं से काउंटिंग में कहीं गड़बड़ी दिखने पर वीडियो बनाने को कहा है। कांग्रेस ने कार्यकर्ता और पोलिंग एजेंट्स के लिए हेल्पलाइन नंबर भी जारी किए हैं। कांग्रेस ने नौकरशाहों ?से किसी भी डर या पक्षपात के संविधान और अपने कर्तव्यों का पालन करने की अपील की है। दरअसल, 1 जून को आए एग्जिट पोल्स में तीसरी बार मोदी सरकार बनती दिख रही है। विपक्ष ने इन एग्जिट पोल्स को खारिज किया था।

मोदी जी को देश की जनता ने दे दिया फेयरवेल, संजय राउत बोले- तोड़-फोड़ करने पर जनता सड़क पर उतरेगी

पुणे (एजेंसी)। शिवसेना (यूबीटी) के नेता संजय राउत ने कहा कि अयोध्या, फैज़ाबाद में भाजपा हार गई। देश की जनता ने नरेंद्र मोदी जी को नकारा है, उन्हें फेयरवेल दिया है। 2024 में भाजपा को बहुमत नहीं मिला है। राहुल गांधी का नेतृत्व और राज्यों का प्रदर्शन, चाहे ममता बनर्जी, उद्धव ठाकरे, शरद पवार, अखिलेश यादव, तेजस्वी जी, सभी ने जी जान से मेहनत की और मोदी-शाह के अहंकार को खत्म किया। मैं दावे के साथ कहता हूं मोदी जी सरकार नहीं बन रही है। अब ये तोड़-फोड़ करके सरकार बनाने की कोशिश करेंगे तो जनता सड़क पर उतरेंगे।

भाजपा के लिए अयोध्या पर दावा करना दूर की कौड़ी लग रहा है क्योंकि नवीनतम मतगणना रुझानों के अनुसार, पार्टी को फैजाबाद लोकसभा क्षेत्र में चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। बीजेपी प्रत्याशी लल्लू सिंह समाजवादी पार्टी के प्रत्याशी अवधेश प्रसाद से 20 हजार से ज्यादा वोटों के अंतर से पीछे चल रहे हैं। फैजाबाद संसदीय क्षेत्र उत्तर प्रदेश में स्थित है। इसके विधानसभा क्षेत्र में पांच खंड शामिल हैं। फैजाबाद (4) और बाराबंकी (1) जिले इन विधानसभाओं के घर हैं।

मौसम का हाल: 18 राज्यों में बारिश की आशंका, कानपुर सबसे गर्म शहर, तापमान 46.8 डिग्री

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश में गर्मी के दौर के साथ 18 राज्यों के कई शहरों में बारिश की भी आशंका जताई गई है। हालांकि, बारिश से यहां तापमान में गिरावट दर्ज होने की संभावना काफी कम है। मौसम विभाग के मुताबिक, आज अरुणाचल प्रदेश, असम, मेघालय, सिक्किम, पश्चिम बंगाल, केरल, कर्नाटक, तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, बिहार, झारखंड, ओडिशा, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, पंजाब, हरियाणा और उत्तर प्रदेश में बारिश होगी। मौसम विभाग ने उत्तर प्रदेश, राजस्थान और झारखंड में चार दिन तक हीटवेव का अलर्ट जारी किया है। पंजाब-हरियाणा और दिल्ली में 2 दिन तक और जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, मध्य प्रदेश, ओडिशा में आज

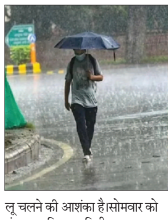

लू चलने की आशंका है। सोमवार को पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, राजस्थान, मध्य प्रदेश के कई शहरों में तापमान 43 डिग्री से 46 डिग्री के बीच रिकॉर्ड किया गया। कानपुर देश में सबसे गर्म शहर रहा। यहां तापमान 46.8 डिग्री दर्ज किया गया। वहीं, हरियाणा के सिरसा में तापमान 46.4 डिग्री और राजस्थान के गंगानगर में तापमान 46.5 डिग्री रिकॉर्ड हुआ। इसके बाद पंजाब के अमृतसर में तापमान 45.9 डिग्री और दिल्ली के आयानगर में 45.1 डिग्री रिकॉर्ड किया गया। ओडिशा, बिहार और गोवा में आज उमस भरी गर्मी की भी संभावना जताई गई है। केरल और नॉर्थ-ईस्ट राज्यों में 30 मई को मानसून पहुंचा था। आईएमडी ने 31 मई तक इसके केरल पहुंचने की संभावना जताई थी। 31 मई को उत्तरी पश्चिम बंगाल में मानसून पहुंचा। इसके दिल्ली में 27 जून तक आने का अनुमान है। बंगाल में इस साल मानसून तय समय से छह दिन पहले पहुंचा है। आईएमडी ने इसके 6 जून तक राज्य में प्रवेश करने की संभावना जताई थी। मानसून जल्दी आने का कारण रेमल साइक्लोन बताया जा रहा है, जो 26 मई को पश्चिम बंगाल और बांग्लादेश में आया था। इससे पहले 30 मई, 2017 को साइक्लोन मोरा के कारण मानसून समय से पहले आया था। 2023 में केरल में मानसून की एंट्री सात दिन की देरी के बाद 8 जून को हुई थी।

तंजानिया के द्वीप पर भारत का कब्जा, अफ्रीका से खदेड़ा जाएगा चीन

नई दिल्ली (एजेंसी)। तंजानिया बंदरगाह पर अब भारत का राज होगा। अडानी इंटरनेशनल पोर्टस होल्डिंग प्राइवेट लिमिटेड ने तंजानिया बंदरगाह प्राधिकरण के साथ 30 साल के लिए एक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। इस समझौते के तहत एआईपीएच अब 30 सालों तक तंजानिया के दार एस्लाम बंदरगाह पर कंटेनर टर्मिनल 2 का परिचालन और प्रबंधन करेगा। इस डील से भारत को अब अफ्रीकी महाद्वीप में काफी मदद मिलने वाली है। तंजानिया में चीन ने किस कदर मजबूती से अपने पैर जमा लिए हैं। ऐसे में उसकी गहरी रणनीतिक पैठ को कमजोर करने के मकसद से भारत ने भी एक बड़ा कदम उठाया है।

अदानी इंटरनेशनल पोर्ट होल्डिंग भारतीय अरबपति गौतम अदानी के अत्यधिक विविध व्यापार साम्राज्य का हिस्सा है। समूह सक्रिय रूप से नए बाज़ारों की तलाश कर रहा था, जिसमें अफ्रीका को एक प्रमुख नए प्रवेश बिंदु के रूप में देखा गया था। एडी पोर्ट्स ग्रुप के साथ नई डील के जरिए अडानी ने ऐसा ही किया है। इस तरह की रणनीतिक साझेदारी के माध्यम से, हमारा लक्ष्य तंजानिया में बुनियादी ढांचे को विकसित करने, इसके आर्थिक विकास का समर्थन करने और विश्व स्तर पर इसकी प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ाने के लिए हमारी संयुक्त जानकारी और विशेषज्ञता का लाभ उठाना है। बता दें कि एडी पोर्ट्स ग्रुप की 30 प्रतिशत हिस्सेदारी वाले इस डील से ने 39.5 मिलियन में हचिसन पोर्ट होल्डिंग्स, हचिसन पोर्ट इन्वेस्टमेंट्स और हारबर्स इन्वेस्टमेंट से तंजानिया इंटरनेशनल कंटेनर टर्मिनल सर्विसेज का 95 प्रतिशत अधिग्रहण किया है। डील जून के अंत तक पूरी होने की उम्मीद है। टिक्टस के पास सभी पोर्ट हैंडलिंग उपकरण हैं और वह दार एस सलाम पोर्ट पर कंटेनर टर्मिनल 2 पर जनशक्ति को नियुक्त करता है, और यह टर्मिनल का संचालन करेगा। बंदरगाह के टर्मिनल 2, जिसकी वार्षिक कंटेनर क्षमता 1 मिलियन टीईयू है, ने 2023 में लगभग 0.82 मिलियन टीईयू को संभाला, जो तंजानिया के कुल कंटेनर वॉल्यूम का 83 प्रतिशत है।

इमरान को बड़ी राहत : सबूतों के अभाव में कोर्ट ने 10 साल की सजा रद्द की

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान को पाकिस्तान की अदालत ने बड़ी राहत दी है। इस्लामाबाद हाईकोर्ट ने सोमवार को इमरान खान और उनकी सरकार में विदेश मंत्री रहे शाह महमूद कुरैशी को सबूतों के अभाव में साइफर केस (सीक्रेट लेटर चोरी) में बरी कर दिया है।

इमरान खान और कुरैशी की याचिका पर मुख्य न्यायाधीश आमिर फारुख और न्यायामूर्ति मियांगुल हसन औरंगजेब ने फैसला सुनाया। अदालत ने उनकी सजा पर रोक लगाते हुए कहा कि अगर उन्हें किसी अन्य मामले में हिरासत में नहीं रखा गया है, तो रिहा किया जाए। सीक्रेट लेटर चोरी केस में इमरान खान और शाह महमूद कुरैशी पिछले साल दोषी पाए गए थे। स्पेशल कोर्ट ने उन्हें देश की गोपनीयता भंग करने के आरोप में 10-10 साल की सजा सुनाई थी। इमरान खान और शाह महमूद कुरैशी ने इस सजा को इस्लामाबाद हाईकोर्ट में चुनौती दी थी।

कैंसर वैक्सीन का ट्रायल जल्द, हजारों लोगों पर किया जाएगा परीक्षण

–वैक्सीन बायोफार्मास्युटिकल कंपनी बायोएनटेक और जेनेटिक ने तैयार की

लंदन। कैंसर ऐसी बीमारी है जिसका नाम सुनते ही मरीज और उसके परिजनों की नींद हराम हो जाती है जिसके इलाज में लाखों रुपए का खर्च होता है कई तो ऐसे भी होते हैं जो पैसे की तंगी के चलते इलाज ना मिलने के कारण काल के गाल में समा जाते हैं। अब ऐसे में एक राहत देने वाली खबर यह है कि दुनिया की पहली कैंसर वैक्सीन का ट्रायल जल्द ही इंग्लैंड के नेशनल हेल्थ सर्विस में हजारों लोगों पर किया जाएगा। यदि यह वैक्सीन सफल रहती है तो कैंसर के मरीजों को नई जिंदगी मिलेगी। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक वैक्सीन की खुराक पहले 30 से ज्यादा अस्पतालों में मरीजों को दी जाएगी। इसके बाद दूसरे देशों में भी वैक्सीन का परीक्षण करवाया जाएगा। इंग्लैंड में ही त्वचा कैंसर की वैक्सीन का भी परीक्षण चल रहा है। इस वैक्सीन का परीक्षण 2027 तक पूरा हो जाएगा। पहले इंग्लैंड के ही 30 से ज्यादा केंद्रों पर इसके परीक्षण किए जाएंगे। उसके बाद जर्मनी, बेल्जियम, स्पेन और स्वीडन में 200 से ज्यादा कैंसर मरीजों को परीक्षण के लिए भर्ती किया जाएगा। इन्हें वैक्सीन के 15 डोज दिए जाएंगे। कोरोना रोधी वैक्सीन की तरह ही एमआरएनए तकनीक का उपयोग कर इस वैक्सीन को बायोफार्मास्युटिकल कंपनी बायोएनटेक और जेनेटिक ने संयुक्त रूप तैयार किया है। ये वैक्सीन मरीज के प्रतिरक्षा प्रणाली को कैंसर कोशिकाओं की पहचान करने में सक्षम बनाने, उन्हें खत्म करने और दोबारा फैलने से रोकते हैं। ऐसा माना जा रहा है कि ये वैक्सीन फेफड़े, मूत्राशय और अग्न्याशय समेत कई तरह के कैंसर पर अपना असर दिखा सकती है। वैक्सीन बीमारी से पहले नहीं बल्कि बीमारी के बाद ही दी जाएगी। मरीज के कैंसर कोशिकाओं के अध्ययन के बाद ही वैक्सीन विकसित की जाएगी। हर मरीज के लिए यह अलग-अलग तरह से बनाई जाएगी। कैंसर कोशिकाओं में होने वाले म्यूटेशन के अनुसार वैक्सीन में बदलाव किए जाएंगे। रक्त और कैंसर कोशिकाओं का सैंपल लेने के बाद इसे तैयार किया जा सकता है।

कोयला खदान में 11 श्रमिकों की मौत

करांची। पाकिस्तान के क्वेटा शहर से 40 किमी दूर संजादी की कोयला खदान में दम घुटने से कम से कम 11 श्रमिकों की मौत हो गयी। प्रांत के मुख्य खान निरीक्षक अब्दुल घानी ने पुष्टि की कि खदान में घातक मीथेन गैस के कारण दम घुटने से 11 श्रमिकों की मौत हो गयी। संजादी क्वेटा से लगभग 40 किलोमीटर दूर है। घानी ने कहा, सभी श्रमिक खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के स्वात के रहने वाले थे। उनके शव बरामद कर लिए गए हैं और उन्हें दफनाने के लिए उनके गृहनगर भेजा जाएगा। पाकिस्तान में खनन कार्य खतरनाक कार्य स्थितियों के लिए बदनाम है।

चीन ने अपने ही नागरिकों पर लगाया जासूसी का आरोप

ताइपे। चीन और ब्रिटेन के बीच अनबन चल रही है। ऐसे में चीन के ही लोग ब्रिटेन के लिए जासूसी कर रहे हैं। इन्ही आरोपों के साथ दो चीनी नागरिकों को पकड़ा गया है। सोशल मीडिया पर एक संदेश में, चीन की मुख्य खुफिया सेवा, सुरक्षा मंत्रालय ने कहा कि उसने एक बड़े जासूसी मामले का खुलासा किया है, जिसमें एक दंपति शामिल है। उन्हें ब्रिटेन की विदेशी खुफिया एजेंसी 'एमआई-6' द्वारा कथित तौर पर भर्ती किया गया था तथा उनकी पहचान केवल उनके उपनाम वांग और झोऊ के रूप में हुई है। मंत्रालय ने कहा कि वांग 2015 में छात्र के तौर पर ब्रिटेन गया था और बाद में उसकी पत्नी भी उसके साथ रहने लगी। मंत्रालय ने कहा कि वांग को होटल में कमरे, देशभर की यात्राओं के खर्च और वित्तीय प्रोत्साहन दिए गए थे। इसने कहा कि दंपति चीन सरकार के लिए एक एजेंसी में काम करता था और सरकारी गोपनीय दस्तावेजों की देखरेख करता था, जिसे वे एमआई-6 को देते थे। मंत्रालय ने कहा कि मामले की अभी भी जांच चल रही है। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक के प्रवक्ता डेव पेरेस ने कहा कि ''अपनी खुफिया एजेंसियों के काम पर टिप्पणी नहीं करना ब्रिटेन की नीति रही है।

चांद की मिट्टी लेकर रवाना हुआ चीन का अंतरिक्षयान

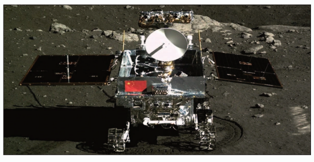

बीजिंग। चीन का चांग'ए-6 अंतरिक्ष यान चंद्रमा के कम खोजे गए एक क्षेत्र से पहली बार चट्टान के नमूने एकत्रित करके मंगलवार को उसके सुदूर हिस्से से वापस पृथ्वी के लिए रवाना हुआ। यह महत्वाकांक्षी अभियान प्रमुख अंतरिक्ष शक्ति के तौर पर देश के बढ़ते कद को दिखाता है। चीन राष्ट्रीय अंतरिक्ष प्रशासन (सीएनएसए) ने कहा कि चांग'ए-6 अंतरिक्षयान के 'एसेंडर' ने चंद्रमा के सुदूर हिस्से से वापस उड़ान भरने के बाद चंद्रमा के आसपास की पहले से निर्धारित कक्षा में प्रवेश किया। चीन की सरकारी समाचार एजेंसी 'शिन्हुआ' ने बताया कि मंगलवार को बीजिंग के समयानुसार सुबह सात बजकर 38 मिनट पर इसने चंद्रमा के सुदूर हिस्से से नमूने एकत्रित करने के बाद उसकी सतह से वापसी की उड़ान भरी। उसे पृथ्वी तक लौटने में करीब तीन सप्ताह का वक्त लग सकता है और वह 25 जून को चीन के मंगोलिया क्षेत्र में उतर सकता है। सीएनएसए ने बताया कि नमूने एकत्रित करने के बाद लैंडर में लगा चीन का राष्ट्रीय ध्वज पहली बार चंद्रमा के सुदूर हिस्से में फहराया गया। चांग'ए-6 में एक ऑर्बिटर, एक रिटर्नर, एक लैंडर और एक आरोहक है। इस मिशन का नाम चीन की पौराणिक चंद्रमा देवी के नाम पर रखा गया है। चांग'ए-6 मिशन को चंद्रमा के सुदूर हिस्से से नमूने एकत्रित करके लौटने का जिम्मा दिया गया है जो अपने आप में पहला प्रयास है। भारत पिछले साल चंद्रमा के कम खोजे गए दक्षिणी ध्रुव हिस्से के समीप उतरने वाला पहला देश बन गया था। प्रज्ञान रोवर को लेकर जा रहा उसका चंद्रयान-3 का लैंडर वहां सफलतापूर्वक उतरा था। चांग'ए-6 मानव इतिहास में पहली बार दक्षिणी ध्रुव-एटकेन बेसिन नामक एक विशाल गड्ढे में दो जून को उतरा था। सीएनएसए ने बताया कि अंतरिक्ष यान ने एक कंटेनर में नमूने एकत्रित किए। उसने चंद्रमा से नमूने एकत्रित करने के लिए दो पद्धतियां अपनायी हैं जिसमें उपसतह के नमूने एकत्रित करने लिए ड्रिल का इस्तेमाल करना और रोबोट के जरिए सतर से नमूने एकत्रित करना शामिल है। चांग'ए-6 मिशन के प्रवक्ता जे पिंग ने कहा कि चांग'ए-6 के नमूनों की मिट्टी की संरचना, भौतिक विशेषताओं और सामग्री संरचना के विस्तृत विश्लेषण से वैज्ञानिक चंद्रमा के निर्माण और विकास के इतिहास पर गहरायी से अध्ययन कर पाएंगे। चीन का उद्देश्य 2030 से पहले चंद्रमा पर एक मनुष्य को भेजना है।

कोलंबो में बाढ़ के बीच निकलते हुए लोग।

मैक्सिको के इतिहास में पहली बार महिला बनेगी राष्ट्रपति

मैक्सिको। मैक्सिको के इतिहास में पहली बार कोई महिला राष्ट्रपति बनने वाली हैं। दो जून को हुए चुनाव में सत्तारूढ़ मोरेना पार्टी की क्लॉडिया शेनबॉम को सबसे ज्यादा 58.3फीसदी वोट मिले थे। आखिरी परिणाम 8 जून तक आ सकते हैं। चुनाव में दिलचस्प बात ये थी कि शेनबॉम की टक्कर में विपक्षी पार्टी की उम्मीदवार भी एक महिला ही थीं।

विपक्षी शोचिल गालवेज दक्षिणपंथी नेशनल एक्शन पार्टी (पैन) से चुनाव लड़ी थीं। वे राष्ट्रपति ओब्राडोर की नीतियों की कट्टर विरोधी हैं। शोचिल गालवेज को 28फीसदी वोट हासिल किए। मैक्सिको ने अमेरिका से पहले महिला को राष्ट्रपति चुनकर इतिहास बनाया है। मैक्सिको में महिलाओं को वोट देने का अधिकार अमेरिका से 33 साल बाद मिला था। अमेरिका में 1920 में महिलाओं को वोट डालने का अधिकार मिला था। वहीं, मैक्सिको में महिलाओं को वोट देने का अधिकार 1953 में मिला था। मैक्सिको के संविधान के मुताबिक राष्ट्रपति ओब्राडोर को दोबारा से 6 साल का कार्यकाल नहीं मिल सकता। ऐसे में सत्ताधारी मोरोना पार्टी की क्लॉडिया शेनबॉम को उम्मीदवार बनाया था। वह मैक्सिको सिटी की पूर्व मेयर रह चुकी हैं और लेफ्ट पॉलिटिक्स से काफी समय से जुड़ी हुई हैं। साल 2007 में मैक्सिको की इंटरगवर्नमेंटल कमेटी को नोबेल प्राइज मिला था। तब वह इसकी मेंबर थीं।

चुनाव परिणाम से पहले इजरायल ने ले लिया भारत पर बड़ा फैसला

माले (एजेंसी)। वोटों की गिनती लगातार जारी है और शुरुआती रूझान आने वाले हैं। लेकिन इससे पहले इजरायल ने भारत को लेकर ऐसा ऐलान किया है जो आज से पहले कभी नहीं हुआ। इजरायल ने नतीजों से पहले भारत को बड़ा तोहफा दे दिया है। इजरायल ने दुनियाभर में भारत की तारीफें शुरू कर दी है। भारत में इजरायल के दूतावास ने अपने देश के लोगों से कहा है कि हम आपको भारत के कुछ जगहों के नाम बता दे रहे हैं। आपको कहीं घूमने जाना है तो लिस्ट में भारत होना चाहिए। इजरायल ने ये फैसला तब उठाया है जब मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू ने इजरायली नागरिकों के प्रवेश पर रोक लगा दी है। मुइज्जू ने कहा है कि अब मालदीव में इजरायल के लोग नहीं आएंगे।

मालदीव के इजरायली पासपोर्ट वाले व्यक्तियों के प्रवेश पर प्रतिबंध लगाने के फैसले के बाद आया है। मालदीव के होमलैंड सुरक्षा और प्रौद्योगिकी मंत्री अली एहसान ने राष्ट्रपति कार्यालय में एक संवाददाता सम्मेलन के दौरान इस निर्णय की घोषणा की। मालदीव के राष्ट्रपति कार्यालय ने एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि राष्ट्रपति डॉ. मोहम्मद मुइज्जू ने कैबिनेट की सिफारिश के बाद इजरायली पासपोर्ट पर प्रतिबंध लगाने का संकल्प लिया है। इजरायली नागरिकों के प्रवेश पर प्रतिबंध लगाने की घोषणा के बाद इजरायली महावाणिज्यदूत कोबी शोशानी ने माले को एक कड़े संदेश में कहा कि मालदीव सरकार के फैसले के लिए धन्यवाद, इजरायली अब लक्षद्वीप के खूबसूरत समुद्र तटों का पता लगा सकते हैं। नवीनतम टिप्पणी राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू के नेतृत्व वाली मालदीव सरकार द्वारा गाजा पर हमला करने के अपने फैसले के बाद इजरायली पासपोर्ट पर प्रतिबंध लगाने की घोषणा के एक दिन बाद आई है। इसके अलावा, भारत में इजरायली दूतावास ने भी भारत में शीर्ष पर्यटक आकर्षण के केंद्रों की तस्वीरें साझा कीं और रेखांकित किया कि यहां इजरायली पर्यटकों का कैसे गर्मजोशी से स्वागत किया जाता है और उनके साथ अत्यंत आतिथ्य सत्कार किया जाता है।

इन पर अमल कर अमेरिका रोक सकता है चीन के बढ़ते प्रभाव को

वाशिंगटन। अमेरिका में डेमोक्रेटिक और रिपब्लिकन पार्टी दोनों ही इस बात एक राय रखते हैं कि उसके दबदबे को चुनौती चीन ही दे सकता है। 1991 में शीत युद्ध के बाद से अमेरिका दुनिया की अकेली महाशक्ति रहा है। लेकिन अब अमेरिका को चीन से चुनौती मिल रही है।

अमेरिका के दो जानकारों ने इसी चुनौती का जिक्र अपनी किताब में किया है। दोनों ने यह बताया है कि अमेरिका कैसे इस चुनौती पर विजय पा सकता है। अपने जन्मस्थान रूस से युवास्थव में अमेरिका जा बसने वाले दिमित्री एलपेरोविच वॉशिंगटन में एक थिंक टैंक के चेयरमैन हैं, और गैरेट ग्राफ जर्नलिस्ट। दिमत्री के नाम यूक्रेन पर रूस के हमला करने की भविष्यवाणी का श्रेय भी है। दोनों ने चीन को काबू में करने के लिए जो उपाय सुझाए हैं, उनमें से कुछ पर अमेरिकी प्रशासन ने अमल भी शुरू कर दिया है। इसमें चिप टेक्नॉलजी के निर्यात पर नियंत्रण, सप्लाई चेन को सुरक्षित बनाने और आर्टिफिशल इंटेलिजेंस में रिसर्च फंडिंग जैसी बातें शामिल हैं, लेकिन कुछ उपाय भी हैं, जिन पर अमल नहीं हो रहा है। इसमें यूक्रेन युद्ध के सबक भी शामिल हैं। लेखकों का सुझाव है कि अमेरिका को अपने रक्षा खर्च के ढांचे में बदलाव करना चाहिए। अमेरिका को एफ-16 जैसे महंगे हथियारों के बजाय भरोसेमंद और जिनका अधिक प्रॉडक्शन किया जा सके, वैसे हथियारों पर अधिक ध्यान देना होगा। इस सिलसिले में वे जेवलिन मिसाइल का जिक्र करते हैं।

इसके अलावा किताब उन बातों पर इशारा करती है, जिससे चीन प्रभावित हो सकता है। मसलन- चीन में युवा कामकाजी आबादी कम हो रही है और बुजुर्गों की संख्या में इजाफा हो रहा है। यह भी कहा जा रहा है कि चीन मध्यम आय वर्ग वाला देश बनकर न रह जाए। अगर ऐसा हुआ, तब उसका अमेरिका से बड़ी अर्थव्यवस्था बनना मुश्किल हो जाएगा। चीन फ्यूल और खाने की चीजों के लिए भी दूसरे देशों पर आश्रित है, जो उसका कमजोर पक्ष है। लेकिन इन बातों के साथ लेखक यह सलाह भी देते हैं कि अमेरिका को अपनी बढ़त बनाए रखने के लिए सजग रहना होगा। खासतौर पर डेमोग्राफी, टेक्नॉलजिकल और जियो-पॉलिटिकल बढ़त पर।

पाकिस्तान के लोग भी चाहते हैं मोदी फिर बनें पीएम

–लोकसभा चुनाव के नतीजों पर पाकिस्तानी आवाम ने दी राय

इस्लामाबाद (एजेंसी)। भारत में लोकसभा चुनाव के परिणाम सामने आने लगे हैं। नतीजों के रुझानों में नरेंद्र मोदी बहुमत के साथ तीसरी बार सत्ता में लौटते नजर आ रहे हैं। पाकिस्तान में भी भारत में हुए चुनावों को लेकर लोग उत्साहित रहते हैं। पाकिस्तान की यूट्यूबर सना अमजद ने आम लोगों से बात कर भारत के चुनाव पर बात की। एक पाकिस्तानी एहतशाम ने कहा कि भारत के मुकाबले पाकिस्तान छोटा देश है लेकिन दोनों देशों में वोटिंग प्रतिशत तकरीबन एक जैसा ही है।

एहतशाम ने कहा कि नरेंद्र मोदी की जीत की संभावना जताई जा रही है। ये बात तो सही है कि नरेंद्र मोदी भारत के लोकप्रिय नेता हैं। इस बार भी सरकार तो मोदी की ही बनेगी लेकिन ये देखना होगा कि वो अकेले बहुमत ला पाते हैं या फिर गठबंधन की सरकार बनती है। भारत और पाकिस्तान में चुनाव पर उन्होंने कहा कि भारत का चुनाव आयोग काफी मजबूत है। वह एक आजाद इंस्टीट्यूशन है लेकिन पाकिस्तान में इलेक्शन कमीशन मजबूत नहीं है। पाकिस्तान में चुनाव में साफ तौर पर इस बार धांधली हुई लेकिन भारत में उस तरह की चीजें नहीं देखने को मिलती हैं।

उन्होंने कहा कि भारत की आबादी दुनिया में सबसे ज्यादा है तो जाहिर है कि दुनिया में वोट डालने वाले भी वहीं सबसे ज्यादा हैं। पाकिस्तान या कोई दूसरा देश चाहे तब भी उतनी वोट नहीं पड़ सकती क्योंकि लोग ही कम हैं। भारत में लोग चुनाव को बहुत अच्छे से लेते हैं और खुशी से वोट डालते हैं। वहां नेता भी मिल जुलकर प्रचार कर लेते हैं लेकिन पाकिस्तान में तो एक दूसरे को दुश्मन की तरह से देखते हैं।

वहीं राशिद ने कहा कि नरेंद्र मोदी की हुकुमत ही पाकिस्तान में आ सकती है। इस समय दुनिया में अगर किसी भारतीय लीडर की शोहरत है तो वह सिर्फ नरेंद्र मोदी की है। पाकिस्तान में जिस तरह से इमरान खान के लोग दीवाने हैं, उसी तरह से नरेंद्र मोदी भारत में है। उन्होंने कहा कि हम तो फिर से नरेंद्र मोदी को ही भारत का पीएम देखना चाहते हैं।

ईरान में राष्ट्रपति चुनाव के लिए कट्टरपंथी महिला उम्मीदवार

– पूर्व राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी की जगह लेने के लिए पेश की दावेदारी

तेहरान (एजेंसी)। ईरान के राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी की 19 मई 2024 को एक हेलीकॉप्टर दुर्घटना में मौत हो गई थी। उनके निधन के बाद देश नये राष्ट्रपति के चुनाव के लिए 28 जून को मतदान होना है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अब तक करीब 40 उम्मीदवारों ने इब्राहिम रईसी की जगह लेने के लिए रजिस्ट्रेशन कराया है। इसमें पूर्व राष्ट्रपति महमूद अहमदीनेजाद, पूर्व आईआरजीसी कमांडर वाहिद हघानियान, सुप्रीम नेशनल सिक्योरिटी काउंसिल के पूर्व सचिव सईद जलीली शामिल हैं।

इसमें एक और नाम है जिसकी खूब चर्चा हो रही है। पूर्व महिला सांसद जोहरेह इलाहियन एक मात्र महिला उम्मीदवार हैं जिन्होंने पूर्व राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी की जगह लेने के लिए दावेदारी पेश की है। अगर इलाहियन इस पद के लिए चुन ली जाती हैं तो यह ईरान के इतिहास में पहली बार होगा जब कोई महिला राष्ट्रपति बनेगी।

इलाहियन हिजाब की समर्थक हैं। कनाडा सरकार ने इसी साल मार्च में उनपर प्रतिबंध लगा दिया क्योंकि वह ईरान के खिलाफ प्रदर्शन कर रही महिलाओं के लिए मौत की सजा का समर्थन कर रही हैं। इलाहियन पेशे से डॉक्टर हैं और दो बार सांसद और संसद की नेशनल सिक्योरिटी एंड फॉरेन पॉलिसी कमेटी की मेंबर भी रह चुकी हैं। इलाहियन कट्टर विचारों के लिए जानी जाती हैं। राष्ट्रपति पद के लिए रजिस्ट्रेशन कराने के बाद इलाहियन ने भ्रष्टाचार से लड़ने का संकल्प लिया और मजबूत सरकार, मजबूत अर्थव्यवस्था और मजबूत समाज का नारा दिया है।

साल 2018 में संयुक्त अरब अमीरात की प्रिंसेस लतीफा अपने एक फ्रेंच मित्र की मदद से यूएई से भाग गई थीं। उन्हें भारतीय सीमा के पास से गिरफ्तार कर वापस उनके देश भेज दिया गया था। इसके कुछ सालों बाद यूएई प्रिंसेस लतीफा ने अपने आप को बंधक बनाए जाने का दावा किया था। इस पर इलाहियन ने लतीफा को ईरान आने की सलाह दी थी। इलाहियन ने कहा था कि वे अगर ईरान आती हैं तो उन्हें इस्लामिक कानून के तहत आजादी से जीने का अधिकार दिया जाएगा।

मीडिया के मुताबिक इलाहियन की उम्मीदवारी के रद्द होने का खतरा मंडरा रहा है। ईरान के संविधान में यह साफ नहीं है कि एक महिला वहां की राष्ट्रपति बन सकती है या नहीं। यह एक विवादस्पद आर्टिकल 'गार्जियन काउंसिल' की व्याख्या पर निर्भर करती है। 'गार्जियन काउंसिल' कुछ उच्च अधिकारियों का एक समूह है। ये काउंसिल इतिहास में कई बार अहम पदों के लिए महिला उम्मीदवारों की नियुक्ति को अवैध ठहरा चुकी है।

राष्ट्रपति के आदेश से पासपोर्ट बैन को सीधे लागू करें मुइज्जू सरकार: नसीम

–मालदीव में इजरायली नागरिकों की एंट्री को लेकर कानून बनाने पर उठे सवाल

माले (एजेंसी)। मालदीव की मुइज्जू सरकार ने इजरायली पासपोर्ट पर बैन लगाने का फैसला लिया है। मालदीव सरकार की ओर से इसका ऐलान किए जाने के बाद वहां की विपक्षी पार्टी मालदीवियन डेमोक्रेटिक पार्टी (एमडीपी) ने सवाल उठाने शुरु कर दिए हैं। एमडीपी ने इजरायली पासपोर्ट धारकों के आने पर बैन लगाने के सरकार के दृष्टिकोण पर चिंता जताई है। एमडीपी के सांसद मिकाइल नसीम ने कहा कि उनकी पार्टी ने इजराइयल के पासपोर्ट पर बैन लगाने के सरकार के फैसले का स्वागत किया होता अगर उसने राष्ट्रपति के आदेश के जरिए से बैन को सीधे लागू करने का दृष्टिकोण अपनाया होता। उन्होंने कहा कि इजरायली पासपोर्ट पर बैन लगाने के लिए कानून में संशोधन करने की घोषणा से फैसले से प्रक्रिया में देरी होगी। उन्होंने कहा कि हम नहीं जानते यह होगा भी या नहीं। हम सुन रहे हैं कि सरकार संसद में एक विधेयक पेश करने की योजना बना रही है जबकि एक विधेयक पहले से ही संसद में मौजूद है। नसीम ने कहा कि देश में इजरायलियों के आने पर बैन लगाने के लिए आप्रवासन अधिनियम में संशोधन करने का प्रस्ताव रखा। उन्होंने कहा कि इसे राष्ट्रपति के आदेश से भी किया जा सकता है। ऐसे में उनकी पार्टी पीपुल्स नेशनल कांग्रेस का एक सांसद आज ही एक विधेयक प्रस्तुत कर सकता है लेकिन इस प्रक्रिया में देरी हो रही है। ये हमारे लिए चिंता का विषय है। एक अन्य सांसद मौरूफ जाकिर ने कहा कि इजरायली पासपोर्ट पर बैन लगाने का नियम तो राष्ट्रपति लागू कर सकते हैं। ऐसा कोई कानून नहीं है जो उनको इस पर फैसला लेने से रोकता हो फिर वो क्यों इसे लटकाना चाहते हैं। उन्होंने सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा कि बिल का पहला संबोधन आज के लिए निर्धारित किया जाना चाहिए। बता दें मालदीव सरकार ने इजरायली नागरिकों की एंट्री बैन लगाने का फैसला लिया है। गाजा पर इजरायली हमलों पर लोगों के बीच बढ़ते हुए आक्रोश को देखते हुए मालदीव की मुइज्जू की सरकार ने देश के कानूनों में बदलाव का फैसला किया है। जल्द ही इसके लिए जरूरी कानून में बदलाव किया जाएगा।

पीओके को लेकर मोदी सरकार के आक्रामक रुख से खौफ में पाकिस्तानी सेना

– पहाड़ों के अंदर सुरंगों का निर्माण कर रहा

इस्लामाबाद (एजेंसी)। भारत में पीओके को लेकर मोदी सरकार के आक्रामक रुख से पाकिस्तान की सेना खौफ में जी रही है। पाकिस्तानी सेना के डर का खुलासा अब सैटलाइट तस्वीरों से हुआ है। ताजा सैटलाइट तस्वीरों से खुलासा हुआ है कि पाकिस्तानी सेना ने अपने परमाणु अलर्ट के स्तर में बदलाव कर दिया है। पाकिस्तान अब पहाड़ों के अंदर सुरंगों का निर्माण कर रहा है, ताकि अगर भारत की ओर से हमला किया जाता है, तब उसके परमाणु बम सुरक्षित रहें। इतना ही नहीं पाकिस्तान अगर पहले परमाणु हमला करता है, तब उसकी गोपनीयता बनी रहे। हाल ही में पाकिस्तान की ओर से बयान आया है कि वह परमाणु बम को लेकर नो फर्स्ट यूज की नीति का पालन नहीं करता है।

भारतीय सेना के पूर्व कर्नल और सैटलाइट तस्वीरों के चर्चित एक्सपर्ट विनायक भट्ट ने बताया कि पाकिस्तान इसलिए साइलो बना रहा है ताकि परमाणु वारहेड फिर चाहे वे मिसाइलों से अलग ही क्यों नहीं हो, उस सेंसर के जरिए पता नहीं लगाया जा सकता है। रिटायर भट्ट ने बताया कि इन नए साइलो को भूमिगत लांच सुविधा केंद्र नाम दिया गया है जो यह दर्शाता है कि पाकिस्तान के स्ट्रैटेजिक प्लांस डिविजन ने अपना परमाणु रुख और युद्ध का डिजाइन बदल दिया है। इसके तहत लंबी दूरी की मिसाइलों को न्यूक्लियर फर्स्ट यूज स्ट्रेटजी में शामिल किया गया है।

भट्ट ने बताया कि पाकिस्तान ने कराची और हैदराबाद शहरों में स्थित परमाणु सुविधा केंद्रों में विशेष अलर्ट जोन बनाया गया है जहां पर दोहरी बाड़ लगी है। उन्होंने कहा कि यह प्रत्यक्ष रूप से दर्शाता है कि पाकिस्तान के न्यूक्लियर स्टेटस में बड़ा बदलाव कर दिया गया है ताकि बहुत तेजी से परमाणु हथियारों को लॉन्च के लिए तैयार किया जा सके। पाकिस्तान ने परमाणु ठिकानों के ढांचों में घुसने के लिए बनाई सुरंगों के बाहर कई ढांचे बनाए जा रहे हैं। इसके तहत कंक्रीट की परतें, स्टील प्लेट, विस्फोटक, स्टील प्लेट आदि को लगाया जा रहा है।

भारतीय विशेषज्ञ ने बताया कि पाकिस्तान की कोशिश है कि किसी तरह से भारतीय सेना के किसी हमले की सूरत में पाकिस्तान के परमाणु हथियारों को बचाया जा सके। बता दें कि पाकिस्तान के पास 170 से ज्यादा परमाणु बम है। कई विश्लेषकों का

कहना है कि पाकिस्तान ने टैक्टिकल परमाणु बम बनाने में भी सफलता हासिल कर ली है। इन परमाणु बमों को हवा, पानी और जमीन के जरिए दागने के लिए पाकिस्तान ने गौर, गजनवी जैसी कई मिसाइलों और मिराज तथा जेएफ 17 जैसे फाइटर जेट को तैनात कर रखा है। इस बीच पाकिस्तान ने हाल ही में ऐलान किया था कि उसकी कोई नो फर्स्ट यूज की नीति नहीं है। इसका मतलब यह है कि अगर पाकिस्तान को लगता है कि उसके ऊपर बड़ा खतरा है, तब वह परमाणु बम का पहले भी इस्तेमाल कर सकता है। वहीं भारत की बात करें तो हिंदुस्तान आज भी नो फर्स्ट यूज की नीति का पालन करता है।

पर्यावरण के प्रति जागरूकता क्यों नहीं?

डॉ. वंदना सेन

यहाँ स्मरण करने वाली बात यह भी है कि कोरोना संक्रमण के चलते हमारी जीवन चर्या में बहुत बड़ा परिवर्तन आया है। जिसमें हर व्यक्ति को अपने जीवन के लिए प्रकृति का महत्व भी समझ में आया, लेकिन सवाल यह है कि क्या इस परिवर्तन के अनुसार हम अपने जीवन को ढाल पाएं हैं? यकीनन नहीं। वर्तमान में हमारा स्वभाव बन चुका है कि हम अच्छी बातों को ग्रहण करने के लिए प्रवृत नहीं होते। जीवन की भी अपनी प्रकृति और प्रवृति होती है।

वर्तमान में जिस प्रकार से तापमान बढ़ रहा है, उसका एक कारण यह भी है कि हमारा समाज पर्यावरण के प्रति सचेत नहीं है। इसे सरकारी विफलता के रूप में देखा जाए तो कोई अतिशयोक्ति नहीं होगी। क्योंकि सरकार केवल योजना बनाकर ही यह समझ लेती है कि उनका कर्तव्य पूरा हो गया, जबकि यह योजना नीचे तक जाए, यह जिम्मेदारी भी तो शासन की है, लेकिन शासन अभी तक पर्यावरण के मामले में कोई ठोस पहल नहीं कर सका। सरकार के सानिध्य में संचालित होने वाले गैर सरकारी संगठन भी पर्यावरण संरक्षण के अभियानों को अपनी आय का माध्यम मानकर ही कार्य करते हैं। इन संस्थाओं का कार्य कागजों पर सफलता दशार्ने वाला होता है, लेकिन धरातल पर उसकी परिणति वैसी नहीं होती जैसी दिखाई जाती है। पर्यावरण का अभियान केवल फोटो खिचाने तक ही सीमित होता जा रहा है।

आज पर्यावरण के कारण जल के अभाव में वसुंधरा सूख रही है। पेड़ आत्महत्या कर रहे हैं। नदियां समाप्ति की ओर हैं। कुए, बाबड़ी रीत गए हैं। यह एक ऐसा भयानक संकट है, जिसको हम जानते हुए भी अनदेखा कर रहे हैं। अगर इसी प्रकार से चलता रहा तो आने वाला समय कितना त्रासद होगा, इसकी अभी मात्र कल्पना ही की जा सकती है, लेकिन जब यह समय सामने होगा, तब हमारे हाथ में कुछ भी नहीं होगा। यह सभी जानते हैं कि प्रकृति ही जीवन है, प्रकृति के बिना जीवन की कल्पना भी नहीं कर सकते। जब हम प्रकृति कहते हैं तो स्वाभाविक रूप मानव यही सोचता है कि पेड़ पौधों की बात हो रही है, लेकिन इसका आशय इतना मात्र नहीं, बहुत व्यापक है। प्रकृति में जितने तत्व हैं, वे सभी तत्व हमारे जीवन का आवश्यक अंग हैं। चाहे वह श्वांस हो, जल हो, या फिर खाद्य पदार्थ ही हों। सब प्रकृति की ही देन हैं। विचार कीजिए जब यह सब नहीं मिलेगा, तब हमारा जीवन कैसा होगा?

देश में अनेक संस्थाओं द्वारा पौधारोपण के कार्य भी किए जाते हैं। विसंगति यह है कि पौधारोपण करने के बाद उन पौधों का क्या होता है। यह सब देखने का समय हमारे पास नहीं है। पौधों के लिए जल ही जीवन है और पौधा भी एक जीवित वनस्पति है। अगर किसी पौधे का जीवन जन्म के समय ही समाप्ति होने की ओर अग्रसर होता है तो स्वाभाविक रूप से यही कहा जा सकता है कि ऐसा कर-के हम निश्चित ही एक जीवन की हत्या ही कर रहे हैं।

भारतीय संस्कृति में हत्या के परिणाम क्या होते हैं, इसे बताने की आवश्यकता नहीं हैं, लेकिन यह सत्य है कि जिस पेड़ की असमय मौत होती है, उसकी आत्मा कराह रही होती है। हम अगर पेड़ या पौधे में जीवन का अध्ययन करें तो हमें स्वाभाविक रूप से यह ज्ञात हो जाता है कि जीवित वनस्पति जब मौत की ओर जाती है, तब उसकी क्या स्थिति होती होगी। अब जरा अपने शरीर का ही विचार कर लीजिए, उसे भोजन नहीं मिलेगा, तब शरीर का क्या हाल होगा।

वर्तमान में हम सब पर्यावरण प्रदूषण का शिकार हो रहे हैं। यह सब प्रकृति के साथ किए जा रहे खिलवाड़ का ही परिणाम है। हम सभी केवल इस चिंता में व्यस्त हैं कि पेड़ पौधों के नष्ट करने से प्रदूषण बढ़ रहा है, लेकिन क्या हमने कभी इस बात का चिंतन किया है कि हम प्रकृति संरक्षण के लिए क्या कर रहे हैं। क्या हम प्रकृति से जीवन रूपी सांस को ग्रहण नहीं करते? क्या हम शुद्ध वातावरण नहीं चाहते? तो फिर क्यों दूसरों की कमियां देखने में ही व्यस्त हैं। हम स्वयं पहल क्यों नहीं करते? आज प्रकृति कठोर चेतावनी दे रही है। बिगड़ते पर्यावरण के कारण हमारे समक्ष महामारियों की अधिकता होती जा रही हैं। अगर हम इस चेतावनी को समय रहते नहीं समझे तो आने वाला समय कितना विनाश कारी होगा, कल्पना कर सकते हैं।

वर्तमान में स्थिति यह है कि हम पर्यावरण को बचाने के लिए बातों से चिंता व्यक्त करते हैं। सवाल यह है कि इस प्रकार की चिंता करने समाज ने अपने जीवन काल में कितने पौधे लगाए और कितनों का संवर्धन किया। अगर यह नहीं किया तो यह बहुत ही चिंता का विषय इसलिए भी है कि जो व्यक्ति पर्यावरण के प्रभाव और दुष्प्रभावों से भली भांति परिचित है, वही निष्क्रिय है तो फिर सामान्य व्यक्ति के क्या कहने। ऐसे व्यक्ति यह भी अच्छी तरह से जानते हैं कि पर्यावरण और जीवन का अटूट संबंध है। यह संबंध आज टूटते दिखाई दे रहे हैं। प्राण वायु ऑक्सीजन भी दूषित होती जा रही है। वह तो भला हो कि ईश्वर के अंश के रूप में में भारत भूमि पर पैदा हुआ हमारे इस शरीर में ऐसा श्वसन तंत्र विद्यमान है, जो वातावरण से केवल शुद्ध ऑक्सीजन ग्रहण करता है, लेकिन सवाल यह है कि जिस प्रकार से देश में जनसंख्या बढ़ रही है, उसके अनुपात में पेड़ पौधों की संख्या बहुत कम है। इतना ही नहीं लगातार और कम होती जा रही है। जो भविष्य के लिए खतरे की घंटी है।

आज के समाज की मानसिकता का सबसे बड़ा दोष यही है कि अपनी जिम्मेदारियों को भूल गया है। अपने संस्कारों को भूल गया है। किसी भी प्रकार की विसंगति को दूर करने के लिए समाज की ओर से पहल नहीं की जाती। वह हर समस्या के लिए शासन और प्रशासन को ही जिम्मेदार ठहराता है। हालांकि शासन भी जिम्मेदार है लेकिन शासन के बनाए नियमों का पालन करने की जिम्मेदारी हमारी है। शासन और प्रशासन में बैठे व्यक्ति भी समाज के हिस्सा ही है। इसलिए समाज के नाते पर्यावरण को सुरक्षित रखने की जिम्मेदारी हम सबकी है। पौधों को पेड़ बनाने की दिशा में हम भी सोच सकते हैं। प्लास्टिक प्रदूषण को रोकने के लिए हम कपड़े के थैले का उपयोग कर सकते हैं। अभी ज्यादा संकट नहीं आया है, इसलिए क्यों नहीं हम आज से ही एक अच्छे नागरिक होने का प्रमाण प्रस्तुत करें। क्योंकि दुनिया में कोई भी कार्य असंभव नहीं है।

यहाँ स्मरण करने वाली बात यह भी है कि कोरोना संक्रमण के चलते हमारी जीवन चर्या में बहुत बड़ा परिवर्तन आया है। जिसमें हर व्यक्ति को अपने जीवन के लिए प्रकृति का महत्व भी समझ में आया, लेकिन सवाल यह है कि क्या इस परिवर्तन के अनुसार हम अपने जीवन को ढाल पाएं हैं? यकीनन नहीं। वर्तमान में हमारा स्वभाव बन चुका है कि हम अच्छी बातों को ग्रहण करने के लिए प्रवृत नहीं होते। जीवन की भी अपनी प्रकृति और प्रवृति होती है। इसी कारण कहा जा सकता है कि जो व्यक्ति प्रकृति के अनुसार जीवन यापन नहीं करता, उसका प्रकृति कभी साथ नहीं देती। हमें घटनाओं के माध्यम से जो संदेश मिलता है, उसे जीवन का अहम हिस्सा बनाना होगा, तभी हम कह सकते हैं कि हमारा जीवन प्राकृतिक है।

(लेखिका शिक्षाविद और सहायक प्राध्यापक हैं)

संपादकीय

एग्जिट पोल की परीक्षा

भारतीय जनता पार्टी ने पूर्वोत्तर राज्य अरुणाचल प्रदेश में 46 सीटें जीत कर बहुमत हासिल कर लिया। राज्य में 60 में से 50 विधानसभा सीटों के लिए लोक सभा चुनाव के साथ मतदान हुआ था। भाजपा ने बाकी की दस सीटों पर पहले ही निर्विरोध जीत हासिल कर ली थी। राज्य में भाजपा के लगातार तीसरी बार सत्ता हासिल करने पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कार्यकताओं की सराहना की। वहीं सिक्किम में 32 सदस्यीय विधानसभा में 31 सीटों पर सिक्किम क्रांतिकारी मोर्चा (एसकेएम) ने 31 सीटों पर जीत हासिल की। लगातार दूसरी बार जीतने वाले दल को इस दफा प्रचंड़ बहुमत मिला है। 2019 तक लगातार 25 साल शासन करने वाली सिक्किम डेमोक्रेटिक खंट (एसड़ीएफ) को केवल एक सीट मिली। पूर्व मुख्यमंत्री पवन चामलिंग की पार्टी प्रेम सिंह तमांग उर्फ गोले के आगे बुरी तरह धराशायी हो गई। वहां भाजपा और कांग्रेस जैसे बड़े. दलों का खाता भी नहीं खुला। अरुणाचल में कांग्रेस को एक सीट मिली। अरुणाचल भाजपा ने मुख्यमंत्री पेमा खांडू. के नेतृत्व में ही चुनाव लड़ा था। उन्होंने इसे ऐतिहासिक दिन कहा और भाजपा के रिकॉर्ड. बनाने पर प्रधानमंत्री का आभार व्यक्त किया। खांडू. ने इसे एंटी इनकंबेंसी की बाजाए प्रोझइनकंबेंसी करार दिया। वह पहले

कांग्रेस में थे मगर 2016 में मुख्यमंत्री बनते ही कांग्रेस छोड़क र पीपुल्स पार्टी ऑफ अरुणाचल प्रदेश में शामिल हो गए। मगर दो महीने बाद ही खांडू. भाजपा के साथ आ गए। पिछले चुनाव में राज्य में दूसरे बड़े. दल के तौर पर जनता दल (यूनाइटेड़) (जेड़ी यू) उभरी थी इसलिए माना जा रहा था कि वह खांडू. को कड़ी टक्कर देगी। क्योंकि ग्राम पंचायत व जिला परिषद में उसे बेहतर समर्थन प्राप्त था, परंतु विपक्ष के गठबंधन इंड़िया में सीटों को लेकर लंबे समय तक सहमति नहीं बन पाई। जिसका लाभ भाजपा को ले गई लगती है। सिक्किम की जीत के नायक तमांग शिक्षक की नौकरी छोड़.कर राजनीति में आए थे। 2013 में अपना नया दल बना कर पहली बार 2014 का चुनाव लड़ा, जिसमें दस सीटें लेकर नेता प्रतिपक्ष बन गए। 2016 में भ्रष्टाचार के मामले में जेल व विधायक होने से अयोग्य ठहराए जाने के बावजूद 2019 में 17 सीटें जीत कर 24 साल पुरानी चामलिंग सरकार को जड़.से उखाड़. दिया। हालांकि वे भाजपा के नेतृत्व वाले एनड़ीए का हिस्सा हैं इसलिए लोक सभा कर मात्र एक सीट को लेकर सब निश्चिंत ही नजर आ रहे हैं।

चिंतन-मनन

सच्चा पुरुषार्थ

यह बात उन दिनों की है जब स्वामी विवेकानंद की चर्चा दुनिया भर में फैल चुकी थी। उनके विचारों को लेकर हर जगह विचार-विमर्श चल रहा था। उन्हें एक आदर्श के रूप में स्थापित होता देख एक विदेशी महिला बहुत प्रभावित हुई। उसने स्वामी विवेकानंद से विवाह करने का मन बना लिया। बस, इसके बाद वह हरदम उन्हीं के बारे में सोचती रहती। संयोग से एक दिन स्वामी विवेकानंद एक सम्मेलन में भाग लेने पहुंचे तो उसने उनसे मिलने की ठान ली। वह किसी तरह उसी स्थान पर जा पहुंची जहां सम्मेलन हो रहा था।

महिला स्वामी जी के समीप जाकर निर्भीकता से बोली,स्वामी जी, मैं आपसे विवाह करना चाहती हूं। स्वामी विवेकानंद ने उससे पूछा,क्यों, विवाह तुम आखिर मुझसे ही क्यों करना चाहती हो? क्या तुम यह नहीं जानती कि मैं तो एक संन्यासी हूं? महिला ने पूरी विनम्रता से कहा,देखिए, बात ये है कि मैं आपके जैसा ही गौरवशाली, सुशील और तेजमय पुत्र चाहती हूं। और वह तो तभी संभव होगा जब आप मुझसे विवाह करेंगे।

यह सुनकर स्वामी विवेकानंद ने उत्तर दिया, देखो, हमारी शादी तो संभव नहीं है, परंतु एक उपाय अवश्य है। महिला बोली,कैसा उपाय? स्वामी विवेकानंद बोले,आज से मैं ही आपका पुत्र बन जाता हूं और आप मेरी मां बन जाएं। आपको मेरे जैसा पुत्र मिल जाएगा। विवेकानंद की यह बात सुनकर विदेशी महिला उनके चरणों पर गिर पड़ी और बोली,स्वामी जी, सचमुच आप साक्षात ईश्वर के रूप हैं। इसे कहते हैं पुरुष और ये होता है पुरुषार्थ। सच्चा पुरुषार्थ तभी होता है जब पुरुष नारी के प्रति अपने मन में पुत्र जैसा भाव ला सके और उसमें मातृत्व की भावना उत्पन्न कर सके।

सनातन का संदेश देती भ्रमणशील जमात की यात्रा

सज्जन कुमार गर्ग

श्री पंचायती अखाड़ा बड़ा उदासीन निर्वाण की भ्रमणशील जमात एक चलता फिरता तीर्थ स्वरूप है। सनातन धर्म संस्कृति के प्रचार के लिए भारत के शहर से ग्रामीण स्थानों पर भ्रमण करते रहते हैं,जहां सत्संग प्रवचन धार्मिक अनुष्ठान किए जाते हैं,यहां साधु संत वैदिक विधि-विधान के साथ गणेश-पंचदेव एवं कलश पूजन कर प्रवास करते हैं।।श्री सत पंच परमेश्वर भ्रमणशील जमात बिहार मे लगभग चालीस बर्ष पूर्व 1984 में जमात पहुंची थी। पुन. 2024के मार्च मे यह यात्रा बिहार के बक्सर जिले मे प्रवेश की और बकसर के साथ पटना बाढ,जमालपुर मुंगेर के विभिन्न स्थानो की यात्रा कर अब झारखंड मे प्रवेश करने वाली है।

श्री सत पंच परमेश्वर पंचायती अखाड़ा बडा उदासीन,मुख्यालय प्रयागराज श्रीमहंत मेहश्वर दास जी,मुखिया महंत दुगार्दासजी,मुखिया महंत अद्वैत्वानंद जी महाराज की अगुआई में संत-महंतों का , तपस्वी संतों के चलता फिरता तीर्थ की यात्रा जारी है।श्रीमहंत मेहश्वर दास जी मुखिया महंत दुगार्दास जी के अनुसार वैदिक परंपरा के अनुरूप प्रवास के दौरान संत विशेष पूजन, ध्यान व वैदिक परंपराओं का निर्वहन करते हैं।भ्रमणशील जमात में पद निधारित हैं,श्री महंत,मुखिया महंत,पुजारी भंडारी,कोठारी तथा,कार्यवारी कोतवाल के पद नियुक्त हैं।

सनातन धर्म संस्कृति के प्रचार के लिए देश के चारो धाम तीर्थ स्थल कुंभ मेला सहित देश भर में भ्रमण पर रहती हैं जमात।

पहले भ्रमणशील जमात में हाथी,घोड़े ऊंट के साथ पूज्य संत की जमात देशभर का भ्रमण करती थी।

समय के साथ हर क्षेत्र मे बदलाव के मद्देनजर अखाड़ा के पूज्य संतो की भ्रमणशील जमात मे भी बदलाव किया गया। जहां वर्तमान समय मे हाथी,घोड़े बैलगाड़ी के स्थान पर अब वाहन के माध्यम से भ्रमणशील जमात देश भ्रमण कर रही है।

यात्रा का मकसद लोगो मे सनातन के प्रति जागरूकता पैदा करना ओलम्पिक तथा मठो की स्थित का अवलोकन भी करना है,लोगो मे अध्यात्मिक भाव बना रहे इसकी महती जवाबदेही संतो की हैं,श्रीमहंत मेहश्वर दास जी कहते है कि पहले भ्रमणशील जमात काबुल तक जाती थी,जिसका रिर्काड आज भी प्रयागराज मे संरक्षित है,उदासीन आचार्य श्रीचंद्र देव जी इस परंपरा के प्रर्वतक है उनकी मयार्दाओ का पालन आज भी किया जा रहा है ।हमलोग को अपने गुरू वचन पर विश्वास है ओर उसी का पालन कर रहे हैं।यह संस्था जगह-जगह सनातन का प्रचार करती है सिर्फ धर्म का ही प्रचार करना इसका मकसद नही है बल्कि मानव कल्याण के कार्यो से भी जुड़ी हुई है,संगठन द्वारा जनहित के अनेक कल्याण कारी काम किए जा रहे है खासियत यह है कि संत अपने काम का प्रचार नही करते सिख धर्म के प्रर्वतक श्री गुरुनानक देव जी के सुपत्र भगवान श्रीचंद्र महाराज ने उदासीन सम्प्रदाय की स्थापना की ओर भारतीय संस्कृति की रक्षा के लिए शैव,वैश्विक शाक्त, सौर तथा गणपतय मत को मानने वाले सभी धमार्चार्य को संगठित कर पंचायत उपासना प्रतिपादित किया,महंत दुगार्दास जी महाराज के अनुसार इस संप्रदाय मे हिन्दु धर्म मे जाती पाती,ऊच नीच,छोटे बडे का भेद मिटाकर समाजिक समरसता ओर मानव मात्र की मुक्ती के लिए नई राह दिखाई साथ ही हिन्दु धर्म मे वैचारिक वाद विवाद कौन मिटाकर सत सनातन धर्म को समन्वय का विराट रूप प्रदान किया ओर भारतीय संस्कृत की महान परंपरा को जन-मानस को समझाया,लोग कल्याण की परंपरा को आगे बढाते हुए इस संस्था द्वारा संस्कृत पाठशाला,मेडिकल कॉलेज,का संचालन किया जा रहा है बिहार यात्रा कि खासियत यह रही कि श्रीमहंत मेहश्वर दास जी ने घोषणा की राज्य के हर जिले मे संस्कार युक्त शिक्षा देने के लिए कम शुक्ल पर स्कूल खोले जाएगे।दुर्गा दास जी के अनुसार दरअसल में माने तो भक्ति ओर ज्ञान मार्ग के समुच्चय का संप्रदाय है उदासीन संप्रदाय।

रूढ़िवादी परम्पराओं के नाम पर महिलाओं का शोषण!

सोनम लववंशी

पश्चिमी अफ्रीका में स्थित सबसे छोटा देश गाम्बिया आजकल पूरी दुनिया में चर्चा का केंद्र बना हुआ है। कहने को इस देश की आबादी महज 26 लाख है, लेकिन यहां की संसद में एक ऐसा विधेयक लाया गया है। जो काफी हैरान करने वाला है। इस विधेयक के अनुसार महिलाओं के खतना करने की बात कही गई है। जबकि साल 2015 में ही महिलाओं के खतना पर रोक लगा दी गई थी। लेकिन बीते दिनों 8 नाबालिग बच्चियों का खतना करने को लेकर विवाद इतना गरमाया कि इस मामले में तीन महिलाओं को सजा देनी पड़ी। ऐसे में इस बहस ने पूरे देश के जनमत को दो हिस्सों में बांट दिया। एक पक्ष महिलाओं के खतना करने के पक्ष में खड़ा हो गया। जो समाज, संस्कृति और परम्परा के नाम पर महिलाओं का शोषण करने की वकालत कर रहा है जबकि दूसरा पक्ष महिलाओं का पक्षधर है जो इस प्रथा का विरोध कर रहा है। विडंबना देखिए कि अगर ये विधेयक कानून बन गया तो इस कुप्रथा को अपनाने वाला गाम्बिया दुनिया का पहला देश बन जाएगा और अगर ऐसा होता है तो सौ फीसद मुमकिन है कि दुनिया के अन्य हिस्सों में भी इसे मजहब के नाम पर महिलाओं के शोषण के हथियार के तौर पर देखा जाने लगेगा।

महिलाओं के प्रति पुरुषों की सोच आज भी अधिनायकवादी है। यही वजह है कि कहने को तो हम आधुनिक हो चले हैं, लेकिन हमारे समाज में अब भी कुछ रूढ़िवादी परम्पराएं हैं जो सदियों से जस की तस चली आ रही हैं। इनमें महिलाओं का फीमेल जेनिटल म्यूटिलेशन (एफजीएम) यानी खतना भी शामिल है। वैसे देखा जाए तो परम्पराओं के नाम के पर महिलाओं का शोषण सदियों से होता आया है। हमारे रीति रिवाज को आगे बढ़ाने का काम महिलाओं के जिम्मे ही रहा है। खास कर खतना जैसी कुप्रथा के पीछे भले ही धार्मिक चोला पहनाया जाता रहा हो, लेकिन असल मकसद महिलाओं की यौन इच्छाओं पर नियंत्रण करना है। वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गेनाईजेशन कि माने तो बच्चियों का कम उम्र में ही खतना कर दिया जाता है। इस प्रक्रिया में एक्सटर्नल प्राइवेट पार्ट के उन हिस्सों को कट किया जाता है, जिनसे यौन इच्छाओं का संबंध होता है। इसके पीछे महिलाओं के शादी के पहले संबंध न बनाने, या फिर यौन सुख से दूर रखने की सोच होती है। विडंबना देखिए कि इस दर्दनाक प्रक्रिया के दौरान न तो बेहोश किया जाता और न ही कोई डॉक्टर निगरानी के लिए मौजूद होता है। इस दर्दनाक प्रक्रिया के दौरान कई मासूम लड़कियों की मौत तक हो जाती है।

हमारा समाज आज भी एक लड़की को वस्तु की तरह ही देखता आया है। लड़की को छोटी सी उम्र से ही ये अहसास दिलाया जाता है कि वे पराया धन है उन्हें शादी करके दूसरा घर बसाना है। यहां तक कि खुद से बड़ी उम्र के पुरूष के लिए सम्भावित दुल्हन के रूप में देखा जाने लगता है। उन्हें शारीरिक पवित्रता की परीक्षा देने के लिए मजबूर किया जाता है। एक लड़की को बचपन से ही पितृसत्तात्मक समाज के ढांचे में फिट रहने की कवायद शुरू कर दी जाती है। उसके उठने, चलने या बोलने से लेकर शारिरिक जरूरत तक को कंट्रोल करने का काम किया जाता है। घर की इज्जत मान मयार्दा को जोड़कर बंदिशें लागू कर दी जाती है। गाम्बिया का यह प्रकरण देश दुनिया की महिलाओं के लिए एक सीख लेकर आया है। महिला अधिकारों की बातें करना और उसे हकीकत में लागू करना इन दोनों ही बातों में जमीन आसमान का फर्क है। महिलाओं को अपने अधिकारों के लिए सदियों से संघर्ष करना पड़ा है। आज भी पितृसत्तात्मक समाज महिलाओं को अपने हाथों की कठपुतली बनाकर रखना चाहता है तभी तो उन्हें मिले अधिकारों को भी छिनने की कोशिश की जाती रही है। गाम्बिया की महिलाएं भी अभी ऐसे ही दर्द को झेलने पर मजबूर है। महिलाओं की राजनीति में बराबर की भागीदारी होना बहुत जरूरी है वरना कब उन्हें बंदिशों में बांध दिया जाए कोई नहीं कह सकता। गाम्बिया की महिलाओं को ही देखें तो यहां उनके दर्द को आवाज तक नहीं मिली। जिसकी सबसे बड़ी वजह यहां की संसद में महिलाओं की संख्या कम होना है। यहां की संसद में 92 फीसदी पुरुष है ऐसे में इस बात की गारंटी कैसे ले सकते है कि पुरुष महिलाओं के पक्ष में फैसला लेंगे? इस विधेयक का 4 के मुकाबले 42 मतों से पारित होना इस बात का सबूत है कि ये विधयेक महिलाओं के विरुद्ध है। आधुनिक होते समाज में जब इस तरह की कुप्रथा की वकालत की जाने लगे तो इसके परिणाम भी गम्भीर ही होंगे। महिलाएं सभ्य समाज की वह नींव है जिस पर सुनहरा भविष्य टिका है। लेकिन इस नींव को कमजोर कर दिया जाएगा तो पूरी सामाजिक व्यवस्था ही ध्वस्त हो जाएगी। लेकिन ये हमारे समाज का कड़वा सच ही है कि आज भी पितृसत्तात्मक समाज का वर्चस्व है। ये दुनिया के हर कोने में मौजूद है।

संयुक्त राष्ट्र की संस्था यूनिसेफ (संयुक्त राष्ट्र बाल कोष) की रिपोर्ट की मानें तो दुनियाभर में 23 करोड़ महिलाएं और बच्चियां ने खतना का दर्द झेला है। जबकि पिछले आठ वर्षों में खतना करने वाली महिलाओं और बच्चियों की संख्या में तीन करोड़ यानी 15 फीसदी का इजाफा हुआ है। दुनिया के ज्यादातर हिस्सों में इस कुप्रथा पर रोक लगा दी गई है, बावजूद इसके आज भी ये प्रथा हमारे समाज में निभाई जा रही है। इक्वलिटी नाउ नामक संस्था की रिपोर्ट ने भी इस बात की पुष्टि की है। ये प्रथा दुनिया के 92 से ज्यादा देशों में जारी है। भारत भी इस कुरीति से अछूता नहीं है। भारत में दाऊदी बोहरा समुदाय की महिलाएं इस दर्दनाक त्रासदी को झेल रही है। संयुक्त राष्ट्र के आंकड़ों के अनुसार, 14.4 करोड़ से अधिक मामलों के साथ अफ्रीकी देश इसका सबसे अधिक दंश झेल रहे हैं। दूसरे नंबर पर एशिया है, जहां आठ करोड़ महिलाओं ने इस दर्द की त्रासदी को झेला है। ये कुप्रथा छोटे, अलग समुदायों और दुनिया भर में प्रवासियों के बीच भी फैली हुई है। कई प्रवासी तो सिर्फ इसलिए अपने देश लौटकर आते है ताकि अपनी बच्चियों के खतना करवा सकें। सोचिए आज भी हमारा समाज लड़कियों के प्रति कितना संवेदनहीन है। हम आधुनिक होने का चाहे जितना ढोंग क्यों न कर लें लेकिन जब बात महिलाओं की आती है तो हमारे समाज का नजरिया पल भर में बदल जाता है।

सोचने वाली बात है कि इससे ज्यादा दर्दनाक क्या होगा, जब किसी के शरीर का एक हिस्सा सिर्फ इसलिए काट कर अलग कर दिया जाता है, क्योंकि एक प्रथा ऐसा करने के लिए कहती है। किसी धर्म विशेष का चोला पहनाकर महिलाओं का प्रताड़ित करने की रवायत सदियों से चली आ रही है। हम उस दर्द का अहसास भी नहीं कर सकते। वो भी किसी महिला के ऐसे अंग को जो उसकी नारी होने के पहचान है। किसी समाज को कोई हक नहीं बनता की

वह उसके वजूद को ही मिटा दे। यह अमानवीय प्रथा ने केवल उस समाज के लिए बल्कि पूरी मानव जाति के लिए शर्मसार करने वाली है। ये केवल संस्कृति से जुड़ा मुद्दा नहीं है। यह नारी की अस्मिता और उसके स्वास्थ्य से जुड़ा मुद्दा भी है। इसके कारण महिलाओं मो कई गम्भीर बीमारियों का सामना करना पड़ता है। कई बार तो रक्तस्त्राव, बुखार, संक्रमण और मानसिक अवसाद जैसी समस्या भी पैदा हो जाती है। कई बार तो मासूम बच्चियां की खतना के दौरान मृत्यु भी हो जाती है।

गाम्बिया में, औसतन हर दूसरी लड़की इस यातना से गुजर रही है। इस प्रथा का शिकार होने वाली लड़कियों और महिलाओं को, इसके गम्भीर शारीरिक व मानसिक परिणाम झेलने पड़ते हैं। खतना की शिकार हुई महिलाओं को, बच्चे को जन्म देते समय जटिलताओं का सामना करना पड़ता है। इतना ही नहीं खतना करवाने के बाद महिलाओं में कुछ ऐसी समस्याएं भी होती हैं। जिसके कारण उनका समुदायों से बहिष्करण और पतियों द्वारा तलाक तक दे दिया जाता है। ऐसे में अब वक्त की नजाकत कहती है कि सिर्फ परंपरा या झूठी शान की वजह से किसी को पीड़ा देना उचित नहीं। खतना से होने वाले दुष्प्रभावों को दरकिनार करना भी गलत है। स्त्री-पुरूष दोनों समानता के हकदर है। ऐसे में किसी एक को रीति-रिवाज के नाम पर कष्ट देना ठीक नहीं। एक बात और महिलाओं का दर्द महिला ही समझ सकती है, इसलिए सिर्फ पुरूष को अधिकार नहीं कि वो महिलाओं से जुड़ा फैसला स्वयं ले।

पर्यावरण

समस्या और समाधान

सामान्य जीवन प्रक्रिया में जब अवरोध होता है तब पर्यावरण की समस्या जन्म लेती है। यह अवरोध प्रकृति के कुछ तत्वों के अपनी मौलिक अवस्था में न रहने और विकृत हो जाने से प्रकट होता है। इन तत्वों में प्रमुख हैं जल, वायु, मिट्टी आदि। पर्यावरणीय समस्याओं से मनुष्य और अन्य जीवधारियों को अपना सामान्य जीवन जीने में कठिनाई होने लगती है और कई बार जीवन–मरण का सवाल पैदा हो जाता है।

प्रदूषण भी एक पर्यावरणीय समस्या है जो आज एक विश्वव्यापी समस्या बन गई है। पशु-पक्षी, पेड़-पौधे और इंसान सब उसकी चपेट में हैं। उद्योगों और मोटरवाहनों का बढ़ता उत्सर्जन और वृक्षों की निर्मम कटाई प्रदूषण के कुछ मुख्य कारण हैं। कारखानों, बिजलीघरों और मोटरवाहनों में खनिज ईंधनों (डीजल, पेट्रोल, कोयला आदि) का अंधाधुंध प्रयोग होता है। इनको जलाने पर कार्बन डाइआक्साइड, मीथेन, नाइट्रस आक्साइड आदि गैसें निकलती हैं। इनके कारण हरितगृह प्रभाव नामक वायुमंडलीय प्रक्रिया को बल मिलता है, जो पृथ्वी के तापमान में वृद्धि करता है और मौसम में अवांछनीय बदलाव ला देता है। अन्य औद्योगिक गतिविधियों से क्लोरोफ्लोरोकार्बन (सीएफसी) नामक मानव-निर्मित गैस का उत्सर्जन होता है जो उच्च वायुमंडल के ओजोन परत को नुकसान पहुंचाती है। यह परत सूर्य के खतरनाक पराबैंगनी विकिरणों से हमें बचाती है। सीएफसी हरितगृह प्रभाव में भी योगदान करते हैं। इन गैसों के उत्सर्जन से पृथ्वी के वायुमंडल का तापमान लगातार बढ़ रहा है। साथ ही समुद्र का तापमान भी बढ़ने लगा है। पिछले सौ सालों में वायुमंडल का तापमान 3 से 6 डिग्री सेल्सियस बढ़ा है। लगातार बढ़ते तापमान से दोनों ध्रुवों पर बर्फ गलने लगेगी। अनुमान लगाया गया है कि इससे समुद्र का जल एक से तीन मिमी प्रतिवर्ष की दर से बढ़ेगा। अगर समुद्र का जलस्तर दो मीटर बढ़ गया तो मालद्वीप और बंग्लादेश जैसे निचाई वाले देश डूब जाएंगे। इसके अलावा मौसम में बदलाव आ सकता है-कुछ क्षेत्रों में सूखा पड़ेगा तो कुछ जगहों पर तूफान आएगा और कहीं भारी वर्षा होगी।

प्रदूषक गैसें मनुष्य और जीवधारियों में अनेक जानलेवा बीमारियों का कारण बन सकती हैं। एक अध्ययन से ज्ञात हुआ है कि वायु प्रदूषण से केवल 36 शहरों में प्रतिवर्ष 51,779 लोगों की अकाल मृत्यु हो जाती है। कलकत्ता, कानपुर तथा हैदराबाद में वायु प्रदूषण से होने वाली मृत्युदर पिछले 3-4 सालों में दुगुनी हो गई है। एक अनुमान के अनुसार हमारे देश में प्रदूषण के कारण हर दिन करीब 150 लोग मरते हैं और सैकड़ों लोगों को फेफड़े और हृदय की जानलेवा बीमारियां हो जाती हैं।

उद्योगीकरण और शहरीकरण से जुड़ी एक दूसरी समस्या है जल प्रदूषण। बहुत बार उद्योगों का रासायनिक कचरा और प्रदूषित पानी तथा शहरी कूड़ा-करकट नदियों में छोड़ दिया जाता है। इससे नदियां अत्यधिक प्रदूषित होने लगी हैं। भारत में ऐसी कई नदियां हैं, जिनका जल अब अशुद्ध हो गया है। इनमें पवित्र गंगा भी शामिल है। पानी में कार्बनिक पदार्थों (मुख्यतः मल-मूत्र) के सड़ने से अमोनिया और हाइड्रोजन सलफाइड जैसी गैसें उत्सर्जित होती हैं और जल में घुली आक्सीजन कम हो जाती है, जिससे मछलियां मरने लगती हैं। प्रदूषित जल में अनेक रोगाणु भी पाए जाते हैं, जो मानव एवं पशु के स्वास्थ्य के लिए बड़ा खतरा हैं। दूषित पानी पीने से ब्लड कैंसर,जिगर कैंसर, त्वचा कैंसर, हड्डी-रोग, हृदय एवं गुर्दों की तकलीफें और पेट की अनेक बीमारियां हो सकती हैं, जिनसे हमारे देश में हजारों लोग हर साल मरते हैं।

एक अन्य पर्यावरणीय समस्या वनों की कटाई है। विश्व में प्रति वर्ष 1.1 करोड़ हेक्टेयर वन काटा जाता है। अकेले भारत में 10 लाख हेक्टेयर वन काटा जा रहा है। वनों के विनाश के कारण वन्यजीव लुप्त हो रहे हैं। वनों के क्षेत्रफल में लगातार होती कमी के कारण भूमि का कटाव और रेगिस्तान का फैलाव बढ़े पैमाने पर होने लगा है।

फसल का अधिक उत्पादन लेने के लिए और फसल को नुकसान पहुंचाने वाले कीटों को मारने के लिए कीटनाशकों का उपयोग किया जाता है। अधिक मात्रा में उपयोग से ये ही कीटनाशक अब जमीन के जैविक चक्र और मनुष्य के स्वास्थ्य को क्षति पहुंचा रहे हैं। हानिकारक कीटों के साथ मकड़ी, केंचुए, मधुमक्खी आदि फसल के लिए उपयोगी कीट भी उनसे मर जाते हैं। इससे भी अधिक चिंतनीय बात यह है कि फल, सब्जी और अनाज में कीटनाशकों का जहर लगा रह जाता है, और मनुष्य और पशु द्वारा इन खाद्य पदार्थों के खाए जाने पर ये कीटनाशक उनके लिए अत्यंत हानिकारक सिद्ध होते हैं।

आज ये सब पर्यावरणीय समस्याएं विश्व के सामने मुंह बाए खड़ी हैं। विकास की अंधी दौड़ के पीछे मानव प्रकृति का नाश करने लगा है। सब कुछ पाने की लालसा में वह प्रकृति के नियमों को तोड़ने लगा है। प्रकृति तभी तक साथ देती है, जब तक उसके नियमों के मुताबिक उससे लिया जाए।एक बार गांधीजी ने दातुन मंगवाई। किसी ने नीम की पूरी डाली तोड़कर उन्हें ला दिया। यह देखकर गांधीजी उस व्यक्ति पर बहुत बिगड़े। उसे डांटते हुए उन्होंने कहा, जब छोटे से टुकड़े से मेरा काम चल सकता था तो पूरी डाली क्यों तोड़ी? यह न जाने कितने व्यक्तियों के उपयोग में आ सकती थी। गांधीजी की इस फटकार से हम सबको भी सीख लेनी चाहिए। प्रकृति से हमें उतना ही लेना चाहिए जितने से हमारी मूलभूत आवश्यकताओं की पूर्ति हो सकती है। पर्यावरणीय समस्याओं से पार पाने का यही एकमात्र रास्ता है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन ने स्वास्थ्य के लिए सबसे हानिकारक रासायनिक पदार्थों की सूची प्रकाशित की है। एस्बस्टस, बेंज़ीन, कैडमियम, आर्सेनिक, पारा, सीसा तथा अन्य कई पदार्थ इस सूची में शामिल हैं। वायु के सामान्य प्रदूषण का इसमें अलग से उल्लेख किया गया है। विश्व स्वास्थ्य संगठन यह स्वीकार करता है कि उद्योग के विकास के वर्तमान स्तर पर इन हानिकारक रसायनों के उपयोग से पूरी तरह इनकार कर पाना संभव नहीं है, परंतु अपने रोज़मर्रा के जीवन में विषाक्त पदार्थों से अपनी अंतर्क्रिया हम कम कर सकते हैं।

पर्यावरण आज मनुष्य की जान ले रहा है। प्लास्टिक की बनी चीज़ें, हार्ड बोर्ड का फर्नीचर, सौंदर्य प्रसाधन, पेय जल, खाद्य पदार्थ हर वस्तु में रसायन भरे हुए हैं। इनमें कुछ तो लाभदायक हैं या कम से कम शरीर को नुकसान नहीं पहुंचाते। लेकिन ज़्यादातर रसायनिक पदार्थ विषैले हैं जो हर साल संसार भर में दसियों लाख लोगों के रोगों या मृत्यु का कारण बनते हैं।

एस्बस्टस को ही लीजिए। यह प्राकृतिक पदार्थ अत्यंत पतले रेशों से बना होता है। इसकी सुदृढ़ता इस्पात से भी अधिक है, यह पानी में नहीं घुलता, दूसरे रसायनों से इसकी कोई प्रतिक्रिया नहीं होती, सौर विकिरण, ओज़ोन और ऑक्सीजन का इस पर कोई असर नहीं पड़ता। इसलिए मशीन-निर्माण उद्योग में और सड़कें बनाने में इसका इस्तेमाल होता है, इसके पाइप बनाए जाते हैं और इमारतों की बाहरी सज्जा के लिए टाइलें भी। लेकिन इसके रेशे हवा के रास्ते मनुष्य के शरीर में पहुंच कर सदा के लिए वहीं रह जाते हैं और फिर इनसे फेफड़ों, गले और अंडकोषों का कैंसर होता है।

बीसवीं सदी के अंत में संसार भर में यह अभियान चला कि एस्बस्टस का प्रयोग निषिद्ध घोषित किया जाए। आज अमरीका, आस्ट्रेलिया, न्यूज़ीलैंड, जापान और यूरोपीय संघ में इसके उपयोग पर पूर्ण प्रतिबंध लग चुका है। दूसरे देशों में केवल लंबे रेशे वाले एस्बस्टस के उपयोग की अनुमति है जिससे कैंसर होने का खतरा कम है। लेकिन पुरानी सड़कें तो कोई नहीं बदल रहा, पुरानी इमारतें भी नहीं कोई तोड़कर नई बना रहा। यहां से छोटे रेशे वाला एस्बस्टस लोगों की सेहत को नुक्सान पहुंचा रहा है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन की सूची से एक और उदाहरण है-भारी धातुएं। लोग इनके हानिकारक प्रभाव के बारे में अरसे से जानते हैं। तो भी इनका व्यापक उपयोग जारी है, विशेषज्ञ इरीना इल्चेंको कहती हैं-भारी धातुएं एक बार शरीर में पहुच जाने पर लंबे समय तक वहीं बनी रहती हैं, इसलिए वे अति-विषैली मानी जाती हैं। सीसा और कैडमियम ऐसी ही धातुएं हैं। कैडमियम का सबसे अधिक दुष्प्रभाव गुर्दे पर और मूत्र-विसर्जन प्रणाली पर पडता है। और सीसा तो सांद्रता कम होने पर भी स्नायुतंत्र और मानसिक विकास को धीमा करता है। गर्भधारण, जन्म तथा शैशव काल में इसका खास प्रभाव पड़ता है। बेशक, वयस्क लोगों पर भी ऐसा प्रभाव पडता है।

सीसे की कोई ऐसी सांद्रता नहीं है जिसे मनुष्य के लिए निरापद कहा जा सकता है। इसकी कोई भी मात्रा अत्यंत खतरनाक है। यह श्वास के रास्ते भी और त्वचा से भी मानव-शरीर में प्रवेश करता है। ऐसा होने पर भी हम आज तक सीसे की चीज़ों का इस्तेमाल कर रहे हैं, जैसे कि सोल्डर, छापाखाने में टाइप-सैट, और सिरेमिक के बर्तनों पर चमकीली परत। पुरानी इमारतों की दीवारें भी खतरनाक हो सकती हैं। आजकल तो सीसे के आधार पर पेंट बनाने की मनाही हो चुकी है, लेकिन कुछ समय पहले तक ऐसे पेंट बहुत प्रचलित थे। अब अगर आप किसी पुराने मकान में रहते हैं जिसकी मरम्मत करके दीवारों पर नया पेंट किया गया है तो सीसे वाले पेंट की निचली परतों से विषाक्त पदार्थों का निकलना जारी है।कैडमियम का इस्तेमाल कार और इन्वर्टर बैटरियों में होता है। पारा हमारे थर्मामीटरों और ऊर्जा-बचत लैम्पों में है। जब तक वह कांच में बंद है तब तक तो निरापद है। लेकिन टूट जाए तो मुसीबत ही मुसीबत है।

पूरी दुनिया की साझी चिंता

हमारे चारों ओर जो भी वस्तुएं परिस्थितियां और शक्तियां विद्यमान हैं, वे मानव क्रिया-कलापों को प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से प्रभावित करती हैं, उनकी इसी आवृत्ति को पर्यावरण की संज्ञा दी जाती है। हमारे पुरखों को पर्यावरण की हमसे भी गहरी समझ थी तभी उन्होंने वसुधैव कुटुम्बकम की परिकल्पना को अपनाया। मानव जब से जन्म लेता है और जब तक इस धरा पर सांस लेता है, पर्यावरण से जुड़ा रहता है।

वर्तमान में बढ़ती हुई भौतिकवादी प्रवृत्ति के कारण मनुष्य अपनी सुख सुविधाओं में अधिकाधिक वृद्धि करने के उद्देश्य से प्राकृतिक सम्पदाओं का दोहन कर रहा है। व्यापक स्तर पर पर्यावरण के दोहन तथा असीमित मात्रा में निकले गंदगी और उत्सर्जित पदार्थों के कारण आज न सिर्फ मानव जीवन संकटग्रस्त है अपितु समस्त पृथ्वी पर संकट के बादल मंडरा रहे हैं। वायु, जल, भूमि, वनस्पति और प्राणी पर्यावरण के अवयव हैं। यदि इन संसाधनों का मानव अंधाधुंध दोहन करता है तो पर्यावरण में हानिकारक अवांछनीय परिवर्तन दृष्टिगोचर होते हैं, जिससे जीवन प्रत्यक्ष रूप से दुष्प्रभावित होता है। दैनिक एवं दीर्घकालीन सुख-सुविधाएं (फ्रिज, एसी, कपड़े धोने की मशीन रसोई व ईंधन गैस, पेट्रोल, डीजल, दवाइयां, भवन, कपड़ा, भोजन आदि) जुटाने हेतु प्रकृति की अनमोल पूंजी का निवेश होता है। इस प्रक्रिया से नैसर्गिक स्रोत पानी ,हवा ऊर्जा, मिट्टी, पेड़-पौधे जीव-जन्तु प्रभावित होते हैं। मनुष्य ने इन स्रोतों को दुष्प्रभावित और प्रदूषित करके अपने लिए अनगिनत विपत्तियां आमंत्रित कर ली हैं। प्रदूषण के कारण ही आज वैश्विक ताप वृद्धि, ओजोन परत क्षय, अम्ल वर्षा, अतिवृष्टि, अनावृष्टि, बाढ़, भूकम्प, भू-स्खलन, मरुभूमि निर्माण, वन्य जीवों का विलुप्तीकरण आदि परिणाम सामने आ रहे हैं। वह चाहे वायु, जल, भूमि, ध्वनि प्रदूषण हो नाभिकीय प्रदूषण, औद्योगिक प्रदूषण या ग्रीन हाउस प्रभाव। आज जिस हवा में हम सांस ले रहे हैं, वह दिन प्रतिदिन प्रदूषित होती जा रही है। वायु में हानिकारक गैसें यथा कार्बन, मोनो आक्साइड, कार्बनडाईआक्साइड, सल्फर डाईआक्साइड, मीथेन आदि हैं। इसके प्रमुख कारक हैं ईंधनों का जलना, परिवहन माध्यमों द्वारा धुआं, औद्योगिक संस्थानों से उत्सर्जित धुआं एवं गैसें, परमाणु ऊर्जा, उपक्रम, तापीय विद्युतग्रहों द्वारा उत्सर्जित पदार्थ आदि। 21वीं सदी का संकट जल संकट है। प्राकृतिक या अन्य स्रोत से कोई वाह्य पदार्थ जो जल आपूर्ति या स्रोत को प्रदूषित करता है, जल प्रदूषण कहलाता है। इसके प्रमुख कारकों में घरेलू व्यर्थ पदार्थ, वाहित मल, औद्योगिक अपशिष्ट, कीटनाशी पदार्थ, उर्वरकों के रासायनिक तत्व, पेट्रोलियम पदार्थ सम्मिलित हैं। ध्वनि प्रदूषण आधुनिकीकरण की देन है। ध्वनि प्रदूषण वायुयानों का शोर, मोटर गाड़ियों के पौं-पौं, रेलगाड़ियों की सीटियां, कारखानों की मशीनों की आवाजें, बैण्डबाजों की ध्वनि, पटाखों का शोर आदि।

नाभिकीय प्रदूषण प्रमुखतः

वायुमण्डल में परमाणु बमों के विस्फोट व परीक्षण द्वारा, परमाणु बिजली घरों के अवशिष्ट कचरे द्वारा और परमाणु संयंत्रों में नाभिकीय रिसाव से होता है। इसके दुष्प्रभावों से जीन व गुणसूत्रों में परिवर्तन हो जाता है। गर्भाशय में शिशुओं की मृत्यु हो जाती है, ल्यूकोमिया, अस्थि कैंसर, असामयिक बुढ़ापा, स्नायुतंत्र के विकार, त्वचा का कैंसर, सिर के बालों का गिरना, अपंग एवं विकृत सन्तानों का पैदा होना आदि संकट आते हैं। पर्यावरण प्रदूषण के विभिन्न रूपों ने पर्यावरण तथा आम आदमी को बहुत क्षति पहुंचायी है। उससे परिस्थितिकीय असंतुलन का खतरा बढ़ता जा रहा है, मनुष्य के साथ-साथ वनस्पतियों, जीव-जंतुओं का जीवन संकट में है, इससे उबरने के लिए पर्यावरण संरक्षण एवं प्रबंधन ही एकमात्र मार्ग है, जिसके द्वारा पर्यावरण संकट को नियंत्रित किया जा सकता है।

पर्यावरण की रक्षा करने के लिए आप घर पर क्या कर सकते हैं

ऐसी बहुत सी चीजें हैं जिन्हें घर पर करते हुए आप पर्यावरण पर अपने प्रभाव को कम कर सकते हैं। कम बीफ और पोर्क खाएं। मछली और मुर्गी का पर्यावरण पर बहुत कम प्रभाव पड़ता है, जबकि अन्य प्रोटीन स्रोत जैसे मेवे और कार्बनिक सोय भी ग्रह के लिए कम हानिकारक हैं। उत्पाद को खरीदने से पहले उसकी पैकेजिंग के बारे में सोचें। व्यक्तिगत रूप से लपेटी गयी कैंडी अधिक कचरा उत्पन्न करती है, जबकि ताजे फल और सब्जियां अधिक स्वास्थ्यकर हैं और कम कचरा उत्पन्न करते हैं। जब आप को बिजली की जरुरत नहीं है तो बिजली के स्विच बंद कर दें। जब प्रकाश के बल्ब खराब हो जाएं तो उनकी जगह ऊर्जा प्रभावी बल्ब लगायें।

पानी को व्यर्थ न गवाएं।

पुनः चक्रीकरण करें।

अपने माता- पिता को ईंधन प्रभावी कारें चलने के लिए प्रोत्साहित करें, और अपने घर को ज्यादा गर्म न होने दें। जब आप अपने जानवर को और रखना नहीं चाहते तो भी उन्हें यूं ही न छोड़ें। एक पालतू जानवर खरीदने से पहले सुनिश्चित करें कि आप इस की देखभाल के लिए तैयार हैं। एक पालतू जानवर को रखना एक जिम्मेदारी का काम है।

वर्षावन को सुरक्षित करने में मदद करने के लिए आप क्या कर सकते हैं - वन्य जीवों की खाल से बने उत्पादों को न खरीदें। ऐसे विदेशी पालतू जानवर को न खरीदें जिसे जंगल से लाया गया है। आप पालतू पशु के स्टोर पर पूछ सकते हैं कि इसे जंगल से लाया गया है या यह कैद में रखी जाने वाली प्रजाति है। कैद में रखी जाने वाली प्रजाति पर्यावरण के लिए अधिक अनुकूल होती है।

पुनर्नवीनीकरण किया गया कागज खरीदें।

इंडोनेशिया, मलेशिया, ब्राजील, या अफ्रीका से लकड़ी के उत्पादों को नहीं खरीदें जब तक आप ये न जानते हों कि वे पर्यावरण के अनुकूल आपूर्तिकर्ताओं से आयें हैं। एक लकड़ी वातावरण के अनुकूल है या नहीं इसे जानने का एक अच्छा तरीका है इसके ऊपर का प्रमाणीकरण लेबल देखना। एक प्रमाणीकरण लेबल का एक उदाहरण है -प्रमाणित जिसका अर्थ है कि यह लकडी प्रबंधित वनों से आयी है। वर्षावनों और उनमें रहने वाले पौधों और जीव-जन्तुओं के बारे में अधिक से अधिक सीखें।

खतरे में पर्यावरण

प्रकृति के पाँच तत्व जल, अग्नि, वायु, आकाश एवं पृथ्वी पर्यावरण के अभिन्न अंग हैं जिनका आपस में गहरा सम्बंध है। इन पाँचों तत्वों में किसी एक का भी असंतुलन पर्यावरण के लिये अपूर्णनीय क्षतिकारक और विनाशकारी है । पर्यावरण दो शब्दों परि और आवरण से बना है जिसका अर्थ है चारों ओर का घेरा हमारे चारों ओर जो भी वस्तुएं, परिस्थितियां या शक्तियां विद्यमान हैं, वे मानवीय क्रियाकलापों को प्रभावित करती हैं और उसके लिये दायरा सुनिश्चित करती हैं । इसी दायरे को पर्यावरण कहते हैं ।

पर्यावरण के अंग्रेजी शब्द इनवायरन्मेंट का उद्भव फ्रांसीसी भाषा के इनविरोनिर शब्द से हुआ है, जिसका अर्थ है घेरना । इनवायरन्मेंट का समानार्थक शब्द हैबिटैट है जो लैटिन भाषा के हैबिटायर शब्द से निकला है । हबिटैट शब्द पर्यावरण के सभी घटकों को स्थानीय रूप से लागू करता है इसका प्रभाव आवास स्थल तक सीमित है । जबकि इनवायरन्मेंट शब्द हैबिटैट की तुलना में अधिक व्यापक है ।

देखा जाये तो पर्यावरण को दो प्रमुख घटकों में विभाजित किया जा सकता है । पहला जैविक अर्थात बायोटिक जिसमें समस्त प्रकार के जीवजन्तु व वनस्पतियां (एक कोशिकीय से लेकर जटिल कोशिकीय तक) दूसरे प्रकार के घटक में भौतिक अर्थात अजैविक जिसमें थलमण्डल, जलमण्डल व वायुमण्डल सम्मिलित हैं । इन सभी घटकों में सृष्टि ने मानव जीवन की सर्वश्रेष्ठ जीव के रूप में उत्पत्ति की है । अतः मानव सम्पूर्ण जीव जगत का केन्द्र बिन्दु है । पर्यावरण के सभी महत्वपूर्ण घटक मानव को परावृत्त करते हैं जो पीढ़ी दर पीढ़ी पर्यावरण के प्रभावों को परिलक्षित करती है। वस्तुतः अनुवांशिकी एवं पर्यावरण ये दो महत्वपूर्ण कारक मानव जीवन को प्रभावित करते हैं । समस्त जीवों में सर्वश्रेष्ठ जीव होने के नाते मनुष्य ने प्रकृति की प्राकृतिक सम्पदाओं का सदियों से भरपूर दोहन किया है । लेकिन वर्तमान दौर में बढ़ती जनसंख्या, पश्चिमी उपभोक्तावाद एवं वैश्विक भूमण्डलीकरण के मकड़जाल में फँस कर मनुष्य प्रकृति के नैसर्गिक सुख को खोता जा रहा है । वह नहीं जान पा रहा कि कंकरीट का शहर बसाने की चाहत के बदले में वह अपना भविष्य दाँव पर लगा बैठा है । प्रकृति के समस्त संसाधन प्रदूषण की चपेट में है । हवा, जल और मिट्टी जो हमारे जीवन के आधार हैं जिनके बिना जीवन की कल्पना ही बेमानी है , आज अपना मौलिक स्वरूप एवं गुण खोते जा रहा है । पर्यावरण की छतरी अर्थात ओजोन परत जो हमें सौर मण्डल से आने वाली घातक किरणों से बचाती है उसमें छेद होना, वातावरण में बढ़ती कार्बन डाई-आक्सॉइड की मात्रा से उत्पन्न समस्या ग्लोबल वार्मिंग, दिनो दिन घातक बीमारियों का प्रादुर्भाव व स्वास्थ्य संकट ये सब मानव के समक्ष एक विकराल दानव का रूप ले चुके हैं जो भस्मासुर की तरह समस्त मानव जाति को लीलने को आतुर हैं, जिससे सावधान होना बहुत जरूरी है ।

जैव मण्डल में मौजूद संसाधनों में जल सर्वाधिक मूल्यवान है क्योंकि यह केवल मानव ही नहीं अपितु सभी जीवों तथा वनस्पति के लिये उपयोगी है। प्रकृति में जल तीन रूपों में विद्यमान है ठोस, तरल एवं गैस । ठोस के रूप में बर्फ जल का शुध्द रूप है । इसके बाद वर्षा का जल, पर्वतीय झीलें, नदियां एवं कुएं शुध्दता क्रम में आते हैं । धरातल पर प्रवाहित तथा झीलों, तालाबों आदि के रूप में उपलब्ध स्वच्छ जल की मात्रा केवल 7 प्रतिशत है। लेकिन बढ़ती संख्या , कुकरमुत्ते से उगे बहुमंजिला इमारतों , खेती में रसायनों का उपयोग तथा रासायनिक फैक्ट्रियों से निकला पानी नदियों, तालाबों, झरनों को प्रदूषित कर रहा है, जो मानव जाति सहित जीवजन्तुओं के स्वास्थ्य के लिये हानिकारक साबित हो रहा है ।

एसी-फ्रिज की मांग बढ़ने से कंपनियों ने बढ़ाई कीमतें

मुंबई

इस महीने से लोगों को रेफ्रिजरेटर, वाशिंग मशीन, माइक्रोवेव ओवन, पंखे, किचन के सामान, वायर और पंप जैसे बिजली के सामान खरीदने के लिए 2-5 फीसदी ज्यादा कीमत चुकानी होगी। इंडस्ट्री से जुड़े लोगों के मुताबिक, सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया, हेवेल्स, बजाज इलेक्ट्रिकल्स और वी-गार्ड इंडस्ट्रीज जैसे बड़े निर्माता या तो पहले ही कीमत बढ़ा चुके हैं या फिर उन्होंने अपने डीलर्स को बताया है कि वे जल्द ही कीमतें बढ़ाने वाले हैं। ये कीमतें करीब 9 महीनों के बाद बढ़ी हैं। कॉपर और एल्युमीनियम जैसी चीजों के दामों में 20-25 फीसदी की बढ़ोतरी, पिछले दो-चार महीनों में लाल सागर क्राइसिस के कारण माल ढुलाई लागत में तेजी के अलावा रुपए के कमजोर होने से बिजली उपकरणों के भाव में बढ़ोतरी की गई है। एक रिपोर्ट के मुताबिक होम अप्लायंस बनाने वाली कंपनी सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया ने अपने व्यापारिक भागीदारों को व्हाट्सऐप मैसेज के माध्यम से बताया कि इनपुट लागत बढ़ी है। इसलिए हम जून से होम अप्लायंस सामानों में 2-5 फीसदी तक कीमतें बढ़ाएंगे। हालांकि इस बारे में सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया ने भेजे गए ई-मेल का अब तक कोई जवाब नहीं दिया है।

मॉयल का मैंगनीज अयस्क उत्पादन सात प्रतिशत बढ़ा

नई दिल्ली।

सार्वजनिक क्षेत्र मॉयल ने बताया कि अप्रैल-मई, 2024 के दौरान उसका मैंगनीज अयस्क उत्पादन सात प्रतिशत बढ़कर 3.05 लाख टन हो गया। मॉयल ने अपने बयान में कहा कि उसने एक साल पहले की समान अवधि में 2.84 लाख टन मैंगनीज अयस्क का उत्पादन किया था। कंपनी की कुल बिक्री 3.3 लाख टन की हुई, जो एक साल पहले की समान अवधि के 2.5 लाख टन से 32 प्रतिशत अधिक है। इस्पात मंत्रालय के तहत मॉयल देश में डाइऑक्साइड अयस्क की लगभग 46 प्रतिशत आवश्यकता को पूरा करती है। मौजूदा समय में मैंगनीज अयस्क का औसत वार्षिक उत्पादन लगभग 13 लाख टन है।

कंपनियां नहीं कर पाएंगी 100 फीसदी फ्रूट जूस का दावा: एफएसएसएआई

मुंबई।

फूड सेफ्टी रेगुलेटर एफएसएसएआई ने सभी कंपनियों को निर्देश दिया है कि वह डिब्बाबंद प्रोडक्ट पर 100 फीसदी फ्रूट जूस का दावा न करें। कंपनियों को अपने प्रोडक्ट की मार्केटिंग और विज्ञापन के दौरान भी ऐसे क्लेम से बचना होगा। एफएसएसएआई ने सभी फूड बिजनेस ऑपरेटर्स से इस संबंध में तत्काल कार्रवाई करने को कहा है। एफएसएसएआई ने अपने आधिकारिक बयान में कहा कि फूड कारोबार से जुड़ी सभी कंपनियों फलों के जूस के डिब्बे पर लगे लेबल और विज्ञापन में से यह दावा हटाना होगा। एफएसएसएआई को जानकारी प्राप्त हुई थी कि कई कंपनियां लगातार ऐसे भ्रामक दावे कर रही हैं। इससे कस्टमर्स के स्वास्थ्य को हानि पहुंचती है। सभी एफबीओ को निर्देश दिया गया है कि वह पहले से छाप चुकी पैकेजिंग सामग्री को 1 सितंबर, 2024 से पहले खत्म कर लें। फूड सेफ्टी एंड स्टैंडर्ड्स रेगुलेशन- 2018 के अनुसार कोई भी कंपनी 100 फीसदी फ्रूट जूस का दावा नहीं कर सकती है। इन सभी जूस में सबसे ज्यादा मात्रा में पानी होता है। इसमें थोड़ी मात्रा में फ्रूट जूस या पल्प मिला देने से यह 100 फीसदी जूस नहीं हो जाता है। एफएसएसएआई के अनुसार ऐसे गुमराह करने वाले दावों पर पूरी तरह से रोक लगनी चाहिए। सभी एफबीओ से कहा गया है कि वह फूड सेफ्टी एंड स्टैंडर्ड्स रेगुलेशन के नियमों के दायरे में काम करें, यदि उनके जूस में 15 ग्राम प्रति किलो से ज्यादा शुगर है तो उन्हें अपने प्रोडक्ट को स्वीट जूस के हिसाब से लेबल करना होगा। सभी कंपनियों को फलों के जूस के संबंध में बनाए गए नियमों का पालन करना होगा।

चुनाव परिणाम के रुझान आशानुरुप न आने से अडानी स्टॉक्स धड़ाम

अडानी एंटरप्राइजेज व एसीसी के शेयरों में 7 से 10 फीसदी गिरावट

नई दिल्ली।

लोकसभा चुनाव नतीजों के दिन अडानी समूह के सभी शेयर लाल निशान में कारोबार कर रहे हैं। सोमवार को अडानी ग्रुप के सभी स्टॉक्स में जोरदार तेजी देखने को मिली थी। लेकिन, चुनाव परिणाम के रुझान आशानुरुप न आने से आज सभी अडानी स्टॉक्स धड़ाम हो गए। शेयर बाजार में भी आज जोरदार गिरावट देखी जा रही है। सुबह 10:35 बजे निफ्टी 50 591 अंकों की गिरावट के साथ 22672.90 पर कारोबार कर रहा था। इसी तरह बीएसई सेंसेक्स 1,983.33 अंकों की गिरावट के साथ 74485.45 पर कारोबार कर रहा था। अडानी समूह की फ्लैगशिप कंपनी, अडानी एंटरप्राइजेज का शेयर मंगलवार को 7 फीसदी तक गिर गया। यह एनएसई पर 8 फीसदी की गिरावट के साथ 3337.40 रुपए पर कारोबार कर रहा था। इसी तरह अडानी ग्रीन एनर्जी 7.48 फीसदी की गिरावट के साथ 1886.35 रुपए पर कारोबार कर रहा था। अडानी पोर्ट्स करीब 10 फीसदी गिरकर 1436 पर ट्रेड कर रहा था। अडानी पावर शेयर में आज 7.29 फीसदी की गिरावट दिखी और यह शेयर एनएसई पर 810.75 रुपए पर कारोबार कर रहा था। अडानी टोटल गैस 9.13 फीसदी की गिरावट के साथ 1015.55 रुपए, अंबुजा सीमेंट्स शेयर 9.36 फीसदी की गिरावट के साथ 609.10 रुपए पर कारोबार कर रहा था। एसीसी लिमिटेड में 7.56 फीसदी तो एनडीटीवी करीब नौ फीसदी की गिरावट के साथ कारोबार कर रहा था। एग्जिट पोल में केंद्र में बीजेपी की सरकार दोबारा आने के अनुमानों ने सोमवार को अडानी के टॉक्स को पंख लगा दिए थे। समूह की शेयर बाजार में सूचीबद्ध पांच कंपनियों के शेयरों अपने 52-हफ्ते के उच्चतम स्तर पर पहुंच गए।

डेबिट-क्रेडिट कार्ड दो दिन नहीं काम करेंगे: एचडीएफसी बैंक

मुंबई। देश के सबसे बड़े बैंक एचडीएफसी बैंक ने अपने ग्राहकों को अलर्ट किया है और बताया है कि दो दिन उन्हें कार्ड का इस्तेमाल करने में दिक्कतें आ सकती हैं। एचडीएफसी बैंक ने इस बारे में सभी ग्राहकों को ईमेल और एसएमएस के जरिए अलर्ट किया है। बैंक की ओर से भेजे गए मैसेज में बताया गया है कि उसके क्रेडिट कार्ड, डेबिट कार्ड और प्रीपेड कार्ड कुछ समय के लिए इस्तेमाल नहीं किए जा सकेंगे। उसके ये कार्ड बताई गई अवधि के दौरान ट्रांजेक्शन के लिए अनुपलब्ध रहने वाले हैं। एचडीएफसी बैंक ने कार्ड के अनुपलब्ध रहने का जो समय बताया है, वह मंगलवार को रात के साढ़े 12 बजे से ढाई बजे और फिर गुरुवार को रात के साढ़े 12 बजे से ढाई बजे का है। बैंक का कहना है कि बताई गई समयावधि में उसके क्रेडिट कार्ड, डेबिट कार्ड और प्रीपेड कार्ड के सिस्टम को अपग्रेड किया जाएगा। इसी कारण ग्राहक कार्ड का इस्तेमाल कर लेन-देन नहीं कर पाएंगे। इस अपग्रेडेशन से जिन ट्रांजेक्शंस पर असर होगा, उनमें एटीएम से पैसे की निकासी, पॉइंट ऑफ सेल मशीनों पर शॉपिंग के भुगतान, ऑनलाइन कार्ड ट्रांजेक्शन और नेटसेफ ट्रांजेक्शन शामिल हैं।

चुनावी नतीजों के बाद बढ़ या घट सकती है आपकी ईएमआई

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक की मौद्रिक समीक्षा बैठक बुधवार से शुरू होगी। इस बैठक में रेपो रेट समेत कई बड़े फैसले लिए जाएंगे। आम जनता की नजर रेपो रेट में कटौती पर बनी रहती है। दरअसल, अगर रेपो रेट में कटौती होती है तो इससे लोन की ईएमआई कम हो जाती है। आरबीआई की एमपीसी बैठक को लेकर `विशेषज्ञ का कहना है कि देश में बढ़ती महंगाई के बीच आरबीआई द्वारा रेपो रेट में कटौती की संभावना नहीं है। केंद्रीय बैंक ने पिछली एमपीसी बैठक में भी रेपो रेट को स्थिर रखा था। फरवरी 2023 से केंद्रीय बैंक ने रेपो रेट में बदलाव किया था। फरवरी 2023 में रेपो रेट को 6.25 फीसदी से बढ़ाकर 6.50 फीसदी कर दिया गया था। भारतीय रिजर्व बैंक की एमपीसी बैठक तीन दिवसीय होती है। इस बैठक की अध्यक्षता आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास करते हैं। यह बैठक 5 जून 2024 से शुरू होगी और इस बैठक में लिए गए फैसलों का एलान 7 जून शुक्रवार को होगा। अगर इस बार भी रेपो रेट में कोई बदलाव नहीं होता है तो यह लगातार 8वीं बार होगा जब रेपो रेट को अपरिवर्तित रखने का फैसला लिया जाएगा।

नतीजे देखकर शेयर बाजार में हाहाकार

सेंसेक्स 4390 अंक , निफ्टी 1379 अंक नीचे आया

मुम्बई।

घरेलू शेयर बाजार सप्ताह के दूसरे ही कारोबारी दिन मंगलवार को भारी गिरावट के साथ बंद हुआ। लोक सभा चुनावों के परिणामों के बाद बाजार बिकवाली हावी होने से टूटा है, इसके अलावा विदेशी निवेशकों की निकासी से भी बाजार पर दबाव आया। बाजार में मार्च 2020 के बाद से आज सबसे बड़ी इंट्राडे गिरावट आई। आज इंट्रा-डे कारोबार के दौरान सेंसेक्स 6 हजार अंकों की गिरावट लेते हुए 70,234.43 के निचले स्तर तक भी चला गया था। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स अंत में यह 5.74 फीसदी करीब 4389.73 अंक नीचे आकर 72,079.05 पर बंद हुआ। वहीं इसी प्रकार नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 5.93 फीसदी तकरीबन 1,379.40 अंक नीचे आकर 21,884.50 के स्तर पर बंद हुआ।

आज कारोबार के दौरान सेंसेक्स में शामिल लगभग ज्यादातर कंपनियों के शेयर नुकसान के साथ ही नीचे आये। एनटीपीसी, पावर ग्रिड और एसबीआई का शेयर सबसे ज्यादा नीचे आया। वहीं गत दिवसय ये शेयर ऊपर आये थे। दूसरी ओर हिंदुस्तान यूनिलीवर का शेयर 6 फीसदी बढ़ा। इसके साथ ही नेस्ले इंडिया, टीसीएस, एशियन पेंट और सनफार्मा के शेयर भी लाभ के साथ ऊपर आये। बाजार में ये गिरावट सत्ताधारी भारतीय जनता पार्टी गठबंधन को उम्मीद से कम सीटें मिलने और बहुमत के आंकड़े से पीछे रहने के कारण आई है। बाजार जानकारों ने कहा कि परिणामों को लेकर अनिश्चितताओं के कारण घरेलू बाजारों में आज गिरावट रही। विदेशी निवेशकों को बिकवाली से भी बाजार गिरा है।

सबसे ज्यादा गिरावट अदानी एंटरप्राइजेज और अदानी पोर्ट्स के शेयर में आई जो 19 फीसदी तक गिर गए। अदाणी ग्रुप के अन्य शेयर भी 9 से 19 फीसदी की गिरावट के साथ कारोबार रहे हैं।

वहीं गत दिवस बाजार एग्जिट पोल के परिणामों के बाद भारी बढ़त पर बंद हुआ था।

इससे पहले आज सुबह

लोकसभा चुनाव की मतगणना के दौरान ही बाजार खुलते ही औंधे मुंह लुढ़क गया और

शुरुआती कारोबार बीएसई सेंसेक्स दो हजार से ज्यादा अंक फिसल गया। सेंसेक्स गिरावट के साथ 76,285.78 अंक पर खुला और खुलते ही 74,234.79 अंक के निचले स्तर तक चला गया। सेंसेक्स 2554.56 अंक की गिरावट के साथ 74,102.62 पर कारोबार देखा जा रहा है। इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी-50 में भी 553.60 अंक की गिरावट के साथ 22,710.30 प्रतिशत पर कारोबार दर्ज` किया गया। सेंसेक्स में शामिल सभी कंपनियों के शेयर लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। एनटीपीसी और एसबीआई का शेयर सबसे अधिक गिरा।

अदाणी वन और आईसीआईसीआई बैंक ने लांच किया पहला को-ब्रांडेड क्रेडिट कार्ड

अहमदाबाद।

अदाणी वन और आईसीआईसीआई बैंक ने वीजा के साथ मिलकर भारत का पहला को-ब्रांडेड क्रेडिट कार्ड लॉन्च किया है। इसमें एयरपोर्ट से जुड़े कुछ खास फायदे हैं। ये कार्ड दो प्रकार के हैं। इसमें अदाणी वन आईसीआईसीआई बैंक सिग्नेचर क्रेडिट कार्ड और अदाणी वन आईसीआईसीआई बैंक प्लेटिनम क्रेडिट कार्ड शामिल है। दोनों कार्ड आकर्षक रिवार्ड्स भी देते हैं। ये कार्ड कार्ड होल्डर्स की लाइफस्टाइल को बेहतर बनाने और उनके एयरपोर्ट और ट्रैवल के अनुभव को बेहतर बनाने के लिए डिजाइन किए गए हैं। ये कार्ड्स अदाणी ग्रुप के कंज्यूमर इकोसिस्टम पर खर्च करने पर सात प्रतिशत तक के अदाणी रिवॉर्ड पॉइंट्स देते हैं। जैसे कि अदाणी वन ऐप से फ्लाइट, होटल, ट्रेन, बस और कैब की बुकिंग करने पर, अदाणी समूह द्वारा संचालित एयरपोर्ट्स, अदाणी सीएनजी पंप, अदाणी बिजली के बिल और ऑनलाइन ट्रेन बुकिंग प्लेटफॉर्म ट्रेनमैन की सेवा लेने पर ये रिवॉर्ड्स प्रदान किए जाते हैं। इन कार्डों के जरिए फ्री एयर टिकट्स और एयरपोर्ट की सुविधाओं, जैसे कि प्रीमियम लाउंज का उपयोग, प्रणाम मीट एंड ग्रीट सेवा, पोर्टर, वाहन सेवा और प्रीमियम कार पार्किंग का लाभ मिलता है। ये कार्ड यूजर्स को ड्यूटी फ्री दुकानों पर खरीदारी और एयरपोर्ट पर खाने-पीने पर छूट भी देते हैं। साथ ही निःशुल्क मूवी टिकट और किराना सामान, यूटिलिटीज और अंतरराष्ट्रीय खर्च पर अदाणी रिवॉर्ड पॉइंट्स जैसे लाभ भी मिलते हैं। यह साझेदारी, अदाणी समूह का फाइनेंसियल सर्विसेज में पहला कदम है। अदाणी वन आईसीआईसीआई बैंक और वीजा के साथ मिलकर एक नया मानक स्थापित करने का इरादा रखता है। इस मौके पर अदाणी ग्रुप के डायरेक्टर, जीत अदाणी ने कहा `कि आईसीआईसीआई बैंक और वीजा के साथ ये अनूठी साझेदारी कस्टमर एक्सपीरियंस में एक नया मानक स्थापित करेगी और इनोवेशन के साथ एक्सीलेंस की हमारी प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करेगी। अदाणी वन आईसीआईसीआई बैंक क्रेडिट कार्ड एक आसान डिजिटल इकोसिस्टम का रास्ता है। अदाणी वन प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल कर यूजर्स को अद्वितीय सुविधा का अनुभव मिलेगा।

आईएटीए जीएसटी शुल्क पर विदेशी एयरलाइनों के खिलाफ जांच पर चिंतित

दुबई। वैश्विक एयरलाइन समूह आईएटीए ने एक भारतीय एजेंसी द्वारा कुछ विदेशी एयरलाइनों पर माल एवं सेवा कर (जीएसटी) से संबंधित कुछ शुल्कों की जांच को लेकर मंगलवार को चिंता जाहिर की। जीएसटी खुफिया महानिदेशालय (डीजीजीआई) ने भारत में परिचालन करने वाली कुछ विदेशी एयरलाइन के खिलाफ जांच शुरू कर है। आईएटीए के भारत के कंट्री डायरेक्टर अमिताभ खोसला ने यहां कहा कि फिलहाल 10 विदेशी एयरलाइन के खिलाफ जांच की जा रही है और यह कदम अभूतपूर्व है। उन्होंने बताया कि अंतरराष्ट्रीय हवाई परिवहन संघ (आईएटीए) ने इस मुद्दे पर भारत सरकार को एक विस्तृत प्रतिवेदन दिया है। एयरलाइनों को अक्टूबर 2023 से नोटिस मिले हैं। उत्तर एशिया एवं एशिया प्रशांत क्षेत्र (अंतरिम) के क्षेत्रीय उपाध्यक्ष शी शिंगक्वान ने भी आईएटीए की वार्षिक आम बैठक के दौरान आयोजित ब्रीफिंग में जीएसटी मुद्दे का उल्लेख किया। बयान में कहा गया` कि भारत में एयरलाइन के शाखा कार्यालय विमान पट्टे, चालक दल और पायलट, ईंधन तथा रखरखाव लागत के लिए अनुबंध जैसे महत्वपूर्ण कार्यों में कोई भूमिका नहीं निभाते हैं। भारत से आने-जाने वाले सभी परिचालनों का निर्णय, नियंत्रण और संचालन एयरलाइनों के मुख्य कार्यालयों द्वारा लिया जाता है। भारत में शाखा कार्यालयों को किसी भी रणनीतिक या परिचालन जोखिम तथा कार्यों के लिए जिम्मेदार ठहराना कानूनी रूप से सही नहीं है।

भारत में फिर होगी आईएटीए की सालाना बैठक

- भारत में 42 साल बाद हो रहा है आईएटीए बैठक का आयोजन

नई दिल्ली।

भारत अगले साल इंटरनेशनल एयर ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन (आईएटीए) की सालाना आम बैठक की मेजबानी करेगा। यह विमानन क्षेत्र में दुनिया का एक प्रमुख कार्यक्रम है और भारत में इसका आयोजन 42 साल बाद हो रहा है। दुनिया की लगभग सभी विमानन कंपनियों, विमान विनिर्माताओं और इस उद्योग से जुड़ी दूसरी संस्थाओं के प्रमुख और शीर्ष अधिकारी वैश्विक विमानन क्षेत्र पर चर्चा करने के लिए आईएटीए की सालाना आम बैठक में जुटते हैं। यह विमानन उद्योग के सबसे महत्वपूर्ण कार्यक्रमों में गिना जाता है। आईएटीए ने कहा कि बाजार हिस्सेदारी के लिहाज से भारत की सबसे बड़ी विमानन कंपनी इंडिगो 8 से 10 जून, 2025 तक दिल्ली में आयोजित होने वाली इस बैठक और वर्ल्ड एयर ट्रांसपोर्ट समिट की मेजबान होगी। वैश्विक हवाई यातायात में 80 फीसदी से अधिक हिस्सेदारी वाली करीब 330 विमानन कंपनियां आईएटीए की सदस्य हैं। आईएटीए के महानिदेशक विली वाल्श ने कहा कि हम 2025 में आईएटीए की 81वीं वार्षिक आम बैठक के लिए समूचे उद्योग को दिल्ली में जुटाने के लिए तैयार हैं। दिल्ली में आईएटीए की वार्षिक आम बैठक हुए चार दशक से ज्यादा बीत चुके हैं।

उन्होंने कहा कि विमानों के रिकॉर्ड ऑर्डर, प्रभावशाली वृद्धि और विश्वस्तरीय बुनियादी ढांचे के साथ भारत इस दशक में दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा विमानन बाजार बनने जा रहा है। ऐसी उज्ज्वल संभावनाओं के बीच आईएटीए की वार्षिक आम बैठक के लिए भारत आने और यहां के विकास को देखने के लिए यह बिल्कुल सही समय है। वहीं इंडिगो के सीईओ पीटर एल्बर्स ने कहा कि हमें आईएटीए की 81वीं वार्षिक आम बैठक का मेजबान बनने पर गर्व है। हम 2025 में दिल्ली में वैश्विक विमानन बिरादरी का स्वागत करने के लिए उत्सुक हैं। उन्होंने कहा कि भारत अगले कुछ वर्षों में तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने जा रहा है। आर्टिफिशल इंटेलिजेंस (एआई) का उपयोग करते हुए यह देश चौथी औद्योगिक क्रांति का नेतृत्व कर रहा है। पिछले कुछ साल में वैश्विक विमानन क्षेत्र में भारत का उदय उल्लेखनीय रहा है। आईएटीए की 81वीं वार्षिक आम बैठक भारत में कराने का फैसला दुबई में चल रही 80वीं बैठक में लिया गया। दिल्ली में यह बैठक तीसरी बार आयोजित की जाएगी। इससे पहले 1958 और 1983 में यह कार्यक्रम भारत में हुआ था।

नया फोन ओप्पो एफ27 जल्द होगा भारत में लॉन्च

नई दिल्ली।

भारत में चाइनीज कंपनी ओप्पो अपना नया फोन ओप्पो एफ27 जल्द लॉन्च करने की तैयारी कर रही है। ये फोन पहला ऐसा फोन होगा जो कि आईपी69 रेटिंग के साथ आएगा। एक नए लीक से मालूम हुआ है कि फोन 13 जून को लॉन्च किया जा सकता है। टिप्सटर मुकुल शर्मा ने एक्स पर लॉन्च पोस्टर का हवाला देते हुए एक लीक के मुताबिक ओप्पो 13 जून को वेनिला वेरिएंट और एक दूसरे डिवाइस के साथ ओप्पो एफ27 प्रो+ लॉन्च करने के लिए भी तैयार हो सकता है। टिप्सटर का कहना है कि कंपनी आने वाले फोन के लिए आईपी66, आईपी68 या तो आईपी69 रेटिंग दे सकता है लेकिन फिलहाल ये क्लियर नहीं है कि किस फोन को क्या रेटिंग मिलेगी। शेयर की गई फोटो से ये भी पता चलता है कि ओप्पो एफ27 सीरीज डुअल टोन वेगन लेदर बैक के साथ-साथ पीछे की तरफ एक सर्कुलर कैमरा मॉड्यूल हो सकता है, जिसे इस साल कई डिवाइसेस पर भी देखा गया है। हालांकि, ओप्पो कैमरा मॉड्यूल के चारों ओर एक मेटल रिंग ऐड कर सकता है। एक रिपोर्ट के मुताबिक ओप्पो एफ27 प्रो में 6.7 इंच का ओलेड पैनल

होने की उम्मीद की जा रही है, और ये 67वॉट फास्ट चार्जिंग के साथ 5,000एमएएच बैटरी से लैस हो सकता है। इस स्मार्टफोन में 8जीबी रैम और 256जीबी के स्टोरेज के साथ मीडियाटेक डाइमेंशन 7050 चिपसेट होने की बात कही गई है। आने वाले ओप्पो के नए फोन के रियर पर ट्रिपल कैमरा सेटअप दिया जा सकता है, जिसमें 64 मेगापिक्सल का प्राइमरी सेंसर, 8 मेगापिक्सल का अल्ट्रा-वाइड एंगल लेंस और 2 मेगापिक्सल का मैक्रो शूटर शामिल है। इसके अलावा, सेल्फी और वीडियो कॉलिंग के लिए फोन में 32 मेगापिक्सल का कैमरा होने की बात सामने आई है। उम्मीद है कि नई ओप्पो एफ27 सीरीज एफ25 प्रो की जगह लेगी जिसने इस साल की शुरुआत में भारत में एंट्री की थी।

रियलमी जीटी 6 फोन को 20 जून को हो सकता है लॉन्च

-ये हो सकता है पहला एआई फीचर वाला फोन

नईदिल्ली।

रियलमी जीटी 6 फोन को 20 जून को लॉन्च किया जाएगा। नया फोन रियलमी जीटी नीयो 6 का रिब्रांडेड वर्जन होगा। कंपनी के वाइस प्रेसिडेंट चेज एक्सयू ने रियलटॉक एपिसोड 2 के टीज़र वीडियो में फोन की लॉन्च डेट का खुलासा किया है।

शेयर किए गए वीडियो क्लिप में देखा गया है कि टॉप एक्जीक्यूटिव 'रियलमी टेक न्यूज' पेपर पढ़ रहे हैं और इसमें रियलमी जीटी 6 का रेंडर लॉन्च डेट '20 जून' दिखाई दे रहा है। खास बात ये है कि रियलमी के ऑफिशियल्स ने कंफर्म किया है कि फ्लैगशिप बहुत जल्द लॉन्च होगा। रियलमी जीटी 6उसी दिन भारत में डेब्यू करेगा, जिस दिन ग्लोबल लॉन्च होगा। ऐसा कहा जा रहा है कि रियलमी जीटी 6कंपनी का पहला एआई फीचर वाला फोन होगा। हाल में फोन का रिटेल बॉक्स लीक हुआ था, जिससे पता चला कि फोन में एआई स्मार्ट लूप, एआई नाइट विजन, एआई स्मार्ट रिमूवल और एआई स्मार्ट सर्च जैसे फीचर हो सकते हैं। अगर फोन में इतने सारे एआई फीचर्स दिए जाते हैं तो इस फोन का सीधा मुकाबला गैलेक्सी एस 24 सीरीज के साथ होगा।

उम्मीद है कि ये फोन क्वालकॉम स्नैपड्रैगन 8एस जेन 3 चिपसेट से लैस होगा, जिसे ग्राफिक्स के लिए एड्रेनो जीपीयू के साथ जोड़ा जाएगा। इसके साथ ही बता दें कि रियलमी जीटी 5 स्नैपड्रैगन 8 जेन 2 प्रोसेसर के साथ आया था। कैमरे के तौर पर रियलमी जीटी 6 ओआईएस के साथ 50 मेगापिक्सल सोनी आईएमएक्स 882 प्राइमरी सेंसर और 8 मेगापिक्सल सोनी आईएमएक्स355 अल्ट्रा-वाइड कैमरे के साथ आ सकता है। इसका रियर कैमरा सेटअप रियलमी जीटी 5 की तरह ही लगता है। सेल्फी के लिए रियलमी जीटी 6 में 32 मेगापिक्सल का फ्रंट कैमरा होने की उम्मीद की जा रही है, जो कि रियलमी जीटी 5 के 16 मेगापिक्सल शूटर से अपग्रेडेड है। पावर के लिए रियलमी जीटी 6 में 120 वॉट सुपर वॉक फास्ट चार्जिंग के साथ 5,500 एमएएच की बैटरी होने की उम्मीद की जा रही है।

पेट्रोल और डीजल के भाव में गिरावट

नई दिल्ली।

नई सरकार की घोषणा होने से पहले पेट्रोल-डीजल के दाम जारी कर दिए गए हैं। मंगलवार को भी दिल्ली, मुंबई, कोलकाता और चेन्नई जैसे महानगरों में पेट्रोल-डीजल की कीमतें समान हैं। अन्य शहरोंमें पेट्रोल और डीजल की कीमतों में हल्की` गिरावट बताई जा रही है। देश में रोजाना सुबह 6 बजे पेट्रोल-डीजल के नए भाव जारी किए जाते हैं। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर क्रूड ऑयल की कीमतों के आधार पर देश में हर रोज पेट्रोल-डीजल के भाव तय किए जाते हैं। राजधानी दिल्ली में पेट्रोल के दाम 94.72 रुपये, तो वहीं डीजल के दम 87.62 रुपये प्रति लीटर हैं। मुंबई में पेट्रोल की कीमत 104.21 रुपये और डीजल की कीमत 92.15 रुपये प्रति लीटर है। कोलकाता में पेट्रोल की कीमत 103.94 रुपये और डीजल की कीमत 90.76 रुपये प्रति लीटर है। चेन्नई में पेट्रोल की कीमत 100.75 रुपये, तो वहीं डीजल की कीमत 92.34 रुपये प्रति लीटर है। वहीं नोएडा में पेट्रोल 94.66 रुपये प्रति लीटर और डीजल 87.76 रुपये प्रति लीटर, गुरुग्राम में पेट्रोल 95.05 रुपये प्रति लीटर और डीजल 87.91 रुपये प्रति लीटर, चंडीगढ़ में पेट्रोल 94.24 रुपये प्रति लीटर और डीजल 82.40 रुपये प्रति लीटर, हैदराबाद में पेट्रोल 107.41 रुपये प्रति लीटर और डीजल 95.65 रुपये प्रति लीटर, जयपुर में पेट्रोल 104.88 रुपये प्रति लीटर और

डीजल 90.36 रुपये प्रति लीटर, पटना में पेट्रोल 105.42 रुपये प्रति लीटर और डीजल 92.27 रुपये प्रति लीटर, लखनऊ में पेट्रोल 94.52 रुपये प्रति लीटर और डीजल 87.61 रुपये प्रति लीटर है।

टी20 विश्वकप में आयरलैंड के खिलाफ जीत के इरादे से उतरेगी भारतीय टीम

न्यूयार्क (एजेंसी)। रोहित शर्मा की कप्तानी में भारतीय क्रिकेट टीम बुधवार को आयरलैंड के खिलाफ टी20 विश्वकप के अपने पहले ही मैच में बड़ी जीत के इरादे से उतरेगी। भारतीय टीम इस मैच में जीत की प्रबल दावेदार है। भारतीय टीम का लक्ष्य इस मैच में बड़ी जीत हासिल कर अपना मनोबल बढ़ाना रहेगा। इस मैच के लिए विराट कोहली भी भारतीय टीम से जुड़ गये हैं। भारतीय टीम ने अपने एकमात्र अभ्यास मैच में बांग्लादेश को हराकर था। उस मैच में जहां रोहित शर्मा और संजू सैमसन ने पारी की शुरुआत की पर ये जोड़ी सफल नहीं रही और सैमसन शुरुआत में ही आउट हो गये। वहीं तीसरे नंबर पर ऋषभ पंत उतरे थे। ऋषभ ने शानदार अर्धशतक लगाया था जिससे अब माना जा रहा है कि सैमसन को इस मैच में शायद ही अवसर मिले।

इस मैच में रोहित साथ विराट कोहली ओपनिंग कर सकते हैं। ऐसे में यशस्वी जायसवाल को शायद ही इस मैच में जगह मिले क्योंकि तीसरे नंबर पर ऋषभ को उतारा जा सकता है। बांग्लादेश अभ्यास मैच में ऋषभ ने तीसरे नंबर पर अच्छी बल्लेबाजी की थी।

वहीं चौथे नंबर पर सूर्यकुमार यादव का आना करीब तय है। वहीं नंबर 5 पर उपकप्तान हार्दिक पंड्या उतर सकते हैं। अभ्यास मैच में उन्होंने अच्छी बल्लेबाजी की थी। ये भी हो सकता है कि हार्दिक पंड्या और शिवम दुबे दोनों को एक साथ ही अंतिम ग्यारह में अवसर दिया जाये। इसका कारण है कि ये दोनों ही ऑलराउंडर भी हैं। इसके बाद रविंद्र जडेजा और अक्षर पटेल को अवसर दिया जा सकता है। ये दोनों गेंदबाजी के साथ-साथ बल्लेबाजी भी करते हैं। इसके बाद कुलदीप यादव, जसप्रीत बुमराह के अलावा अर्शदीप सिंह और मोहम्मद सिरजा में से एक को मौका दिया जा सकता है।

वहीं दूसरी ओर पॉल स्टर्लिंग की कप्तानी में उतर रही आयरलैंड टीम भारत के सामने कहीं नहीं ठहरती इसके बाद भी आयरलैंड की टीम से भारत को सतर्क रहना होगा क्योंकि जिसने 2007 के वनडे विश्व कप में पाकिस्तान को बाहर किया था। दोनो के बीच टी20 विश्व कप

में अब तक एक बार मुकाबला हुआ है। ये मैच टी20 विश्व कप 2009 में हुआ था जिसमें भारतीय टीम जीती थी। आयरलैंड की बल्लेबाजी और गेंदबाजी भारतीय टीम के मुकाबले काफी कमजोर है।

भारत और आयरलैंड की टीमें टी20 इंटरनेशनल मैचों में 7 बार टकराई हैं। भारतीय टीम को इस दौरान सभी मैचों में जीत मिली है। दोनों टीमें पिछले साल (2023) में भिड़ी थीं, जहां भारत ने आयरलैंड को 2-0 से पराजित किया था। दोनों टीमें टी20 वर्ल्ड कप 15 साल पहले भिड़ी थीं। 2009 में टी20 वर्ल्ड में भारत ने आयरलैंड को पराजित किया था।भारत और आयरलैंड के लिए अच्छी खबर है कि उनका कोई भी खिलाड़ी इस समय चोटिल नहीं है।

टीम

भारत: रोहित शर्मा (कप्तान), हार्दिक पांड्या, यशस्वी जायसवाल, विराट कोहली, सूर्यकुमार यादव, ऋषभ पंत, संजू सैमसन, शिवम दुबे, रवींद्र जडेजा, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, युजवेंद्र चहल, अर्शदीप सिंह, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज।

आयरलैंड : पॉल स्टर्लिंग (कप्तान), मार्क अडायर, रॉस अडायर, एंड्रयू बालबर्नी, कर्टिस कैंपर, गैरेथ डेलानी, जॉर्ज डॉकरेल, ग्राहम ह्यूम, जोश लिटिल, बैरी मैक्कार्थी, नील रॉक, हैरी टेक्टर, लोर्कन टकर, बेन व्हाइट, क्रेग यंग।

फ्रेंच ओपन : नोवाक जोकोविच ने बनाया रिकॉर्ड, 370वां ग्रैंडस्लैम मैच जीता

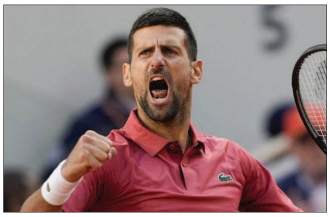

पेरिस (एजेंसी)। दाहिने घुटने के दर्द से जूझने के बावजूद नोवाक जोकोविच ने अपने से युवा प्रतिद्वंद्वी को साढे चार घंटे तक चले मुकाबले में पांच सेटों में हराकर फ्रेंच ओपन के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया।

दूसरे सेट की शुरूआत में जोकोविच पीठ के बल लेट गए थे और लग रहा था कि उन्हें मुकाबला छोड़ना होगा लेकिन उन्होंने वापसी करते हुए 23वीं रैंकिंग वाले फ्रांसिस्को सेरूंडोलो को 6-1, 5-7, 3-6, 7-5, 6-3 से हराया। अब उनका सामना सातवीं वरीयता प्राप्त कैस्पर रूड से होगा। रूड ने 12वीं रैंकिंग वाले टेलर फ्रिट्ज को 7-6, 3-6, 6-4, 6-2 से हराया।

पिछले साल फ्रेंच ओपन फाइनल में जोकोविच ने रूड को हराया था। अन्य क्वार्टर फाइनल में एलेक्स डि मिनौर का सामना अलेक्जेंडर ज्वेरेव से होगा। डि मिनौर ने 2021 अमेरिकी ओपन चैम्पियन दानिल मेदवेदेव को हराया था। वहीं ज्वेरेव ने होल्गर रूने को 4-6, 6-1, 5-7, 7-6, 6-2 से मात दी।

सैमसन से अच्छे विकेटकपर हैं ऋषभ : गावस्कर

न्यूयार्क (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने ऋषभ पंत की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा है कि वह संजू सैमसन से कहीं बेहतर विकेटकीपर है। टी20 विश्वकप की कमेंट्री टीम में शामिल गावस्कर का मानना है कि ऋषभ को आयरलैंड के खिलाफ होने वाले शुरुआती मैच के लिए अंतिम ग्यारह खिलाड़ियों में शामिल किया जाएगा। ऋषभ और सैमसन दोनों को ही विकेटकीपर के तौर पर टीम में जगह मिली है पर ऋषभ ने जिस प्रकार बांग्लादेश के खिलाफ अभ्यास मैच में शानदार प्रदर्शन किया था। उससे उनकी दावेदारी मजबूत नजर आ रही है। ऋषभ ने इस अभ्यास मैच में अर्धशतक लगाया था। बाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए 32 गेंदों पर 53 रन बनाए जिसमें चार चौके और इतने ही छक्के शामिल थे। वहीं सैमसन विफल रहे और पारी पारी की शुरुआत करते हुए केवल 6 रन बना पाये। गावस्कर ने कहा कि भारत ऋषभ के साथ जा सकता है क्योंकि वह सैमसन से कहीं बेहतर विकेटकीपर हैं।

गावस्कर ने कहा, हां, मुझे लगता है कि अगर आप विकेटकीपिंग की क्षमताओं की तुलना करें तो ऋषभ सैमसन से बेहतर विकेटकीपर हैं। हम यहां बल्लेबाजी की बात नहीं कर रहे हैं, बल्लेबाजी का पहलू भी महत्वपूर्ण है जिसमें ऋषभ ने आईपीएल से अब तक प्रभावित किया है। वहीं सैमसन ने आईपीएल सत्र की अच्छी शुरुआत करते हुए काफी रन बनाये। गावस्कर ने आगे कहा कि अभ्यास मैच में सैमसन की अच्छी पारी से उन्हें शुरुआती मैच में जगह मिल जाती पर वह रन बनाने में विफल रहे। उन्होंने कहा, अगर उन्होंने 50 से 60 रन बनाए होते तो कोई सवाल ही नहीं उठता, लेकिन मुझे लगता है कि चयन समिति ऋषभ पंत को स्थायी विकेटकीपर बनाने पर विचार करेगी।

टी20 विश्व कप के बाद मैं कोच नहीं रहूंगा : द्रविड़

न्यूयॉर्क (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच राहुल द्रविड़ ने कहा है कि टी20 विश्व कप के बाद वह कोच नहीं रहेंगे। द्रविड़ ने पहले ही साफ कर दिया था कि वह दोबारा कोच पद के लिए आवेदन नहीं करेंगे। इसी कारण बोर्ड ने पिछले माह ही नये कोच के लिए विज्ञापन दिया था। आयरलैंड के खिलाफ विश्व कप में भारत के पहले मैच से पूर्व द्रविड़ ने कहा कि उन्होंने अपने कार्यकाल के हर क्षण का आनंद उठाया है पर अब वह आगे पद पर नहीं रहना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि हर टूर्नामेंट अहम है। भारत के कोच के तौर पर हर मैच मेरे लिये महत्वपूर्ण रहा है। मेरे लिए इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि यह कोच के तौर पर मेरा आखिरी टूर्नामेंट है। द्रविड़ नवंबर 2021 में टी20 विश्व कप के बाद भारत के मुख्य कोच बने थे। उन्होंने कहा कि मुझे अपना काम बहुत पसंद है। मैंने भारतीय टीम की कोचिंग का पूरा आनंद लिया और यह खास काम भी है। मुझे टीम के साथ काम करने में मजा आया पर क्रिकेट के इस तरह के शेड्यूल और जीवन के जिस चरण पर मैं

अभी हूं, मुझे नहीं लगता कि मैं फिर आवेदन कर सकूंगा। उन्होंने कहा कि इसलिए यह मेरा आखिरी टूर्नामेंट है लेकिन मुझे इससे फर्क नहीं पड़ता। पहले दिन से मेरे लिए हर मैच महत्वपूर्ण है और मायने रखता है। इसमें कोई बदलाव नहीं होगा। वहीं टीम इंडिया के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली ने कहा कि मैं भारतीय टीम का कोच बनना पसंद करूंगा। अगर गंभीर ऐसा करना चाहते हैं तो मुझे लगता है कि वह बहुत अच्छे उम्मीदवार होंगे।

महिला टी20 विश्वकप में भारत, श्रीलंकाई और ऑस्ट्रेलिया को एक ही ग्रुप मिला

नई दिल्ली ।बांग्लादेश की मेजबानी में 3 अक्टूबर से शुरु होने वाले महिला टी20 विश्व कप क्रिकेट 2024 के लिए श्रीलंकाई टीम भी भारत के साथ ग्रुप ए में शामिल हुई है। श्रीलंकाई टीम ने लगातार 6 मैच जीतकर प्रवेश हासिल किया है। इस टूर्नामेंट में 8 टीमों को सीधे ही प्रवेश मिला है जबकि 2 टीमें क्वालीफायर राउंड जीतकर यहां तक पहुंची हैं। टी20 विश्व कप 2024 के क्वालीफायर राउंड में श्रीलंकाई टीम ने स्कॉटलैंड को हराया। ग्रुप एक में भारत के साथ ही ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड और पाकिस्तान की टीमें भी शामिल हैं। वहीं ग्रुप बी में स्कॉटलैंड मेजबान बांग्लादेश, इंग्लैंड, दक्षिण अफ्रीका और वेस्टइंडीज की टीम रहेंगी। भारतीय टीम टी20 विश्वकप में अपना पहला मैच 4 अक्टूबर को न्यूजीलैंड के खिलाफ खेलेगी। इसके बाद भारतीय टीम का मुकाबला 6 अक्टूबर को पाकिस्तान से होगा। वहीं 9 अक्टूबर को वह श्रीलंका और 13 अक्टूबर को ऑस्ट्रेलिया से खेलेगी। इस बार विश्व कप में कुल 10 टीमों के बीच 19 दिन में फाइनल सहित कुल 23 मैच खेले जाएंगे। हर एक ग्रुप की टॉप-2 टीमें सेमीफाइल में पहुंचेंगी। इसके बाद चारों टीमों के बीच प्लेऑफ के मुकाबले होंगे। सेमीफाइनल मैच 17 और 18 अक्टूबर को खेले जाएंगे जबकि फाइनल मैच 20 अक्टूबर को ढाका में खेला जाएगा।

न्यूयॉर्क की पिच टी20 क्रिकेट के योग्य नहीं : इरफान पठान

-रविवार को यहीं होना है भारत-पाकिस्तान का मुकाबला

न्यूयॉर्क ।पूर्व भारतीय क्रिकेटर इरफान पठान ने न्यूयॉर्क के नासाउ काउंटी इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम की पिच पर सवाल उठाये हैं। पठान के अनुसार इस मैच में जिस प्रकार से कम स्कोर बना है। उससे पता चलता है कि यहां बल्लेबाजी कठिन है और ये आईसीसी मानको के अनुसार खेलने के अनुकूल नहीं है। इस मैदान पर श्रीलंकाई टीम 19.1 ओवर में 77 रन ही बना पायी। इस मैदान पर श्रीलंकाई बल्लेबाज समझ नहीं पाये कि प्रोटियाज गेंदबाजी आक्रमण का सामना कैसे करना है। यहां श्रीलंकाई टीम सबसे कम स्कोर बना पायी। उसके बल्लेबाज कुसल मेंडिस, कामिंडू मेंडिस और एंजेलो मैथ्यूज दो अंक तक ही पहुंच पाये। केवल कुशल ही सबसे अधिक 19 रन बना पाये। इस मैच में दक्षिण अफ्रीकी गेंदबाज एनरिक नॉर्टजे हावी रहे। यहां पहली पारी के बाद इरफान ने कहा कि न्यूयॉर्क की पिच किसी भी तरह से टी20 क्रिकेट के योग्य नहीं है। इरफान ने कहा, टी20 क्रिकेट के लिए ये आदर्श पिच नहीं है। साथ ही कहा कि न्यूयॉर्क में इसी मैदान पर रविवार को भारत और पाकिस्तान का मुकाबला होना है। ऐसे में इस मैदान को लेकर एक बार फिर विचार किया जाना चाहिये। यहां पहले बल्लेबाजी करते हुए श्रीलंकाई टीम रन नहीं बना पायी। पावरप्ले में टीम ने केवल 24 रन ही बनाए। पावरप्ले के बाद भी वे कभी भी गति नहीं दिखा पाए। नॉर्टजे ने सात रन देकर सबसे अधिक चार विकेट लिए।

रमन ने टी20 विश्व कप के लिए चार स्पिनरों को रखे जाने को सही बताया

चेन्नई (एजेंसी)। पूर्व क्रिकेटर डब्ल्यूवी रमन ने टी20 विश्व कप के लिए भारतीय टीम में चार स्पिनरों को रखे जाने के फैसले को सही बताया है। रमन ने कहा कि वेस्टइंडीज की पिचों को देखते हुए वहां स्पिनर प्रभावी रहेंगे। भारतीय टीम मे विश्वकप के लिए रविन्द्र जडेजा, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव और युजवेंद्र चहल जैसे खिलाड़ी शामिल हैं। भारत की ओर से 11 टेस्ट और 27 एकदिवसीय खेलने वाले रमन ने कहा, 'यह मत भूलिए कि काफी सोच-विचार करके ऐसा किया गया होगा। इन खिलाड़ियों को शामिल करने के पीछे पर्याप्त तर्क और विचार रहे होंगे। इन दिनों वेस्टइंडीज की पिचों को स्पिनरों के लिए अधिक अनुकूल पाया गया है। इसके अलावा स्पिनरों ने भारत में अच्छी ठोस-सपाट पिचों पर अच्छा प्रदर्शन किया है, इसने चयनकर्ताओं को लग रहा है कि तेज गेंदबाजों की जगह स्पिनरों के साथ उतरना बेहतर रहेगा।

रमन ने कहा कि इस भारतीय टीम में कुछ शानदार प्रतिभाओं हैं जिससे टीम के पास खिताब जीतने का अच्छा अवसर है। उन्होंने कहा, 'इसकी बहुत अच्छी संभावना है। हमारे पास कई शानदार क्रिकेटर हैं जो अपने दिन पर मैच विजेता बना सकते हैं।

आईपीएल और विश्वकप के बीच कम अंतर को लेकर रमन ने कहा कि इससे खिलाड़ियों को कोई परेशानी नहीं होगी। उन्होंने कहा, 'कभी-कभी हम कहते हैं कि 'यह पर्याप्त समय नहीं है, वहीं कभी-कभी हम कहते हैं कि 'यह बहुत लंबा ब्रेक है और वे लय में नहीं हैं। इसलिए ऐसा कोई रास्ता नहीं है जिससे सभी पसंद करें। उन्होंने कहा, 'आज के क्रिकेटर काफी फिट हैं और बिना रुके खेलने के आदी हैं। इसलिए वे हालातों का सामना कर लेंगे। रमन ने क्रिकेट को दुनिया भर में ले जाने के विचार का समर्थन किया। उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि यह ऐसी चीज है जिस पर आईसीसी विचार करेगा।। उन्होंने नये कोच के तौर पर गौतम गंभीर के नाम का समर्थन किया। उन्होंने कहा, 'वह निश्चित रूप से ऐसा व्यक्ति होगा जो जानता है कि क्या करना है। वह क्या करेगा और क्या नहीं, यह मैं भविष्यवाणी नहीं कर सकता। रमन ने कहा, 'लेकिन जहां तक उसकी क्षमता का सवाल है, वह अच्छा है। वह आईपीएल में एक अच्छा कप्तान भी रहा है और वह एक अच्छा रणनीतिकार भी है।

नॉर्वे शतरंज : प्रज्ञानानंदा ने विश्व चैम्पियन डिंग लिरेन को हराया

स्टावेंजर ।भारतीय ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञानानंदा ने विश्व चैम्पियन डिंग लिरेन के खिलाफ आर्मोगेडोन पर मिली हार का बदला चुकता करते हुए नॉर्वे शतरंज टूर्नामेंट के सातवें दौर में जीत दर्ज की। हालांकि इससे पहले चीनी खिलाड़ी ने मजबूत स्थिति में पहुंचकर खुद गलतियां की थी जो उन पर भारी पड़ी। पहला मुकाबला ड्रॉ रहा और प्रज्ञानानंदा ने आर्मागेडोन में बाजी मारी। नॉर्वे के मैग्नस कार्लसन ने अमेरिका के हिकारू नकामूरा के खिलाफ धीमी शुरूआत की और आर्मागेडोन में हार गए। वहीं फ्रांस के फिरोजा अलीरजा ने अमेरिका के फेबियानो कारूआना को हराया। अभी टूर्नामेंट के तीन दौर बाकी हैं और कार्लसन 13 अंक लेकर शीर्ष पर हैं। नकामूरा उनसे आधा अंक पीछे हैं। प्रज्ञानानंदा 11 अंक लेकर तीसरे स्थान पर हैं जबकि अलीरजा उनसे डेढ अंक पीछे हैं। कारूआना पांचवें स्थान पर हैं और लिरेन सबसे नीचे हैं। महिला वर्ग में यूक्रेन की अन्ना मुजिचुक ने चीन की विश्व चैम्पियन वेंजुन जू को हराकर एकल बढत हासिल की। जू उनसे आधा अंक ही पीछे है। कोनेरू हम्पी ने हमवतन आर वैशाली को हराया जो तीसरे स्थान पर हैं। चीन की तिंगजि लेइ ने स्वीडन की पिया क्रामलिंग को हराया।

बजरंग पुनिया को मिली राहत, नाडा द्वारा लगाए गए बैन को एडीडीपी ने हटाया

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रीय डोपिंग रोधी एजेंसी के अनुशासन पैनल ने सोमवार को बजरंग पुनिया पर लगाए गए अस्थाई निलंबन को रद्द कर दिया। अनुशासन पैनल ने बजरंग को नाडा द्वारा आरोप का नोटिस नहीं दिए जाने तक उन पर लगा अस्थाई निलंबन हटाया है। बजरंग ने इसी साल मार्च में सिलेक्शन ट्रायल के बाद डोप टेस्ट के लिए अपना सैंपल देने से इनकार कर दिया था। इसके बाद नाडा ने 23 अप्रैल को टोक्यो ओलंपिक के कांस्य पदक विजेता बजरंग को निलंबित कर दिया था और बाद में वर्ल्ड शासी निकाय ने यही कार्रवाई की थी।

बिश्केक में एशियाई ओलंपिक क्वालिफायर के लिए पुरुषों की राष्ट्रीय टीम चुनने के लिए ट्रायल 10 मार्च को सोनीपत में आयोजित किया गया था और बजरंग एक मुकाबला हारने के बाद अपना यूरीन सैंपल दिए बिना ही उस स्थान से चले गए थे। उन्होंने तीसरे-चौथे स्थान के मुकाबले में हिस्सा ही नहीं लिया था।

बजरंग ने अपने वकीलों के जरिए निलंबन को चुनौती दी थी और एडीडीपी को अपने जवाब में दोहराया था कि उन्होंने कभी भी सैंपल देने से इनकार नहीं किया था। बल्कि सिर्फ ये जानने की मांग की थी कि नाडा ने दिसंबर 2023 में उनका सैंपल लेने के लिए एक्सपायरी डेट वाली सैंपल किट क्यों भेजी थी। राष्ट्रीय डोपिंग रोधी एजेंसी ने अब तक उनके इस प्रश्न का उत्तर क्यों नहीं दिया है।

इस पाक ऑलराउंडर से भारतीय टीम को रहना होगा सावधान

मुम्बई।भारतीय क्रिकेट टीम को 9 जून को पाकिस्तान के खिलाफ होने वाले टी20 विश्वकप क्रिकेट टूर्नामेंट में ऑलराउंडर इफ्तिखार अहमद से सावधान रहना होगा। इफ्तिखार मध्यक्रम में आक्रामक बल्लेबाजी से मैच का रुख मोड़ देता है। ऐसे में भारतीय टीम को टीम कप्तानी बाबर आजम और विकेटकीपर मोहम्मद रिजवान से ज्यादा खतरा इफ्तिखार से है। इफ्तिखार तेजी से रन बनाने में माहिर होने के कारण कुछ देर में ही मैच के रुख को बदल सकता है। इस बल्लेबाज ने अब तक अबतक कुल 64 टी20 मुकाबलों की 53 पारियों में 25.0 की औसत से 975 रन बनाये हैं। इफ्तिखार को अक्सर निचले क्रम में बल्लेबाजी करते हुए देखा जाता है। अगर उन्हें उपरी क्रम में बल्लेबाजी का मौका मिलता तो उनके रनों का आंकड़ा और बढ़ सकता था। इफ्तिखार बल्ले से ही नहीं गेंद से भी मैच का रुख बदलने में सक्षम हैं। उन्होंने पाकिस्तान के लिए अबतक टी20 की 23 पारियों में गेंदबाजी करते हुए 8 विकेट लिए हैं। अहम बात यह है कि उन्होंने इस दौरान केवल 7.04 की इकोनॉमी से रन दिये हैं। इफ्तिखार ने भारत के खिलाफ अबतक कुल 3 टी20 मुकाबलों में भाग लिया है। उसमें इस क्रिकेटर ने 3 पारियों में 40.50 की औसत और 142.10 की स्ट्राइक रेट से 81 रन बनाये हैं। उनका व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाजी प्रदर्शन 51 रन का रहा है।

पेरिस ओलंपिक पर पड़ रही चीन के डोपिंग घोटाले की छाया

बीजिंग (एजेंसी)। शी जिनपिंग के नेतृत्व में चीन पर 2021 में चीनी ओलंपिक तैराकों के पॉजिटिव डोपिंग परीक्षणों को छिपाने और उन्हें पेरिस में होने वाले आगामी ओलंपिक खेलों में भाग लेने के लिए भेजने का प्रयास करने का आरोप है। खेल विशेषज्ञों ने आशंका जताई है कि अगर दोषी चीनी तैराकों को पेरिस ओलंपिक में भाग लेने की अनुमति दी जाती है, तो इससे इस आयोजन की छवि खराब हो सकती है जिससे खेलों की अखंडता और निष्पक्षता पर बुरा असर पड़ सकता है।

डोपिंग निगरानी संस्था ने हाल ही में 2021 टोक्यो ओलंपिक खेलों के प्रतिबंधित तैराकों को मंजूरी दी है। वाडा ने आरोपों को यह कहते हुए खारिज कर दिया कि मामले को गलत तरीके से संभाला गया था, उन्हें %अपमानजनक% और %पूरी तरह से झूठा% बताया। चीन डोपिंग रोधी एजेंसी ने इस घटनाक्रम की मीडिया रिपोर्टिंग को %भ्रामक% बताया। इसने पहले कहा था कि पॉजिटिव परिणाम अनजाने में सम्मिश्रण का परिणाम थे। वाडा ने तब से मामले को संभालने की अपनी स्वतंत्र समीक्षा शुरू की है। वाडा ने हालांकि कहा कि उसने हर प्रक्रिया का पालन किया और जांच के निष्कर्ष पर पहुंचा कि ये मामले सम्मिश्रण के थे, डोपिंग के नहीं।

यूनाइटेड स्टेट्स एंटी-डोपिंग एजेंसी (यूएसएडीए) ने पाया कि यह एक कवर अप था और कुछ नहीं। यूएसएडीए के मुख्य कार्यकारी अधिकारी ट्रैविस टाइगार्ट ने चीन और वाडा दोनों पर नियमों का उल्लंघन करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, %भले ही आप मानते हों कि इन पॉजिटीव परीक्षणों (अनजाने में सम्मिश्रण) का कारण यही है, फिर भी आपको सकारात्मक परिणामों की घोषणा करनी होगी, आपको उल्लंघन का पता लगाना होगा और आपको उस इवेंट के परिणामों को अयोग्य घोषित करना होगा जिसमें इन एथलीटों का परीक्षण सकारात्मक आया था।%

न्यूजीलैंड स्थित पोर्टल ड्रग फ्री स्पोर्ट एनजेड के अनुसार चीन और वाडा दोनों के लिए जवाब देने के लिए गंभीर प्रश्न थे। इन सभी पर, हम आगे की जांच और जानकारी का इंतजार कर रहे हैं, खासकर जब यह एथलीटों के अनंतिम निलंबन और उल्लंघन की सार्वजनिक रिपोर्टिंग से संबंधित है - एंटी-डोपिंग कार्य के दो महत्वपूर्ण सिद्धांत।

पोर्टल ने बताया कि न्यूजीलैंड के एथलीटों को एक मजबूत और पारदर्शी एंटी-डोपिंग प्रणाली की उम्मीद करने का अधिकार है जो सभी एथलीटों पर लगातार लागू होती है, चाहे वे किसी भी देश से हों।% अमेरिकी सांसदों ने पहले ही अमेरिकी न्याय विभाग और अंतर्राष्ट्रीय ओलंपिक समिति से इस मामले में जांच की मांग की है। जर्मन पब्लिक ब्रॉडकास्टर एआरडी के समन्वय में जारी न्यूयॉर्क टाइम्स की एक रिपोर्ट के अनुसार चीनी तैराकों ने 2021 टोक्यो ओलंपिक से कई महीने पहले प्रदर्शन-बढ़ाने वाले पदार्थ ट्राइमेटाजीडिन के लिए पॉजिटीव पाए गए थे। एक टूर्नामेंट जिसमें उन्हें प्रतिस्पर्धा करने की अनुमति दी गई थी और उन्होंने पदक जीते।

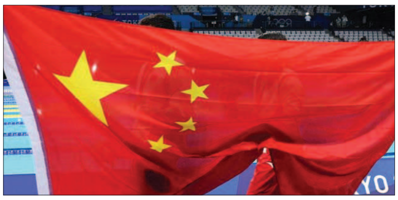

अमेरिकी प्रतिनिधि राजा कृष्णमूर्ति और जॉन मूलनार, संयुक्त राज्य अमेरिका और चीनी कम्युनिस्ट पार्टी के बीच रणनीतिक प्रतिस्पर्धा पर हाउस सेलेक्ट कमेटी के दो प्रमुख सदस्यों ने आरोप लगाया कि इस घोटाले ने गंभीर कानूनी, नैतिक और प्रतिस्पर्धी चिंताओं को जन्म दिया है और यह ओलंपिक खेलों में अनुचित तरीके से प्रतिस्पर्धा करने के लिए पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना (पीआरसी) द्वारा एक व्यापक राज्य प्रायोजित रणनीति का गठन कर सकता है। कुछ फंसे हुए तैराकों के संभावित रूप से पेरिस में प्रतिस्पर्धा करने के साथ अन्य देशों के एथलीटों के बीच कटुता की भावना स्पष्ट है। इस स्थिति ने चीन की खेल उपलब्धियों पर छाया डाली है और प्रतियोगिताओं की निष्पक्षता के बारे में चिंताएं बढ़ा दी हैं।

प्रकृति प्रेमी पी.आई.एम.बी.औसुरा ने पुलिस और पर्यावरण के बीच बनाया मेल

कपोदरा इलाके में इको-फ्रेंडली पुलिस स्टेशन जहाँ घंटों बैठने का करें मन

सूरत । किसी भी पुलिस स्टेशन में जाने से लोगों को स्वाभाविक रूप से डर लगता है. लेकिन आज इसके ठीक उलट सूरत शहर के कपोदरा पुलिस स्टेशन में प्रवेश करते ही आपकी धारणा एकदम बदल जाएगी। सूरत शहर का कपोदरा पुलिस स्टेशन इतना साफ़, स्वच्छ और पर्यावरण-अनुकूल है कि घंटों बैठे रहने का मन करता है। यह पुलिस स्टेशन दूसरों से अलग है क्योंकि यहां काम करने वाले सभी पुलिसकर्मी, अधिकारी पर्यावरणविद् हैं। यहां कार्यरत प्रकृति प्रेमी पुलिस निरीक्षक श्री एमबी औसुरा ने पुलिस और पर्यावरण के बीच सामंजस्य स्थापित किया है। उनके नेतृत्व में ग्रीनमैन के नाम से मशहूर पर्यावरणविद् विरलभाई देसाई और प्रकृति-प्रेमी पुलिस कर्मचारियों ने एक हरा-भरा और स्वच्छ पुलिस स्टेशन बनाया है। पेड़ों से आच्छादित परिसर पक्षियों की चहचहाहट के साथ पुलिस स्टेशन को एक सुखद एहसास देता है।

तत्कालीन सामान्य पुलिस स्टेशन को ग्रीन-मॉडल पुलिस स्टेशन में परिवर्तित करने वाले पर्यावरणविद् पुलिस निरीक्षक श्री एम. बी. औसुरा ने कहा कि सितंबर 2023 में, जब मैं सूरत शहर के कपोदरा पुलिस स्टेशन में तैनात था, ड्रोन द्वारा लिए गए वीडियो फुटेज देख रहा था यहां कैमरे में यह पुलिस स्टेशन प्रकृति और पेड़ों से घिरा हुआ नजर आ रहा था. मुझे बचपन से ही पेड़ों, जानवरों और प्रकृति से लगाव रहा है, इसलिए मेरे मन में एक इको-फ्रेंडली पुलिस स्टेशन बनाने का विचार आया। और पेड़ों और पर्यावरण के लिए काम करते हुए उनकी मुलाकात ग्रीन मैन के नाम से मशहूर विरल भाई देसाई से हुई। उन्हें इको फ्रेंडली पुलिस स्टेशन बनाने की प्रेरणा और मदद मिली. उनकी मदद से, कपोदरा पुलिस स्टेशन ने वाहनों के बेकार टायरों, टूटे हुए पाइपों, प्लास्टिक की बोतलों, अप्रयुक्त डिब्बों का उपयोग करके पौधे और लताएँ उगाना शुरू किया और पेड़ लगाना काम का अंत नहीं है और विरलभाई की टीम ने पेड़ों के रखरखाव का काम उठाया।

आज थाने का प्रांगण हरा-भरा हो गया है। अपनी फरियाद लेकर आने वाला याचक यहां प्रवेश करने के बाद यहां की साफ-सफाई, हरियाली देखकर तुरंत प्रसन्न हो जाता है। वह गर्व से बताते हैं कि यहां काम करते हुए पुलिसकर्मी तनाव मुक्त हो गए हैं और उनकी कार्यक्षमता भी बढ़ी है।

श्री औसुरा ने आगे कहा कि पर्यावरण जागरूकता के लिए थाने में अभियान शुरू किया गया है. थाने में छोटे-मोटे काम के लिए आने वाले लोगों को एक पौधा निःशुल्क दिया जाता है और उसे अपने घर पर लगाने का संकल्प लिया जाता है। साथ ही पेड़ को संवारने की प्रेरणा भी दी जाती है। इसके अलावा थाने की हवालात की दीवारों पर भी पर्यावरण की थीम पर तस्वीरें तैयार की गई हैं. ताकि अपराधियों का हृदय परिवर्तन किया जा सके. पक्षियों के लिए अपशिष्ट पदार्थों से घोंसले बनाकर सभी पेड़ों पर लगाए जाते हैं। शाम 6 बजे के बाद पक्षी इसमें बैठने आते हैं, पक्षियों की चहचहाहट से पूरा वातावरण खुशनुमा और ऊर्जावान हो जाता है। रविवार को कई लोग इस पुलिस स्टेशन को देखने के लिए ही आते हैं।

विश्व पर्यावरण दिवस के उपलक्ष्य में संत निरंकारी मिशन की ओर से देशभर के 18 पर्वतीय पर्यटक स्थलों पर वृक्षारोपण एवं स्वच्छता अभियान का आयोजन

सुरत भुमि, सूरत। मानव ने हमेशा अपने विकास के लिए प्राकृतिक संसाधनों का दोहन किया है, उसी का परिणाम है कि आज हम अपने पर्यावरण में पतन देख रहें है। इस क्षति से पृथ्वी को बचाने और पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागृति लाने हेतु संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा प्रति वर्ष 'विश्व पर्यावरण दिवस' का आयोजन किया जाता है।

सतगुरु माता सुदीक्षा जी महाराज के आदेशानुसार संत निरंकारी मिशन की सामाजिक शाखा, संत निरंकारी चैरिटेबल फाउंडेशन द्वारा संयुक्त राष्ट्र की थीम 'बीट प्लास्टिक पोल्युशन' के विषय अनुरूप, 5 जून, बुधवार को संपूर्ण भारतवर्ष के पर्वतीय पर्यटक स्थलों पर विशाल वृक्षारोपण और स्वच्छता अभियान का आयोजन कर रहा है। पर्यावरण संकट के मध्य जहां प्रदूषण से निपटने हेतु समस्त मानवजाति एक साथ, एक मंच पर एकत्रित हो गयी है, वहीं निरंकारी मिशन अपने इन अभियानों द्वारा आज की युवा पीढ़ी को सकरात्मक ऊर्जा प्रदान कर रहा है जो निसंदेह कल का उज्जवल भविष्य है। संत निरंकारी चैरिटेबल फाउंडेशन के स्वयंसेवक, सेवादल सदस्य, भक्त और संबंधित शहरों के निवासी संग मिलकर इस महाअभियान का हिस्सा बनने जा रहे हैं, जिससे प्रकृति संरक्षण को एक अर्थपूर्ण लक्ष्य तक पहुंचाया जा सके।

संत निरंकारी चैरिटेबल फाउंडेशन के सचिव श्री जोगिंदर सुखीजा ने जानकारी देते हुए बताया कि मिशन वर्ष 2014 से ही संयुक्त राष्ट्र के 'युनाईटेड नेशन एनवाईरनमेंट प्रोग्राम' पर्यावरण कार्यक्रम की थीम पर 'विश्व पर्यावरण दिवस' आयोजित कर रहा है। हर वर्ष की भाँति इस वर्ष भी निरंकारी मिशन द्वारा संपूर्ण भारतवर्ष के 18 पर्वतीय एवं पर्यटक स्थलों, जिनमें गुजरात के सापुतारा , जबकि अन्य राज्यों में महाराष्ट्र के महाबलेश्वर, पंचगनी, खंडाला, लोनावाला, पन्हाला, सोमेश्वर उत्तराखंड से मसूरी, ऋषिकेश, लैंसडाउन, नैनीताल , चकराता, भवाली, हिमाचल प्रदेश का शिमला, मनाली, धर्मशाला, सिक्किम के गीजिंग शहर और कर्नाटक की नंदी हिल्स जैसे पर्वतीय स्थल शामिल है।

इस कार्यक्रम का आयोजन प्रातः 8:00 बजे से दोपहर 2:00 बजे तक किया जायेगा जिसमें सभी स्वयंसेवक सम्मिलित होकर सर्वप्रथम निरंकार प्रभु से प्रार्थना करेंगे ताकि कार्यक्रम सफलतापूर्वक सम्पन्न हो। मिशन के युवा स्वयंसेवक 'बीट प्लास्टिक पोल्युशन' की थीम पर नुक्कड़ नाटिकाओं की सुंदर प्रस्तुति करके लोगों को पर्यावरण संकट के प्रति जागरूक करेंगे। सभी स्वयंसेवक तख्तियां एवं बैनर पर्यावरण संरक्षण के संदेशों का उपयोग करके मानव श्रृंखला बनायेंगे।

सूरत के सिद्धार्थ शाह ने 3 साल की उम्र में पैराग्लाइडिंग का विश्व रिकॉर्ड बनाया

सूरत. 3 साल, 3 महीने और 5 दिन की उम्र में महाराष्ट्र के लोनावाला में समुद्र तल से 900 मीटर की ऊंचाई पर उड़ान भरने वाले सिद्धार्थ शाह अब दुनिया के सबसे कम उम्र के पैराग्लाइडर बन गए हैं। गुजरात के सूरत के रहने वाले शिवाय ने 1 फरवरी 2024 को लोनावला में यह अद्भुत उपलब्धि हासिल कर गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में अपना नाम दर्ज कराया। शिवाय के पिता सिद्धार्थ शाह, जो एक अनुभवी पैराग्लाइडर भी हैं, ने अपने बेटे को इस साहसिक प्रयास के लिए प्रोत्साहित किया। शिवाय ने बड़ी शांति और आत्मविश्वास के साथ उड़ान भरी और रिकॉर्ड बनाया।

इस मौके पर गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स के अधिकारियों ने उनकी उपलब्धि पर सर्टिफिकेट देकर सम्मानित किया. शिवाय के परिवार और दोस्त उसकी उपलब्धि पर बहुत खुश थे।

शिवाय की उपलब्धि बच्चों के लिए प्रेरणादायक है और दिखाती है कि कम उम्र में भी कुछ भी संभव है।

एयरटेल ने दुनिया के सबसे बड़े टी20 क्रिकेट टूर्नामेंट के लिए योजना शुरू की

नई दिल्ली, 04 जून, 2024: भारती एयरटेल (''एयरटेल''), भारत की अग्रणी दूरसंचार सेवा प्रदाता, ने आज दुनिया के सबसे बड़े टी20 क्रिकेट टूर्नामेंट को ध्यान में रखते हुए ग्राहकों के लिए विशेष पैक पेश किए। निर्बाध और निरंतर मैच देखने के अनुभव को सुनिश्चित करने के लिए, एयरटेल अपने प्रीपेड, पोस्टपेड, इंटरनेशनल रोमिंग, होम ब्रॉडबैंड और एयरटेल डिजिटल टीवी उपयोगकर्ताओं के लिए भारत में दुनिया के सबसे बड़े टी20 क्रिकेट टूर्नामेंट के आधिकारिक स्ट्रीमिंग पार्टनर डिज्नी+ हॉटस्टार की तीन महीने की सदस्यता प्रदान कर रहा है।

टी20 क्रिकेट टूर्नामेंट के लिए प्रीपेड प्लान 499 रुपये से शुरू होते हैं और 28 दिनों के लिए हाई-स्पीड 3जीबी डेटा के साथ-साथ डिज्नी+ हॉटस्टार के तीन महीने के सब्सक्रिप्शन के साथ आते हैं। इस प्लान में एयरटेल एक्सस्ट्रीम प्ले पर 20 से ज्यादा ओटीटी को मुफ्त में अनलॉक किया जाता है। 839 रुपये में 84 दिनों की योजना भी उपलब्ध है जो प्रतिदिन 2जीबी डेटा के साथ समान लाभ प्रदान करती है। 3359 रुपये की वार्षिक योजना में डिज्नी+ हॉटस्टार की एक साल की बंडल सदस्यता है, साथ ही एक्सस्ट्रीम ऐप पर ओटीटी प्लेटफ़ॉर्म तक पहुँच और प्रतिदिन 2.5 जीबी डेटा भी शामिल है।

पोस्टपेड प्लान में एक साल का डिज्नी+ हॉटस्टार सब्सक्रिप्शन, साथ ही एक्सस्ट्रीम ऐप पर 20 से अधिक ओटीटी प्लेटफॉर्म तक पहुंच, अनलिमिटेड 5जी डेटा और पारिवारिक ऐड-ऑन लाभ भी शामिल हैं।।

हाई-स्पीड इंटरनेट, मनोरंजन, प्रोफेशनल और इनफिनिटी प्लान की तलाश कर रहे घरेलू ग्राहकों को 999 रुपये, 1498 रुपये और 3999 रुपये में कई तरह के स्पीड विकल्प दिए गए हैं। इसके अलावा, इन प्लान में अनलिमिटेड डिज्नी+ हॉटस्टार सब्सक्रिप्शन और अन्य लाभ भी शामिल हैं।

लाइव मैच देखने के लिए अमेरिका और कनाडा की यात्रा करने वाले प्रशंसकों के लिए, कंपनी ने इन-फ्लाइट कनेक्टिविटी के साथ इंटरनेशनल रोमिंग पैक को सरल बनाया है, ताकि प्रशंसक 133 रुपये प्रतिदिन की कम कीमत पर लाइव मैच स्ट्रीम कर सकें और इंटरनेशनल रोमिंग का आनंद ले सकें, जिससे इन-कंट्री सिम की तुलना में भी यह देखने में किफायती हो जाता है।

इसके अलावा, एयरटेल डिजिटल टीवी पर, क्रिकेट के दीवाने अब भारत की पहली 4के सेवा का आनंद ले सकते हैं, जो दुनिया के सबसे बड़े टी20 क्रिकेट सीजन में और भी अधिक शानदार और लुभावने अनुभव को लेकर आती है।

मैजेंटा लाइफकेयर लिमिटेड का आईपीओ बुधवार 5 जून 2024 को खुल रहा है और इश्यू की तारीख है शुक्रवार 7 जून 2024 को बंद होगा

magenta

मैजेंटा लाइफकेयर लिमिटेड के 20,00,000 इक्विटी शेयरों का सार्वजनिक निर्गम होगा। यह रु. 10 रुपये के प्रीमियम के साथ अंकित मूल्य का एक निश्चित मूल्य मुद्दा है। 25 प्रति इक्विटी शेयर, कुल 700.00 लाख जुटाने की मांग। यह इश्यू बुधवार, 5 जून, 2024 को खुलेगा और 7 जून को बंद होगा, मैजेंटा लाइफकेयर लिमिटेड गद्दे और गद्दे जैसे फोम-आधारित उत्पादों का निर्माता है, जो भारत में "मैजेंटा" ब्रांड के तहत विपणन करता है। इश्यू का विवरण: रुपये अंकित मूल्य के 20,00,000 इक्विटी शेयर। 10.00/- प्रति इक्विटी शेयर रु. 35/- का पूरा भुगतान नकद और रु. 700.00 लाख जुटाए जाएंगे। मार्केट मेकर आरक्षण भाग 1, 04,000 इक्विटी शेयर रु. 10.00/- रुपये अंकित मूल्य का प्रत्येक इक्विटी शेयर। 35/- नकद के लिए पूरा भुगतान किया गया, जो कुल रु. 36.40 लाख. रु. अंकित मूल्य के 18,96,000 इक्विटी शेयरों के शुद्ध निर्गम की घोषणा करने के लिए 10/- रुपये की कीमत पर प्रत्येक पूर्णतः नकद भुगतान किया गया। 35/- प्रति इक्विटी शेयर कुल मिलाकर रु. 663.60 लाख की राशि होगी. रु. रुपये के अंकित मूल्य के 9,48,000 इक्विटी शेयरों के खुदरा हिस्से में 10.00/-। 331.80 लाख यानी शुद्ध इश्यू का 50% खुदरा व्यक्तिगत निवेशकों को आवंटन के लिए उपलब्ध होगा। गैर-संस्थागत भाग 9,48,000 इक्विटी शेयर रु. 10.00/- रुपये अंकित मूल्य का प्रत्येक इक्विटी शेयर। 35/- प्रति इक्विटी शेयर का पूरा नकद भुगतान। यह राशि रु. 331.80 लाख यानी शुद्ध इश्यू का 50% खुदरा व्यक्तिगत निवेशकों के अलावा अन्य निवेशकों को आवंटन के लिए उपलब्ध होगा।

इश्यू से पहले और बाद की पूंजी: इश्यू 48, 69,936 इक्विटी शेयर, इश्यू से पहले बकाया, रुपये के अंकित मूल्य के साथ। 10.00/- प्रत्येक। इश्यू के बाद 68,69,936 इक्विटी शेयर बकाया हैं। 10.00/- प्रत्येक का अंकित मूल्य होगा। आईपीओ की शुद्ध आय का उपयोग इसकी कार्यशील पूंजी आवश्यकता और सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्य (जीसीपी) के लिए किया जाएगा। कंपनी की उत्पाद पेशकश में मेमोरी फोम, लेटेक्स-आधारित, बॉन्डेड गद्दे, पॉकेट स्प्रिंग इत्यादि जैसे गद्दे की एक विस्तृत श्रृंखला शामिल है, और मेमोरी फोम तकिया, मोल्डेड मेमोरी फोम तकिया, मोल्डेड कंटूर फोम तकिया आदि जैसे गद्दे शामिल हैं। हरी चाय और बांस. उनके उत्पादों की श्रृंखला में चारकोल आधारित हर्बल गद्दे और पालतू जानवरों के बिस्तर के गद्दे शामिल हैं। कंपनी संसाधित कच्चे फोम और एडजस्टेबल बेड फ्रेम (हाइड्रोलिक बेड) की भी आपूर्ति करती है, जिसे वे मैजेंटा ब्रांड नाम के तहत आयात करते हैं, उनके उत्पाद की पेशकश मूल्य वर्धित उत्पादों से लेकर समाज के सभी क्षेत्रों में प्रीमियम सेगमेंट तक होती है।

AM/NS INDIA
ArcelorMittal Nippon Steel India

દરિયાકિનારાની સુરક્ષા માટે
1.5 લાખ મેન્ગ્રોવની દિવાલ ઉભી કરી

જૂન 05, 2024 વિશ્વ પર્યાવરણ દિવસ માટે અમારી પ્રતિબદ્ધતા

મેન્ગ્રોવ દરિયાકિનારાના કુદરતી રક્ષક છે. CSR પહેલના ભાગરૂપે, આર્સેલરમિત્તલ નિપ્પોન સ્ટીલ ઈન્ડિયા (AM/NS INDIA) દ્વારા ગુજરાતના નાડા-દેવજગન ગામમાં 1.5 લાખથી વધુ મેન્ગ્રોવ છોડના બીજ વાવેતરથી ઉછેર સુધીની તમામ જવાબદારીઓ અદા કરવામાં આવી છે. સર્વ ફાઉન્ડેશન અને તવર વિકાસ સમિતિના સહયોગથી હાંસિલ થયેલી આ સિદ્ધિ થકી અમે કુદરતી સંતુલનને પુનઃસ્થાપિત કરવાની અને રિઈમેજીનિયર ભારતના ટકાઉ ભવિષ્યની યોજના બનાવીએ છીએ.

SMARTER STEELS BRIGHTER FUTURES

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादकः संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोनः 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)